जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

कोटा

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

कोटा, शुक्रवार 2 जून, 2023

67 वर्षों का विश्वास

OSWAL SOAP GROUP • SINCE ओसवाल 1956

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

ओसवाल से धुलेगा
तो हर कपड़ा खिलेगा

अखाद्य तेल से बना

कपड़ों की देखभाल

त्वचा का पूरा ख़्याल

बेहतर सफ़ाई

बरसों का विश्वास

कम पानी में धुलाई

नकली माल से सावधान

ओसवाल सोप ग्रुप

अधिक जानकारी के लिए
+91 91161 71956, 96802 01956 पर कॉल करें

विपणन :
उत्तम चन्द देसराज

अब घर बैठे मँगवाएं ओसवाल उत्पाद
OswalSoap.com पर जाएं या
स्कैन करें और ओसवाल एप डाउनलोड करें
GET IT ON Google Play

MercuryDesign.in

## विचार बिन्दु

**केवल अंग्रेज़ी सीखने में जितना श्रम करना पड़ता है उतने श्रम में भारत की सभी भाषाएँ सीखी जा सकती हैं। –विनोबा**

# Increase in Salary of High Court Judges Must Reflect in Same Proportion to District Judges : Supreme Court

संविधान के अध्याय-V में उच्च न्यायालय के जजों की नियुक्ति, ट्रान्सफर, प्रोमोशन, वेतन आदि के प्रावधान हैं। अनुच्छेद 227 में सभी उच्च न्यायालयों के अपने अपने राज्य क्षेत्रों में जिनके संबंध में वे अपनी आधिकारिता का प्रयोग करते हैं, सभी न्यायालयों और अधिकरणों का अधीक्षण करेंगे। अध्याय-VI के अनुच्छेद 233 में जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति, पदस्थापना और प्रोन्नति उस राज्य का राज्यपाल ऐसे राज्य के संबंध में अधिकारिता का प्रयोग करने वाले उच्च न्यायालय से परामर्श करके करेगा। अनुच्छेद 236 में जिला जज की परिभाषा में जज ऑफ सिटी सिविल जज, अपर जिला न्यायाधीश, संयुक्त जिला न्यायाधीश, सहायक जिला न्यायाधीश, लघुवाद न्यायालय का मुख्य न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश, मुख्य व ऊपर प्रेसीडेन्सी, मजिस्ट्रेट, सेशन्स न्यायाधीश, अपर व सहायक सेशन्स न्यायाधीश हैं। अनुच्छेद 236 (ख) में 'न्यायिक सेवा' पद से ऐसी सेवा अभिप्रेत है जो अनन्यत: ऐसे व्यक्तियों से मिलकर बनी है, जिनके द्वारा जिलाधीश के पद का और जिला न्यायाधीश के पद से अवर व अन्य सिविल न्यायिक पदों का भरा जाना आशयित है।

ऑल इण्डिया जजेज एसोसिएशन बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया व अन्य के केस में पीठ ने जिसमें मुख्य न्यायाधीश डीवाई चन्द्रचूड, न्यायाधीश रामसुब्रामण्यन व न्यायाधीश पीएस नरसिम्हा थे, और वे पे स्केल वास्ते जूडिशियरी ने जो बढोत्तरी की थी उसके बाबत विचार कर रही थी, क्योंकि यह बढोत्तरी द्वितीय नेशनल लॉ पे कमीशन (एसएनजेपीसी) ने की थी। बहस के समय डिस्ट्रिक्ट जूडिशियरी के महत्व पर पीठ विचार कर रही थी, उस समय पीठ ने कहा कि हम मानते हैं कि सुप्रीम कोर्ट को डिस्ट्रिक्ट ज्यूडिशियरी (District Judiciary) के महत्व के कारण भविष्य में डिस्ट्रिक्ट ज्यूडिशियरी को Subordinate Judiciary कह कर सम्बोधन नहीं करेंगे। उक्त केस में निर्णय के लेखक माननीय न्यायाधीश नरसिम्हा ने पीठ की ओर से जो लिखा है वह इस प्रकार है:-

**No longer should this Court refer to the District Judiciary as 'subordinate judiciary'. Not only is this a misnomer because the District Judge is not per se subordinate to any other person in the exercise of her jurisdiction but also is disrespectful to the constitutional position of a District Judge. Our Constitution recognizes and protects a District Judge as a vital cog in the judicial system. Respect ought to be accorded to this institution and its contribution to the country. **

उक्त निर्णय दिनांक 19.05.2023 को पढ़ेंगे तो यह भी स्पष्ट होगा कि **The District Judiciary is the backbone of the judicial system. Vital to the judicial system is the independence of the judicial officers serving in the District Judiciary** निर्णय का वह भाग बहुत ही करूणा मय है जब माननीय पीठ ने अपने निर्णय में कहा कि To secure their impartiality, it is important to ensure their financial security and economic independence.

**माननीय सुप्रीम कोर्ट ने डिस्ट्रिक्ट ज्यूडिशियरी को Subordinate Judiciary कहने को मना किया है, डिस्ट्रिक्ट जजों का पद गरिमा मय है और पद के महत्व को देखते हुए निर्णय में यह कहा कि इस पद को वही इज्जत मिलनी चाहिए जो हाईकोर्ट के जजों को प्राप्त हैं, क्योंकि जिला जज का पद, हाईकोर्ट के पद से एक पद से नीचे है।**

माननीय पीठ ने कहा कि डिस्ट्रिक्ट कोर्ट व हाईकोर्ट दोनों की कार्यशैली एक जैसी है, यानी दोनों को ही निष्पक्षता से तथा स्वतंत्र रूप से न्याय करना है।

Unified Judicial System के लिये आवश्यक है कि न्याय प्रणाली निष्पक्ष व निर्भिक तथा स्वतंत्र हो। वेतन, पेंशन व अन्य सेवा की आवश्यक शर्तों में हाईकोर्ट व डिस्ट्रिक्ट जजों के मध्य कोई रेशियो होना चाहिए। 'डिस्ट्रिक्ट जजों को Subordinate Judicial नहीं कहा जा सकता और हम ऐसा नहीं कहेंगे'। हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के वेतन में जब-जब बढ़ोत्तरी होती है, उसका Reflection डिस्ट्रिक्ट जजों के वेतन में उसी प्रोपरशन से होना चाहिए।

All India Judges Association Vs Union of India & others [Writ Petition (C) No.643/2015] Citation 2023 LiveLaw (SC) 452 decided on 19.05.2023 कई कारणों से महत्वपूर्ण है। इस निर्णय में कई महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला है, वे इस प्रकार हैं:-

1. डिस्ट्रिक्ट जजेज स्टेट एम्प्लाइज नहीं हैं अपितु वे पब्लिक पदों के धारक हैं वे सार्वभोम न्यायिक अधिकारों को Wield करते हैं।

2. Unified Judicial System में पदानुक्रम में हाईकोर्ट के न्यायाधीश डिस्ट्रिक्ट जज से ऊपर है अत: यह न्यायोचित है कि उनका वेतन जिला जजों के वेतन से अधिक होगा।

3. जिला जज राज्य कर्मचारी नहीं हैं अत: उनकी तुलना विधायिका के सदस्यों व कार्यपालिका में (Executive cesb) मिनिस्टर से की जा सकती है न Executive Staff से।

4. जिला जज के Function व हाईकोर्ट के Function एक जैसे हैं।

5. पेन्शन व एरियर्स (Arrears) के बाबत जूडिशियल ऑफिसर्स का भुगतान समय सीमा में होना चाहिए।

6. ऑल इण्डिया जजेज एसोसिएशन का केस जुडिशियल ऑफिसर्स की मांग थी कि उन्हें द्वितीय नेशनल जूडिशियल पे कमीशन के एरियर्स दिलाये जावें। इस केस की सुनवाई के बाद सर्वोच्च न्यायालय के तीन माननीय न्यायाधीशों की पीठ ने यह माना कि District Judiciary Subordinate Judiciary नहीं है और डिस्ट्रिक्ट जज व हाईकोर्ट के न्यायाधीश के Function एक जैसे हैं। इस प्रकार डिस्ट्रिक्ट जजों को सुप्रीम कोर्ट ने ऊँचा स्टेटस दिया है यह करार दिया है कि उनके हाईकोर्ट के Function एक जैसे हैं।

यहाँ हम जिला जजों के बाबत विचार कर रहे हैं। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने डिस्ट्रिक्ट ज्यूडिशियरी को Subordinate Judiciary कहने को मना किया है, डिस्ट्रिक्ट जजों का पद गरिमा मय है और पद के महत्व को देखते हुए निर्णय में यह कहा कि इस पद को वही इज्जत मिलनी चाहिए जो हाईकोर्ट के जजों को प्राप्त हैं, क्योंकि जिला जज का पद, हाईकोर्ट के पद से एक पद से नीचे है। यद्यपि संविधान के अनुच्छेद 233 का उल्लेख अध्याय VI में जिला जजों को अधीनस्थ न्यायालय से सम्बोधित किया है। माननीय कोर्ट ने इस असंगति को दूर करने के हेतु निर्णय में कहा कि जिला ज्यूडिशियरी Subordinate Judiciary नहीं है। इस विचार धारा पर ऊपर प्रकाश डाला गया है। यदि हम इस प्रसंग को संविधान की उद्देशिका की पृष्ठभूमि के संदर्भ में पढते हैं, तो स्पष्ट होगा कि भले ही उद्देशिका को संविधान के एक अभिन्न अंग के रूप में माना है, फिर भी यह अपनी जगह सच है कि यह न तो किसी शक्ति का कोई स्रोत है और उसको किसी भी प्रकार सीमित करता है"। वस्तुत: हमारे न्यायालय विधि न्यायालय है। न्याय की परिभाषा या व्याख्या सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के रूप में की गई है। अत: डिस्ट्रिक्ट ज्यूडिशियरी अधीनस्थ ज्यूडिशियरी नहीं है, क्योंकि वे किसी के Subordinate नहीं हैं व ऐसा कहना उनका अनादर है। संविधान ने इन्हें उचित स्थान दिया है।

दिनांक 19.05.2023 के उक्त वर्णित निर्णय ने एसोसिएशन के सदस्य को लाभ दिये हैं। उज्जवल भविष्य का सपना दिखाया है। पद को और गरिमा प्रदान की गई है। अपने अधिकारों के हेतु कोर्ट की शरण लेना उचित कदम है। निर्णय का लाभ सभी जिला न्यायाधीशों को मिलेगा जो संविधान के अनुच्छेद 236 की डिस्ट्रिक्ट जज की परिभाषा के तहत आते हैं।

राजस्थान में जूडिशियल ऑफिसर्स का अपना एसोसिएशन है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को समझें और उसके अनुसार आचरण करें। हाईकोर्ट व बार एसोसिएशन को प्रतिवेदन भेंजे। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की पालना करने के हेतु उचित प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को लिखें।

सत्यमेव जयते!

**-अतिथि सम्पादक,**
**पानाचन्द जैन**
**पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट**

# जलवायु परिवर्तन के साथ ही पश्चिमी विक्षोभों का बदलता पैटर्न

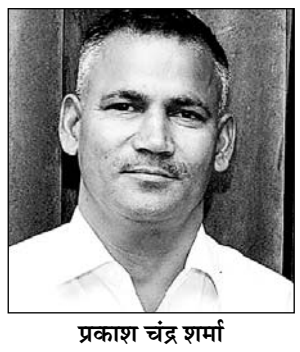

**प्रकाश चंद्र शर्मा**

इंसान ने तो रंग बदलने की प्रवृत्ति में गिरगिट को भी परास्त कर दिया लेकिन प्रकृति भी वर्षभर के मौसमी चक्र पर स्थिर रहने के बजाय इस प्रकार अपना रंग बदलने लगेगी, इसकी कल्पना तो किसी ने भी नहीं की थी। नौतपा में हर साल धरती खूब तपा करती है। हमारे बुजुर्ग सूर्य की आग उगलती गर्मी में धरती द्वारा की जाने वाली इस नौ दिन की तपस्या को अच्छे संवत से जोडकर देखते रहे हैं। विज्ञान से परे बुजुर्गों का मानना है कि यदि धरती का नौतपा यज्ञ निर्विघ्नता से सम्पन्न हो जाए तो वर्षा का चक्र भी बहुत बेहतर रहता है। यदि बुजुर्गों के अनुभवों के मापदंड पर इस साल के मौसम को परखें तो यह बात तय हो चुकी है कि अबकी बार अच्छी बारिश होने की उम्मीद बहुत कम है। बार-बार उठ रहे पश्चिमी विक्षोभ के राक्षस ने धरती के नौतपा यज्ञ में इस बार जमकर विघ्न उत्पन्न किए हैं। मई मास बीत जाने के बावजूद अभी तक पिछले वर्षों की भांति गर्मी का अहसास तक नहीं हुआ है। जिन दिनों में चोटी के पसीने का बार- बार एडी से मिलन होना चाहिये था, उन दिनों पसीनों से तरबतर होना तो दूर की बात, ठण्डे वातावरण के चलते चिपचिपाहट का भी तनिक सा अहसास नहीं हो पा रहा है। अब ग्रीष्मकाल बीतने में जून माह के सिर्फ़ बीस दिन शेष बचे हैं। बीस दिन इसलिए क्योंकि आमतौर पर बीस जून तक देश के अधिकांश भूभाग में मानसून के सक्रिय हो जाने से वर्षा आरम्भ हो जाती है। इस वर्ष बार बार सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभों से चकित मौसम विज्ञान विभाग भी ठिठका हुआ है। प्रकृति के बदलते तैवरों से वह भी आश्चर्यचकित है। जिन दिनों पहाडी इलाकों में गर्मी के चलते बर्फ पिघलना आरम्भ हो जाता था, उन्हीं दिनों में वहां बर्फबारी हुई है और इस बदलाव से वैज्ञानिक चकित हैं।

मौसम चक्र में तीन साल के दौरान खासतौर पर बदलाव देखा गया है। पूरी अवधि के दौरान 16 से 24 पश्चिमी विक्षोभ की घटनाएं होती हैं। इस बार सर्दी में सिर्फ तीन तेज पश्चिमी विक्षोभ आए। जलवायु परिवर्तन का असर कहें या पश्चिमी विक्षोभों का प्रभाव... देश में मौसम चक्र भी इससे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सका है। सर्दी गर्म होने लगी है तो इस साल गर्मी भी अभी तक ठंडी ही महसूस हो रही है।

मौसम विज्ञानियों की मानें तो 2020-21 के बाद से असामान्य मौसम का कारण पश्चिमी विक्षोभ के बदलते चरित्र में निहित है।

रिव्यूज ऑफ जियोफिजिक्स जर्नल में प्रकाशित वेस्टर्न डिस्टर्बेंसेज: अ रिव्यू के अनुसार दिसंबर से मार्च के बीच भारत हर माह औसतन चार से छह बार तेज पश्चिमी विक्षोभ का सामना करता है। यानि इस पूरी अवधि के दौरान 16 से 24 पश्चिमी विक्षोभ की घटनाएं होती हैं। लेकिन इस बार सर्दी के दौरान देश में सिर्फ तीन तेज पश्चिमी विक्षोभ आए। इनमें से दो जनवरी और एक मार्च में रहा।

दिसंबर और फरवरी बिना किसी तेज पश्चिमी विक्षोभ के ही बीत गए। अप्रैल में दो से तीन आते हैं, लेकिन इस बार पांच से छह आए।

एक अन्य पेपर वेस्टर्न डिस्टर्बेंस- इन इंडियन मीटियोरोलाजिकल पर्सपेक्टिव के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ से बनने वाले बादलों का सर्दी के मौसम के दौरान अधिकतम तापमान पर भी प्रभाव पड़ता है लेकिन ये बादल इस बार सर्दी में गायब थे।

20 फरवरी को गुजरात और राजस्थान के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 39 डिग्री तक पहुंच गया, जिसकी वजह से मौसम विज्ञान विभाग को किसानों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी करनी पडी। एक तरह से मौसम विभाग ने चेतावनी दी कि देश में पिछले साल जैसे हालात का सामना फिर से करना पड सकता है।

पिछली बार कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के कारण मार्च में तापमान बढ़ गया था। इस कारण पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में 30 से 40 फीसदी तक गेहूं की फसल का नुकसान हुआ। इसके नतीजे बहुत गंभीर रहे। घरेलू गेहूं की कीमतें आसमान छू गईं और केंद्र को गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने से लेकर अपना गेहूं का भंडार कम कीमतों पर बेचने तक, कई मुश्किल फैसले लेने के लिए मजबूर होना पडा।

**क्या हैं पश्चिमी विक्षोभ :** आईआईटीएम पुणे के जलवायु विज्ञानी राक्सी मैथ्यू काल बताते हैं कि पश्चिमी विक्षोभ ऐसे चक्रवाती तूफान हैं, जो जमीन पर बनते हैं। ये तूफान ज्यादातर मेडिटेरियन क्षेत्र के तापमान में उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों से गर्म हवा और उत्तरी ध्रुवीय क्षेत्रों से ठंडी हवा के मिश्रण से होने वाले उतार चढ़ाव से बनते हैं। वैसे तो स्टार्म सिस्टम पूरे साल बनते रहते हैं लेकिन ये ज्यादातर दिसंबर व अप्रैल के बीच भारत आते हैं।

किसी बढ़ते हुए पश्चिमी विक्षोभ से पहले गर्म, नम हवा आती है और उसके बाद ठंडी, शुष्क हवा। यह सिस्टम दिसंबर और जनवरी सरीखे अत्यधिक सर्दियों वाले महीनों में तापमान गर्म रखता है और फरवरी और मार्च-अप्रैल में तापमान को बढ़ने से रोकता है।

प्रकृति के तैवरों में बीते तीन साल से जबरदस्त बदलाव देखा जा रहा है। पिछले तीन वर्षों से दुनिया ला नीना फेज में है। इसका संबंध प्रशांत महासागर में समुद्री सतह के ठंडा होने से है। इससे गर्म ट्रापिकल हवा का तापमान गिर जाता है और पश्चिमी विक्षोभ को बनाने के लिए जरूरी तापमान का उतार-चढ़ाव कमजोर पड जाता है।

मुंबई स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के जलवायु वैज्ञानिक रघु मुर्तुगुड्डे कहते हैं- आमतौर पर अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ) के ला नीना फेज के दौरान पश्चिमी विक्षोभ कमजोर पड जाते हैं। इस कारण सर्दियां शुष्क हो जाती हैं।

वहीं, अल नीनो फेज में हालात इसके उलट होते हैं। मौजूदा समय में भी अल नीनो फेज ही चल रहा है। इसलिए मई में भी अभी तक न अधिकतम तापमान बहुत बढ़ा है और न ही लू चली है।

माना जा रहा है कि भविष्य में स्थिति और भी खराब हो सकती है। जलवायु वैज्ञानिक कहते हैं- पश्चिमी विक्षोभ आमतौर पर कमजोर होते जा रहे हैं और इसलिए अपने साथ कम बरसात लाते हैं लेकिन जब वे ज्यादा वर्षा लेकर आते हैं, तब हालात बहुत खराब हो जाते हैं। भविष्य में इस प्रवृत्ति के और खराब होने की आशंका है। अगर बीते आठ वर्षों के दौरान दिसंबर में आए पश्चिमी विक्षोभ की बात करें तो 2017 और 2019 को छोडकर आठ में से छह साल यह काफी कमजोर रहे हैं। इसका मुख्य कारण दिसंबर में उष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम का उत्तर की ओर खिसकना है। इसीलिए भारत में सर्दियों के दौरान पश्चिमी विक्षोभ का आना काफी कम हो गया है जबकि गर्मियों में उनकी आमद बढ़ गई है।

**-प्रकाश चंद्र शर्मा,**
**स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक**

# चार मोरों को जहरीला दाना खिलाया, दो शिकारियों को गिरफ्तार किया

**डीडवाना**, (निसं)। जिले में मोर के शिकार की घटनाए बढ़ती जा रही है वन्य जीव प्रेमियों में राष्ट्रीय पक्षी के शिकार की घटनाओं को लेकर रोष है। डीडवाना वन विभाग रेंज में लगातार दूसरे दिन मोर के शिकार की घटना हुई। वन विभाग रेंज डीडवाना के खुनखुना थाना क्षेत्र में सिपाहीयों की ढाणी के पास घुमंतू जाति के बनबागरिया परिवार द्वारा चार मोरों को जहरीला दाना खिलाकर शिकार करने का मामला सामने आया है।

- **डीडवाना वन विभाग और पुलिस मौके पर पहुंची और मृत मोरों को कब्जे में लिया**
- **गत दिनों भी अज्ञात शिकारी दंपती ने गेहूं का जहरीला दाना डाल 12 से अधिक मोरों का शिकार किया था**

ग्रामीणों की सूचना पर डीडवाना वन विभाग और खुनखुना थाना पुलिस मौके पर पहुंचे और मृत मोरो को अपने कब्जे में लिया और शिकार के आरोप में दो शिकारियों को भी गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि कल गच्छीपुरा थाना क्षेत्र के खेड़ी शीला ग्राम पंचायत मुख्यालय पर गुढ़ा चक द्वितीय की खातोलाई नाडी में अज्ञात शिकारी दंपती ने गेहूं का जहरीला दाना डालकर 12 से अधिक मोरों का शिकार कर लिया। लोगों ने शिकार के बारे में वन विभाग डीडवाना को सूचना देकर बुलाया और वन विभाग की टीम द्वारा मृत मोरों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डीडवाना कार्यालय लाया गया जहां आज सभी मृत मोरो का डीडवाना पशुपालन विभाग के पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा पोस्टमार्टम किया जायेगा। वहीं वन विभाग की टीम शिकारियों की पकड़ को लेकर अनुसंधान कर रही है।

डीडवाना में वन विभाग व पुलिस टीम ने मोर के शिकार के मामले में दो जनों को पकड़ा।

# पानी की किल्लत से परेशान महिलाओं ने जलदाय विभाग कार्यालय पर प्रदर्शन किया

**पावटा**, (निसं)। पावटा शहर के ग्राम शिवनगर में दिन प्रतिदिन बढ़ रही पानी की किल्लत से परेशान महिलाओं ने गुरुवार सुबह जलदाय विभाग कार्यालय पावटा के खिलाफ प्रदर्शन किया। महिलाओं ने बताया कि जरूरत के अनुसार पानी की आपूर्ति न होने से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। अगर जल्द पानी की किल्लत को दूर नहीं किया गया तो बडा आंदोलन व प्रदर्शन करेंगे।

- **पावटा शहर के ग्राम शिवनगर में कई महिनों से पानी की किल्लत**
- **पानी की किल्लत को दूर नहीं किया तो बड़े प्रदर्शन की चेतावनी दी**

पावटा शहर के ग्राम शिवनगर की महिलाओं ने पानी की समस्या को लेकर प्रदर्शन किया।

सुबह के समय महिलाओं ने जलदाय विभाग कार्यालय पावटा के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने बताया कि शिवनगर में कई महिनों से पानी की किल्लत बनी हुई है। वहीं जल जीवन मिशन के तहत कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। जिसके कारण उनको पीने के पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। पीने के पानी के लिए ग्रामीणों को कई किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है। पुरुषों का ज्यादातर समय पानी का इंतजाम करने में ही गुजर रहा है। गर्मी बढ़ने के साथ पानी न मिलने पर परेशानी भी बढ़ती जा रही है। पानी की किल्लत को दूर करने की मांग को कई बार जलदाय विभाग कार्यालय पावटा के अधिकारियों के सामने रखा है। अधिकारियों की तरफ से हर बार जल्द पानी की किल्लत को दूर करने का आश्वासन दिया गया है, लेकिन इसको लेकर विभाग की तरफ से कुछ नहीं किया गया है।

महिलाओं ने कहा कि अगर जलदाय विभाग ने जल्द पानी की किल्लत को दूर नहीं किया तो आने वाले दिनों में बडा प्रदर्शन करेंगे। वहीं जलदाय विभाग पावटा कनिष्ठ अभियंता गगन गुर्जर ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत होने वाली सप्लाई मे अभी समय लगेगा जब तक पानी की किल्लत को दूर करने के लिए प्रतिदिन चार पानी के टैंकरों की व्यवस्था की जायेगी। इस मौके पर अशोक खारवाल, रामू खारवाल, पूरण खारवाल, सुभाष खारवाल, रामसिंह खारवाल, राजू खारवाल, दयाराम खारवाल, महेंद्र खारवाल, गोकुल खारवाल, काली, सुमन, भोली, माली, ममता, राजबाला सहित बडी संया मे महिलाए व ग्रामीण मौजूद रहे।

## राशिफल

**पंडित अनिल शर्मा**

### शुक्रवार 2 जून, 2023

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2080, स्वाती नक्षत्र प्रात: 6:53 तक, परिद्य योग सांय 5:09 तक, तैतिल करण दिन 12:49 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 12:29 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-वृष, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कर्क, बुध-मेष, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

रवियोग प्रात: 6:53 से आरम्भ होगा।।

**सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया:** चर सूर्योदय से 7:19 तक, लाभ-अमृत 7:19 से 10:43 तक, शुभ 12:25 से 2:07 तक, चर 5:30 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:12

**मेष**

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**वृष**

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**मिथुन**

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

**कर्क**

परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।

**सिंह**

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

**कन्या**

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

**तुला**

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

**वृश्चिक**

धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**धनु**

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा। आज रचनात्मक कार्यों में समय व्यतीत होगा।

**मकर**

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

**कुंभ**

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बन सकते हैं। व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

**मीन**

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 48 संख्याः 228 प्रभात कोटा, शुक्रवार 2 जून, 2023 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

*परूवियन डाइविंग पैंट्रल एक छोटी सी सी बर्ड है जो हवा के बजाय पानी पर ज्यादा समय गुजारती है। अपने नाम के अनुरुप, भोजन की तलाश में यह चिड़िया, दक्षिणी अमेरिका के पूर्वी तट के बर्फीले ठंडे पानी में 82 मीटर की गहराई तक गोता लगाती है और गले पर बने पाउच में अपना भोजन भर लेती है। लेकिन जलवायु परिवर्तन एवं मानवजनित दबाव की वजह से अब यह प्रजाति संकटग्रस्त हो गई है। परूवियन डाइविंग पैंट्रल, जिसे स्थानीय लोग युनकोस कहते हैं, के समक्ष आवास विनाश व घुसपैठिया परभक्षी प्रजातियों का बड़ा खतरा है। उदाहरण के लिए, चिली का चानरल आईलैंड, जो इस प्रजाति का प्रमुख प्रजनन केन्द्र रहा है, वहां से खरगोश, लोमड़ी आदि ने इन्हें बाहर धकेल दिया है। बीसवीं सदी के आरंभ में लोग इस द्वीप पर खरगोश लाए थे, यहां के मछुआरों के लिए भोजन के स्रोत के रुप में, लेकिन खरगोशों ने इन पक्षियों के बिलों पर कब्जा कर लिया और द्वीप की वनस्पति को भी खत्म कर दिया। खरगोश की आबादी कम करने के लिए लोमड़ी लाई गई, पर उन्हें खरगोश के बजाय डाइविंग पैंट्रल का शिकार करना ज्यादा रास आया। वर्ष 2013 में आईलैंड कंज़र्वेशन ओर चिलिअन नैशनल फॉरेस्ट्री कॉर्पोरेशन (कोनाफ) ने हम्बोल्ट पैनग्विन नैशनल रिज़र्व की मरम्मत करना शुरु किया। इस रिजर्व में चानरल, दामास और चोरोओ, तीन द्वीप शामिल हैं। वैज्ञानिकों ने यहां से घुसपैठिया प्रजातियों को हटाना शुरु किया और वर्ष 2017 में चानरल आईलैंड को ''रैबिट एण्ड फॉक्स फ्री'' घोषित कर दिया गया। वर्ष 2019 में आइलैंड कंज़र्वेशन, कोनाफ, कैथलिक युनिवर्सिटी ऑफ द नॉर्थ एवं प्रोजैक्ट पफिन के वैज्ञानिकों ने फिर से परूवियन डाइविंग पैंट्रल को यहां बसाने की कोशिश शुरु कर दी। आइलैंड के पार्क रेंजर, क्रिस्चिअन रिवेरा ने बताया, ''हमने कृत्रिम पी.वी.सी. नैस्ट लगाए और वयस्क पैंट्रल को यहाँ घोंसले बनाने हेतु आकर्षित करने के लिए सोलर पावर से चलने वाले दो स्पीकर लगाए जो पैंट्रल ''कॉल्स'' की रिकॉर्डिंग बजाते थे। कुछ ही दिन बाद पैंट्रल का आना शुरु हो गया। प्रोजैक्ट शुरु होने के डेढ़ साल बाद वैज्ञानिकों को यहां पैंट्रल द्वारा खोदे गए गड्ढे और एक गड्ढे में उन्हें चूजा दिखा। द्वीप पर चालीस साल बाद पहली बार अण्डे से चूजा निकला। स्पष्ट है कि, द्वीप को घुसपैठिया प्रजातियों से मुक्त करने और मूल प्रजातियों को फिर से बसाने के प्रयास बेहद सफल रहे हैं।*

# 'हैलो मिस्टर मोदी'

## राहुल गांधी ने मोदी सरकार द्वारा पैगसस सॉफ्टवेयर के मार्फत फोन टैपिंग करने का मखौल उड़ाया

- **राहुल गांधी ने कैलिफोर्निया में स्टार्टअप उद्यमियों से बात करते समय आर्टिफिशल इन्टैलिजैंस व नवीनतम टैक्नॉलजीज़ के ज्ञान से प्रभावित किया, पर प्र.मंत्री मोदी पर कटाक्ष करने से नहीं चूके।**
- **इण्डियन ओवरसीज़ कांग्रेस ने यह कार्यक्रम आयोजित किया था। जैसा कि विदित ही है, अमेरिका में ''स्टार्टअप'' कम्पनियां चलाने वालों में 50 प्रतिशत भारतीय मूल के व्यक्ति हैं।**
- **राहुल गांधी के मखौल का मकसद इस बात पर फोकस करना था कि, भारत में आर्टिफिशल इन्टैलिजैंस आदि, आधुनिकतम टैक्नॉलजीज़ के पनपने का भारी स्कोप है, पर इससे पहले प्रायवेसी, डेटा सेफ्टी व सिक्युरिटी के बारे में स्पष्ट व सख्त नीति स्थापित करना जरूरी है।**

**-डॉ. सतीश मिश्रा-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 1 जून। राहुल गांधी ने अपने अमेरिका प्रवास के दूसरे दिन के दोपहर तक का समय सिलिकॉन वैली में स्टार्टअप उद्यमियों के साथ चर्चा में बिताया। ये लोग आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस तथा कटिंग-ऐज टैक्नॉलजीस के क्षेत्र में अभिनव कार्य करने के लिये विख्यात हैं। वे इन कौशलों के उपयोग से लोगों की समस्याओं और परेशानियों का समुचित हल तलाश रहे हैं ताकि लोगों का जीवन आसान एवं सुविधाजनक हो जाये।

''प्ले एण्ड प्लग ऑडोटोरियम की पहली पंक्ति में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा तथा कुछ अन्य अतिमहत्वपूर्ण सहायकों, जो भारत से उनके साथ गये हैं, के साथ बैठे राहुल गांधी विशेषज्ञों की पैनल चर्चा में तल्लीन दिखाई दे रहे थे। चर्चा आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस, बिग डेटा, मशीन लर्निंग तथा मानव जाति एवं शासन, समाज कल्याण के उपायों तथा भ्रामक एवं गलत जानकारी जैसे मुद्दों के मामलों में इनके उपयोग के विभिन्न पहलुओं पर केन्द्रित थी।

इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ राहुल गांधी का गहन वार्तालाप तथा नवीनतम तकनीकों के प्रयोग एवं उपयोग के प्रति उनके झुकाव, उनके पिता राजीव गांधी की याद दिला रहा था, जो आधुनिक तकनीकों के दीवाने थे तथा देश में कम्प्यूटर एवं कम्यूनिकेशन टैक्नॉलजी लेकर आये थे, जिसके फलस्वरूप आज भारत आई.टी. के क्षेत्र में सिरमौर बना हुआ है।

राहुल गांधी ने कहा कि डेटा नया गोल्ड है तथा भारत जैसे देशों को इसकी वास्तविक क्षमता एवं ताकत का अहसास हो गया है। ''डेटा-सुरक्षा को लेकर समुचित नियम कानूनों की जरूरत है।''

किन्तु पैगसस स्पाइवेयर तथा इसी प्रकार की अन्य तकनीकों के मुद्दे पर गांधी ने श्रोताओं को बताया कि वे इसको लेकर चिंतित नहीं है। बीच में एक बार उन्होंने यह जरूर कहा कि वे जानते हैं कि उनका फोन टैप हो रहा है और मजाक में अपने आई फोन पर बोले, ''हैलो, मोदी जी''।

उन्होंने कहा, ''मैं यह मानकर चलता हूं कि मेरा आई फोन टैप हो रहा है। एक व्यक्ति के रूप में तथा एक राष्ट्र के रूप में, डेटा इन्फॉर्मेशन की प्राइवेसी के संबंध में नियम बनाना जरूरी है।

उन्होंने कहा, ''अगर किसी देश की सरकार यह ठान लेती है कि उसे आपका फोन टैप करना है तो उसे कोई नहीं रोक सकता। मेरा ऐसा सोच है। अगर किसी देश की रूचि फोन टैप करने में है तो लड़ने योग्य लड़ाई नहीं है। मैं यह मानता हूं कि मैं जो कुछ कर रहा हूं, उसकी जानकारी सरकार को उपलब्ध है।''

अपनी टिप्पणियों में गांधी ने कहा कि वर्ष 2000 में, जब वे राजनीति में आये थे, उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि उन्हें यह सब सहना पड़ेगा तथा अब वे यह महसूस कर रहे हैं कि राजनीति में आते समय उन्होंने जो कुछ सोचा था, अब सब कुछ उससे अलग हो रहा है।

सांसद के रूप में लोकसभा से अपनी डिसक्वालिफिकेशन का जिक्र करते हुए 52 वर्षीय राहुल ने कहा कि उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि उनके साथ ऐसा कुछ होना भी संभव है।

राहुल गांधी ने कहा, ''मेरे खयाल से, यह ड्रामा वास्तव में करीब छः महीने पहले शुरू हुआ था। हम लोग संघर्ष कर रहे थे। भारत का सम्पूर्ण विपक्ष ही संघर्ष कर रहा है। विशाल वित्तीय प्रभुत्व। संस्थाओं पर कब्जा, हम अपने देश में लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ने के लिये संघर्ष कर रहे हैं।'' ऐसे दौर में, एक समय आया कि मैंने ''भारत जोड़ो यात्रा'' का निर्णय ले लिया।

उन्होंने कहा, ''मैं इस मामले में बिल्कुल स्पष्ट हूं, हमारी लड़ाई हमारी लड़ाई है।'' भारतीय विद्यार्थियों तथा

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'चीन के पत्रकारों को भारत स्वतंत्र रूप से काम करने का मौका नहीं दे रहा है'

## चीन के जाने-माने अखबार, ग्लोबल टाइम्स में चीन के विदेश मंत्रालय ने प्रमुखता से यह खबर छपवाई

- **चीन ने आरोप लगाया कि, इस बदले की भावना का कारण, चीन द्वारा भारत की न्यूक्लियर सप्लायी ग्रुप की सदस्यता का विरोध करना बताया।**
- **चीन का आरोप है कि, भारत चीन के पत्रकारों को जानबूझ कर वीज़ा नहीं दे रहा। पहले भारत में चीन के 14 पत्रकार काम करते थे, अब उनकी संख्या घट कर एक हो गयी है और इस आखिरी पत्रकार का वीज़ा भी खत्म होने वाला है तथा ''रिन्यु'' होने की संभावना नहीं है।**
- **यहां यह भी उल्लेखनीय है कि, भारत का भी एक ही पत्रकार बचा है चीन में। वह हिन्दू अखबार का प्रतिनिधि है तथा उसके वीज़ा की अवधि भी खत्म हो रही है।**
- **ग्लोबल टाइम्स ने यह भी आरोप लगाया कि, अमेरिका के नजदीक आने के लिये बेवजह भारत चीन के प्रति आक्रामक व सख्त रूख रखता है।**

**-सुकुमार साह-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 1 जून। क्या भारत द्वारा चीनी पत्रकारों को कथित रूप से देश से निकाल देना चीन के उस कदम का बदला है जिसके अन्तर्गत, उसने भारत के न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप (एन.एस.जी.) में शामिल होने का विरोध किया था? या भारत का यह कथित कदम इन रिपोर्टों से प्रभावित है कि चीनी पत्रकारों ने दिल्ली तथा मुम्बई के प्रतिबंधित विभागों में पहुँचने के लिये छद्म रूप धारण किया था? या नई दिल्ली की कथित कार्यवाही इन आरोपों के फलस्वरूप हुई है कि चीनी पत्रकार तिब्बत के निर्वासित ऐक्टिविस्टों के साथ मीटिंग कर रहे थे?

ये कुछ ऐसे प्रश्न हैं, जिन पर अभी तक सरकार के स्तर पर कुछ नहीं कहा गया है, लेकिन ये कदम सीमा-विवाद को लेकर भारत और चीन के बीच के तनावपूर्ण संबंधों को और ज्यादा खराब कर सकते हैं।

चीन ने भारत से रिपोर्टिंग करने वाले अपने पत्रकारों के प्रति तथाकथित ''अनुचित व्यवहार'' पर सख्त प्रतिक्रिया दी है।

चीनी तथा पश्चिमी मीडिया रिपोर्टों का कहना है कि चीन ने बुधवार को

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## कश्मीर में दो आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर, 1 जून (वार्ता)। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने गुरुवार को लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। यह जानकारी पुलिस ने गुरुवार को दी। पुलिस ने कहा कि, उन्हें फ्रेस्टिहार क्रीरी गांव में आतंकवादी गतिविधियों की जानकारी मिली थी।

## प्रसूता की मौत, डॉक्टर सहित तीन कार्मिक ए.पी.ओ.

जयपुर, 1 जून (का.सं.)। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करणपुर, करौली में डिलीवरी के दौरान प्रसूता की मृत्यु के प्रकरण में प्रथम दृष्टया दोषी पाये गये चिकित्सक सहित 3 कार्मिकों को चिकित्सा विभाग ने एपीओ कर दिया है।

- **करौली में करणपुर में 30 मई को हुई इस घटना में चिकित्सक डॉ. राधेश्याम बैरवा, नर्सिंग कर्मी नाथू मीणा और ए.एन. एम. मनीषा मीणा को प्रथम दृष्टया लापरवाही का दोषी पाया गया है।**

गौरतलब है कि, 30 मई को करौली जिले के करणपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में डिलीवरी के दौरान अधिक रक्त स्राव के कारण प्रसूता की मौत हो गयी थी, जिसे सरकार ने गंभीरता से लेते हुए मामले की त्वरित

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# मुण्डे बहनों का विद्रोह!

## दिवंगत भाजपा नेता गोपीनाथ मुण्डे की पुत्रियाँ महिला कुश्ती खिलाड़ियों के समर्थन में कूदीं

- **गोपीनाथ मुण्डे व उनके साले प्रमोद महाजन को, महाराष्ट्र में भाजपा को स्थापित करने का श्रेय दिया जाता है।**
- **पर, मुण्डे की 2014 में मृत्यु के बाद उनकी पुत्री प्रीतम मुण्डे महाराष्ट्र से भाजपा सांसद है तथा उनकी बहन पंकजा मुण्डे का मु.मंत्री बनने के लिये नाम भी चला था।**
- **महिला कुश्ती खिलाड़ियों का आंदोलन अब भाजपा के असंतुष्ट नेताओं के लिये अपनी कुण्ठा जाहिर करने का अच्छा माध्यम बन गया है।**
- **विद्रोह का कुछ मतलब निकले या न निकले, इसने भाजपा के लिये महाराष्ट्र में कुछ अटपटी सी स्थिति जरूर बना दी है।**

**-श्रीनंद झा-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 1 जून। रैसलिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों के संघर्ष का बहुआयामी प्रभाव पड़ रहा है। असंतुष्ट भाजपा नेतृत्व अपने शिकायतों को उठाने के लिए इस संघर्ष का प्रयोग कर रहे हैं।

महाराष्ट्र, जहां भाजपा की स्थिति पहले से ही डांवाडोल है, में भाजपा की चिंताएं बढ़ गई हैं क्योंकि मुंडे सिस्टर्स (भाजपा के वरिष्ठ नेता स्व. गोपीनाथ मुंडे की पुत्रियां) ने बगावत कर दी है और उन्होंने पार्टी के अधिकृत रूख के विपरीत जाकर सिंह के खिलाफ कार्यवाही की महिला पहलवानों की मांग का समर्थन किया है। प्रीतम मुंडे ने कहा कि पार्टी को महिला पहलवानों की मांगों व समस्याओं पर विचार करना ही होगा। उनकी बहन पंकजा मुंडे, जिन्हें कभी मुख्यमंत्री पद का दावेदार माना जाता था, ने तो पूरी तरह से खुली जंग छेड़ दी है। उन्होंने कहा कि वो भाजपा की हैं पर भाजपा उनकी नहीं है। मैं किसी से नहीं डरती। डरना हमारे खून में नहीं है। अगर मेरे पास कुछ करने को नहीं होगा तो मैं खेतों में जाकर गन्ने की फसल की कटाई कर लूंगी।

गोपीनाथ मुंडे, जो वर्ष 2014 में नई दिल्ली में कार हादसे में मारे गए थे, की बेटियां कुछ समय से भाजपा नेतृत्व से नाराज़ है। वर्ष 2019 विधानसभा चुनाव में हारने के बाद पंकजा को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया गया और एकनाथ शिंदे की सरकार में मंत्री नहीं बनाने से भी वे नाराज हैं। दूसरी और

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## शरद पवार ने मु.मंत्री शिंदे से मुलाकात की

मुंबई, 1 जून। नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) के अध्यक्ष शरद पवार ने गुरुवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे से मुलाकात की। पवार और शिंदे की बीच यह मुलाकात करीब आधे घंटे तक चली। शरद पवार सीएम से मिलने के लिए मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास वर्षा बंगले पहुंचे थे।

- **शरद पवार सीएम से मिलने के लिए मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास, वर्षा बंगले पर गए।**
- **दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात आधे घंटे से ज्यादा वक्त तक चली।**

महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन के बाद

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# एन.सी.ई.आर.टी. के सिलबस में 30 प्रतिशत कटौती का अस्थाई फैसला अब परमानैंट हुआ

## एन.सी.ई.आर.टी. ने कोविड काल में पढ़ाई का बोझ कम करने के लिए 6वीं से 12वीं तक के सिलबस में 30 प्रतिशत कटौती की थी, आश्चर्य की बात है कि, अब इस कटौती को स्थाई कर दिया गया है

- **शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों का मानना है कि, इस फैसले का विद्यार्थियों के जीवन और शिक्षा पर दूरगामी और गहरा प्रभाव पड़ेगा। शिक्षाविदों का कहना है कि, सिलबस कटौती के कारण कई जरूरी विषय और चैप्टर्स भी हटा दिये गये हैं।**
- **जैसा कि विदित है कि, एन.सी.ई.आर.टी. ने कक्षा 10वीं की किताबों से कई चैप्टर हटा दिए हैं। 10वीं की किताब में लोकतंत्र एवं पॉलिटिकल पार्टियों से जुड़ा चैप्टर भी हुआ करता था, जो अब हटा दिया गया है।**

नई दिल्ली, 1 जून। नैशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एन.सी.ई.आर.टी.) ने कोविड काल में लिया गया कक्षा 6वीं से 12वीं तक के सिलबस में 30 प्रतिशत की कटौती करने का फैसला अब स्थाई कर दिया है। मतलब कि, कोविड टाइम में छात्रों पर से पढ़ाई का बोझ कम करने के मकसद से जो चैप्टर्स हटा दिये गये थे वे अब वापस सिलबस में नहीं जोड़े जायेंगे। एन.सी.ई.आर.टी. ने अपने इस अस्थाई फैसले को ही आगे भविष्य में भी लागू रखने का फैसला किया है।

एन.सी.ई.आर.टी. ने कक्षा 10वीं की किताबों से कई चैप्टर हटा दिए हैं। ये चैप्टर्स लोकतंत्र, पॉलिटिकल पार्टीज से जुड़े हुए थे। कक्षा दसवीं के सोशल साइंस की डैमोक्रेटिक पॉलिटिक्स बुक-2 से इन चैप्टर्स को हटाया गया है। जानकारी के अनुसार, इन चैप्टरों के नाम लोकतंत्र और विविधता, राजनीतिक दलों और लोकतंत्र की चुनौतियां हैं। इसके अलावा, एन.सी.ई.आर.टी. ने कक्षा 10वीं की साइंस बुक से पीरियोडिक टेबल भी हटा दी है।

एन.सी.ई.आर.टी. की किताबों से विभिन्न चैप्टर्स हटाए जाने पर विवाद छिड़ गया है। कई जानकारों और शिक्षाविदों ने इस कदम का विरोध किया है। दरअसल, कोविड महामारी के दौरान, एनसीईआरटी ने छात्रों की पढ़ाई का बोझ कम करने के लिए विभिन्न चैप्टर्स को हटा दिया था। अब इसे स्थाई तौर पर हटाया गया है। वैज्ञानिकों और शिक्षकों ने कक्षा 10 के पाठ्यक्रम से महत्वपूर्ण अध्यायों को हटाने के दीर्घकालिक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त की है।

एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा शैक्षिणक वर्ष 2022-23 के लिए एक संशोधित पाठ्यक्रम जारी किया गया था, जिसमें कक्षा 6 से 12 तक के 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम को हटा दिया गया था। अब, इसे स्थायी कर दिया गया है। 2014 से, एन.सी.ई.आर.टी. ने तीन बार पाठ्यक्रमों में संशोधन किया है। 2017, 2019 और 2021 में। इससे पहले अप्रैल में एन.सी.ई.आर.टी. ने कक्षा 9 और कक्षा 10 की विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों से चार्ल्स डार्विन के विकास के सिद्धांत को हटाने का भी फैसला किया था। तब भी काफी विवाद हुआ था। वहीं, महात्मा गांधी की हत्या और स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के संदर्भों को कक्षा 11 की राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों से हटा दिए जाने के दौरान भी काफी बवाल मचा था। इसके अलावा एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तकों से विभिन्न स्तरों पर मुगल इतिहास के संदर्भ को भी छोटा कर दिया गया है।

जैसा कि विदित है कि, हाल ही में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एस.जी.पी.सी.) की आपत्तियों के बाद एन.सी.ई.आर.टी. ने 12वीं कक्षा की राजनीतिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक से एक अलग सिख राष्ट्र खालिस्तान की मांग के संदर्भ को हटा दिया था। एस.जी.पी.सी. ने पिछले महीने आरोप

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## वॉट्सऐप ने अप्रैल में 74 लाख अकाउन्ट्स बंद किये

नई दिल्ली, 1 जून। वॉट्सऐप ने अप्रैल 2023 में भारत में रिकॉर्ड 74 लाख से ज्यादा अकाउंट्स को बैन कर दिया है। यह जानकारी आईटी नियम 2021 के तहत पब्लिश की गई कंपनी की मंथली रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट में 1 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2023

- **कंपनी ने इन्फॉर्मेशन टैक्नॉलजी नियम 2021, का हवाला देते हुये यह कार्रवाई की है। कंपनी ने कहा है कि, इन वॉट्सऐप अकाउन्ट्स के बारे में हमें शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं।**

तक में बैन किए गए अकाउंट्स का आंकड़ा बताया गया है। रिपोर्ट में अनुसार, अप्रैल में कंपनी को भारत में 4,377 शिकायतें मिलीं, और कंपनी ने रिकॉर्ड 234 पर कार्रवाई की। बता दें कि वॉट्सऐप दुनियाभर में सबसे

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# बहन की जलती चिता में कूदकर भाई ने किया खुद को आग के हवाले

## 75 प्रतिशत झुलसने से हालात गंभीर, एमजी अस्पताल में उपचार जारी

**भीलवाड़ा,** (निसं)। ज़िले के मांडल उपखंड के बागौर थाना क्षेत्र के मानकियास गांव में एक अनोखी घटना देखने को मिली जहां अपनी बहन के प्रेम में क्षुब्ध होकर चचेरा भाई अपनी बहन की जलती चिता में कूद गया और खुद को आग के हवाले कर दिया। घटना के मंजर को देखकर हर कोई दंग रह गया और एकाएक शमशान स्थल पर अफरा तफरी मच गई।

मौके पर मौजूद लोगों ने करीब 10 मिनिट तक कड़ी मशक्कत की तब जाकर भाई सुखदेव पुत्र भेरू भील को आग की लपटों से बाहर निकाला। मृतका सुखदेव के बड़े पिता की बेटी थी जिसने अज्ञात कारणों के चलते आत्महत्या कर ली थी। उसके दाह संस्कार कार्यक्रम के दौरान पहले तो वह कुछ देर वहां सबके साथ बैठा रहा और फिर चिता के चक्कर लगाने लगा तब तक किसी को यह अंदेशा भी नहीं हुआ कि इस तरह की कोई घटना सुखदेव अंजाम दे सकता है। कुछ ही देर बाद वह जलती चिता में कूद गया।

झुलसे युवक को अस्पताल में भर्ती कराया।

स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार सुखदेव पूर्व में ही यह सुनिश्चित कर चुका था कि उसे अपनी बहन की चिता में आत्मदाह करना है। जैसे ही वह शमशान स्थल पहुंचा उसके हाथ में एक थैली थी जिसमें पेट्रोल था किंतु पहले किसी को उस पर संदेह नहीं हुआ। किंतु चिता में

- मृतका सुखदेव के बड़े पिता की बेटी थी जिसने आत्महत्या कर ली थी

कूदने से पहले उसने पैट्रोल पिया और कुछ अपने शरीर पर छिड़का और तुरंत चिता में कूद गया। एकाएक पैट्रोल के कारण आग ने भी रूख तेज कर दिया। जिसके कारण लोगों को उसके जलती चिता से निकालने में वक्त लगा और जिससे वह 75 प्रतिशत तक झुलस गया। फिलहाल युवक का एमजी अस्पताल में उपचार जारी है। चिकित्सकों ने बताया कि वह करीब 75 प्रतिशत जल गया है। अत्यधिक स्थिति गंभीर दिखने पर उसे उच्च चिकित्सा केंद्र पर भेजा जा सकता है।

# मालपुरा में गुर्जर समाज के मकानों पर मध्य रात्रि में हुआ पथराव

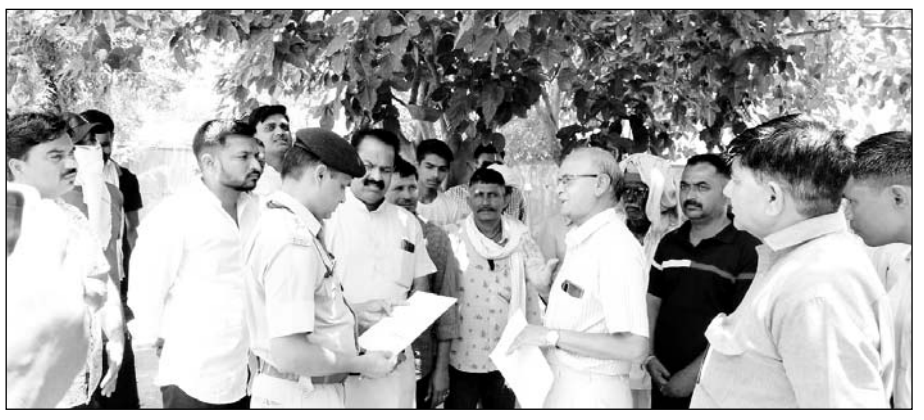

पथराव मामले में कार्यवाही की मांग को लेकर हिन्दु समरसत्ता मंच ने एएसपी को ज्ञापन सौंपा।

**मालपुरा,** (निसं)। मालपुरा शहर की पुरानी तहसील गुर्जर मौहल्ले में बुधवार की मध्य रात्रि को अज्ञात लोगों द्वारा किये गये पथराव की घटना से सहमे पीड़ितों के साथ खड़े हिन्दू समरसत्ता मंच ने एएसपी राकेश कुमार बैरवा को ज्ञापन सौंप घटना की कड़े शब्दों में निन्दा की है। वहीं मामला दर्ज करने व दोषियों पर कार्यवाही की मांग करते हुए सुरक्षा के अभाव में पलायन को मजबूर होने की पीड़ा बयां कर सुरक्षा की गारन्टी देने की मांग की।

पीड़ित गुर्जर समाज के नाथू लाल, कन्हैयालाल, सुखलाल आदि ने बताया कि बुधवार की रात तकरीबन डेढ बजे अचानक उनके घरों पर हुए पथराव की घटना के बाद महिला पुरूषों की चीख-पुकार शुरू हो गई। मध्य रात्रि को गहरी नींद में सोये महिला-पुरूष व बच्चे चिल्लाते हुए घरों के बाहर निकल मौहल्ले में तैनात आरएसी के जवानों व थाना पुलिस को सूचना दी।

पथराव की जानकारी मिलने पर एएसपी राकेश कुमार बैरवा, डीवाईएसपी सुशील मान, थानाधिकारी भूराराम खिलेरी मय पुलिस जाप्ते के घटना स्थल पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मामले की जानकारी जुटा मौका निरीक्षण किया। जहां कन्हैयालाल सहित अन्य के मकानों में ईंट व पत्थर के टुकड़े बिखरे मिले। पुलिस अधिकारियों ने गुर्जर मौहल्ले के आसपास रात में ही पुलिस जवानों के

- पुलिस ने पीड़ित कन्हैयालाल की रिपोर्ट पर किया मामला दर्ज
- 38 दिनों में दूसरी बार पथराव, नहीं लगे सीसीटीवी कैमरे, पलायन को मजबूर हो रहे पीड़ित

साथ सर्च अभियान भी चलाया। लेकिन पथराव कर दहशत फैलाने वाले पत्थरबाज मौके से फरार हो गये।

गुरूवार की सवेरे हिन्दू समरसत्ता मंच के पूर्व पालिका अध्यक्ष राजकुमार जैन, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रामदेव बैरवा, भाजपा शहर अध्यक्ष त्रिलोक जैन, एडवोकेट पुरूषोतम सैनी, सीपी सैनी, रमाकांत पटेल, एडवोकेट भगवान गुर्जर, राजू गुर्जर सहित अन्य ने ज्ञापन सौंप घटना की कड़े शब्दों में निन्दा कर दहशतगर्द पत्थरबाजों की तत्काल गिरफ्तारी व कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन के दौरान अवगत करवाया कि बीते दिनों 23 अप्रैल की शाम इन्ही गुर्जर समाज के घरों पर पत्थरबाजों ने पथराव कर मकानों में घुस जानलेवा हमला करते हुए महिलाओं के साथ अभद्रता व लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया था। जिसमें लगभग डेढ दर्जन से अधिक महिला-पुरूष घायल हुए थे। घटना के बाद नामजद रिपोर्ट दर्ज करा पुलिस को हमलावरों के फोटो व वीडियो दिये गये लेकिन 38 दिन बीत जाने के बाद भी महज 8 आरोपियों को गिरफ्तारियां हो पाई हैं।

मामले में राज्यमंत्री जोगेन्द्र सिंह अवाना, भाजपा का प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधि मंडल सहित जिला कलेक्टर, एसपी व संभागीय आयुक्त ने मालपुरा पहुंच घटना की जानकारी लेने के बाद घटना स्थल व आसपास के क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाने के आदेशों के बावजूद आज तक एक भी कैमरा नहीं लगाया गया। यहां तक कि बीते तीन दिन से मालपुरा शहर की रोड लाईटों के कनेक्शन कट जाने से समूचा शहर अंधेरे में डूबा हुआ है। अतिसंवेदनशील शहर में रोड लाइटें बंद होने व रात्री गश्त की व्यवस्थाएं सुचारू नहीं होने के साथ-साथ पत्थरबाजों को राजनैतिक संरक्षण प्राप्त होने के चलते पत्थरबाजी कर शहर की शांति एवं कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालो के हौंसले बुलंद है। पीडित परिवारों ने सुरक्षा के अभाव मे पलायन को मजबूर होने की पीडा बयां की। पीड़ित काना गुर्जर की रिपोर्ट पर थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के विरूद्ध मामला दर्ज अनुसंधान शुरू किया।

# पांचवीं कक्षा का परिणाम घोषित, 97.30 प्रतिशत रहा परिणाम

**बीकानेर/अजमेर,** (निसं)। प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन (कक्षा-5), 2023 का परीक्षा परिणाम गुरूवार को शिक्षा मंत्री डॉ. बी डी कल्ला द्वारा भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र में जारी किया गया। डॉ. कल्ला ने बताया कि परीक्षा परिणाम 97.30 प्रतिशत रहा। प्रदेश में इस परीक्षा में कुल 14,68,130 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए जिसमें 7,67,357 छात्र एवं 7,00,772 छात्राएं पंजीकृत थी।

परीक्षा में सर्वाधिक संख्या में परीक्षार्थी 1,28,687 जयपुर जिले से शामिल हुए जबकि न्यूनतम संख्या में परीक्षार्थी 19131 जैसलमेर जिले से शामिल हुए। पांचवीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम 97.30 प्रतिशत रहा है, जिसमें छात्राओं ने एक फिर बाजी मारते हुए छात्रों को पछाड़ दिया। छात्राओं का परीक्षा परिणाम 97.50 प्रतिशत रहा, जबकि छात्रों का परीक्षा परिणाम 97.13 प्रतिशत रहा। राजस्थान शिक्षा विभाग के परीक्षा पंजीयक द्वारा पांचवीं बोर्ड की परीक्षा का परिणाम तैयार किया। प्रदेश भर में 14 लाख 60 हजार 130 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी। वहीं वर्ष 2022 में 5वीं का परीक्षा परिणाम 93.8 प्रतिशत रहा।

शिक्षा मंत्री डॉ. बी डी कल्ला ने परिणाम जारी किया।

कुल सम्मिलित परीक्षार्थियों में से 1428553 परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित हुए है जिसमें से 7,45,316 छात्र तथा 6,83,237 छात्राएं उत्तीर्ण घोषित की गई। परीक्षा में ग्रेडिंग प्रणाली का प्रावधान है। कुल सम्मिलित परीक्षार्थियों में से 2,71,679 परीक्षार्थियों ने ए ग्रेड, 7,77,769 परीक्षार्थियों ने बी ग्रेड, 3,68,817 परीक्षार्थियों ने सी ग्रेड 10,288 परीक्षार्थियों ने डी ग्रेड प्राप्त किया तथा सैतीस हजार बानवे परीक्षार्थी पूरक घोषित हुए है। कुल 2485 परीक्षार्थियों का विविध कारणों से परिणाम रोका गया है जिसे बाद में जारी किया जाएगा। परीक्षा में अनुतीर्ण का प्रावधान नहीं है। अत: पूरक घोषित परीक्षार्थियों को पूरक परीक्षा के पश्चात आगामी कक्षा में क्रमोन्नत किया जाएगा।कुल परीक्षा परिणाम 97.30 प्रतिशत रहा तथा वर्ष 2022 की 5 वीं परीक्षा का परिणाम 95.37 रहा था।

परीक्षा परिणाम जारी करने के बाद शिक्षा मंत्री ने उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। डॉ कल्ला ने कहा कि परीक्षा परिणाम में बालिकाएं अव्वल रही हैं, छात्रों का परीक्षा परिणाम भी गत वर्ष की तुलना में बेहतर रहा है। शिक्षा मंत्री ने परीक्षा परिणाम जारी करने के

- लड़कियों ने एक बार फिर मारी बाजी 97.50 प्रतिशत रहा परिणाम, जबकि छात्रों का 97.13 प्रतिशत

बाद पांचवी कक्षा के छात्र निशांत नाथ बीकानेर एवं फैज़ अंसारी से दूरभाष पर बात कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। डॉ कल्ला ने विद्यार्थियों को समय प्रबंधन करने, खेलकूद गतिविधियों से जुड़ने और मोबाइल से दूर रहने की अपील की। परीक्षा परिणाम शाला दर्पण पोर्टल के 5वीं-8वीं पेज के रिजल्ट टैब में उपलब्ध रहेगा।

**13 से 21 अप्रैल तक हुई थी परीक्षा :-** परीक्षा पंजीयक रामस्वरूप जांगिड़ ने बताया कि पांचवीं बोर्ड परीक्षा 13 से 21 अप्रैल तक आयोजित हुई थी, इसमें 14 लाख 60 हजार 130 विद्यार्थी शामिल हुए थे। शिक्षा विभाग की ओर से परीक्षा परिणाम तैयार कर लिया गया है। परीक्षार्थी आधिकारिक वेबसाइट शाला दर्पण पर अपना परिणाम चेक कर कर सकते हैं।

## कुण्ड में गिरने से अधेड़ की मौत

**सादुलपुर,** (निसं)। राजगढ कस्बे के वार्ड 1 में स्थित नायकान मौहल्ले में गुरुवार को कुंड में गिर करने से एक युवक की मौत हो गई। जिसकी राजगढ थाने में मर्ग दर्ज की गई है।

थानाधिकारी सुभाष चन्द्र ने बताया कि मनिषा पुत्री राजेन्द्र जाट उम्र 19 साल निवासी वार्ड नम्बर 1 नायकान मोहल्ला कस्बा राजगढ ने दर्ज मामले में बताया है कि एक जून को सुबह बारिश हो रही थी तथा उस वक्त वह तथा उसकी माँ सुनिता दोनों घर के अन्दर कार्य कर रही थी। उसी दौरान उसके पिता राजेन्द्र सिंह पुत्र जयराम सिंह जाट उम्र 42 साल जो उनके घर के पास बने फार्म हाउस में बनी पानी की कुण्ड से पानी निकाल रहे थे। उसी दौरान अचानक ही उनका पैर फिसल जाने के कारण राजेन्द्र सिंह कुण्ड में गिर गये तथा कुण्ड में डूबने से उनकी मौत हो गई। राजगढ थाना पुलिस ने मर्ग दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है। शव घटना के बाद राजगढ कस्बे के निकटवर्ती गांव गगोर के निवासी नरेन्द्र सांगवान ने निकाला तथा शव को राजकीय रैफरल अस्पताल के मोचर्री रूप में रखवाया गया, जहाँ पर शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव उनके परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। गौरतलब है कि नरेन्द्र सांगवान अब तक कुंड, कुवों में डूबे दर्जनों लोगों को अथवा उनके शव को निकाल चुके हैं।

# अगले माह में हो सकते हैं थर्ड ग्रेड टीचर्स के तबादले!

## इसी माह में लिए जाएंगे आवेदन, गाइडलाइन तैयार की

**बीकानेर,** (निसं)। शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला से लगातार शिक्षक संघ ट्रांसफर की डिमांड को लेकर मिल रहे हैं। इसके बाद भी सरकार करीब पांच साल में अब तक कोई फॉर्मूला नहीं बना पाई है। प्रदेश में तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले जुलाई में करने की तैयारी है। इसके लिए निदेशालय ने 21 बिंदुओं की गाइडलाइन बनाकर सरकार को प्रस्ताव भेजा है।

मंत्री-विधायकों की डिजायर के अलावा गाइडलाइन के 21 बिंदुओं को पूरा करने वाले शिक्षकों को ही प्राथमिकता मिलेगी। बताया जा रहा है कि जून में तबादलों से रोक हटने के साथ शिक्षकों से आवेदन मांगे जाएंगे। जिला बदलने के लिए वर्तमान जिले में 5 साल की नौकरी अनिवार्य होगी। इसके साथ ही 3 साल के रिजल्ट को भी देखा जाएगा। न्यून परीक्षा परिणाम वाले शिक्षकों को तबादलों में मौका नहीं मिलेगा।

लेवल-1, लेवल-2, प्रबोधक, पीटीआई, लाइब्रेरियन सहित ग्रेड थर्ड प्रयोगशाला सहायक पर लागू होगी। वर्ष 2018 के बाद तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले नहीं हुए हैं। प्रदेश में तृतीय श्रेणी

- वर्ष 2018 के बाद तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले नहीं हुए हैं

शिक्षकों के तबादले जुलाई में करने की तैयारी है। इसके लिए निदेशालय ने 21 बिंदुओं की गाइडलाइन बनाकर सरकार को प्रस्ताव भेजा है। मंत्री-विधायकों की डिजायर के अलावा गाइडलाइन के 21 बिंदुओं को पूरा करने वाले शिक्षकों को ही प्राथमिकता मिलेगी। बताया जा रहा है कि जून में तबादलों से रोक हटने के साथ शिक्षकों से आवेदन मांगे जाएंगे। जिला बदलने के लिए वर्तमान जिले में 5 साल की नौकरी अनिवार्य होगी। इसके साथ ही 3 साल के रिजल्ट को भी देखा जाएगा। न्यून परीक्षा परिणाम वाले शिक्षकों को तबादलों में मौका नहीं मिलेगा।

प्रबोधक, पीटीआई, लाइब्रेरियन सहित ग्रेड थर्ड प्रयोगशाला सहायक पर लागू होगी। वर्ष 2018 के बाद तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले नहीं हुए हैं। लगातार पिछले 3 वर्ष तक जिन स्कूलों के द्वारा 5वीं और आठवीं के लिए 5 स्टार रेटिंग प्राप्त की गई है, इस पूर्ण अवधि में स्कूलों में लेवल-1 व 2 को उनके इच्छित स्थान में स्थानांतरित की प्राथमिकता दी जाएगी। पद विरुद्ध नहीं होंगे ट्रांसफर, स्थानांतरण समान पद व विषय के ही। जिनकी 6(3) की कार्रवाई हो चुकी है उनके अंतर जिला तबादले संबंधित डीईओ माध्यमिक करेंगे। पंचायत राज विभाग के अधीन शिक्षक जिन्हें 6(3) के तहत शिक्षा विभाग में स्थानांतरित नहीं किया गया है इनका तबादला पंचायत राज विभाग के सक्षम अधिकारी करेंगे। परिवीक्षा काल में स्थानांतरण नहीं होंगे।

# नकल गिरोह सरगना तुलछाराम ने सालासर की धर्मशाला में रची थी साजिश

**बीकानेर,** (निसं)। रेवेन्यू ऑफिसर (आरओ) की परीक्षा में ब्लूटूथ लगी विग से नकल कराने के आरोप में पकड़े गए नकल गिरोह के सरगना तुलछाराम कालेर ने नकल की पूरी साजिश सालासर की धर्मशाला में रची थी। पांच दिन चली पुलिस पूछताछ में यह खुलासा हुआ है। तुलछाराम ने जांगलू निवासी मनोज कुमार, नयाशहर के महेंद्र कुमार और रासीसर निवासी पवन कुमार मंडा को नकल की साजिश रचने के लिए सालासर की धर्मशाला में बुलाया था। जहां सभी मिलकर परीक्षा में नकल करने की प्लानिंग की थी।

एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि उसे कोर्ट में पेश कर फिर दो दिन का पुलिस रिमांड लिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी ने पांच दिन की पूछताछ में अनिल नाम के एक सहयोगी का नाम उगला है, जिसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस मामले में बीकानेर पुलिस ने 14 मई को आरोपी मनोज कुमार, महेंद्र कुमार और पवन कुमार मंडा को ब्लूटूथ लगी विग

- एस.पी. ने कहा कि जांच के बाद ही कहा जा सकेगा कि पेपर लीक था या नहीं

के साथ परीक्षा केंद्रों से गिरफ्तार किया था। पूछताछ में उन्होंने नकल गिरोह के सरगना तुलछाराम का नाम लिया। पुलिस ने 26 मई को नागौर सीमा की एक ढाणी से तुलछाराम को गिरफ्तार किया था। एसपी ने बताया कि तुलछाराम पूछताछ में पुलिस को लगातार गुमराह कर रहा है। उसने जोधपुर और जैसलमेर में भी ब्लूटूथ लगी विग की सप्लाई करने की बात कही है। ऐसे में पुलिस जोधपुर और जैसलमेर भी आरोपियों से पूछताछ करने जा सकती है।

रेवेन्यू ऑफिसर का पेपर लीक हुआ या नहीं यह अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। आरोपी तुलछाराम द्वारा पुलिस को जांच में सहयोग नहीं करने के कारण पुलिस अभी तक अंतिम निर्णय तक नहीं पहुंच पाई है। एसपी तेजस्वनी गौतम के अनुसार दो आरोपियों को पुलिस ने परीक्षा केंद्रों के बाहर पकड़ लिया था। वहीं एक आरोपी को परीक्षा देते समय गिरफ्तार किया था। जिसे परीक्षा देते समय गिरफ्तार किया गया था, उसकी विग में लगी सिम की गहनता से जांच की जा रही है। हालांकि प्रथम दृष्टया यह प्रतीत हो रहा है कि आरोपी तुलछाराम और अभ्यर्थी के बीच परीक्षा के दौरान बातचीत नहीं हुई थी। एसपी ने कहा कि जांच के बाद ही कहा जा सकेगा कि पेपर लीक था या नहीं।


**कार्यालय, राज्य समन्वयक, राज्य पात्रता परीक्षा 2023**
**गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय**
बाँसवाड़ा-327001 (राज.) मो. +91-7357477123

क्रमांक : 116 **अधिसूचना** दिनांक : 01.06.2023

**प्रमाण पत्रों का भौतिक सत्यापन**

राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा 2023( परीक्षा तिथि 26 मार्च 2023 ) के घोषित अंतरिम परिणाम में पात्रता हेतु अंतरिम रूप से अर्ह घोषित समस्त अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि विश्वविद्यालय की साईट पर अपलोड 'प्रमाण पत्र सत्यापन आवेदन-पत्र' के साथ समस्त अनिवार्य अंकतालिकाएं एवं प्रमाण पत्र अधोलिखित तालिका अनुसार विश्वविद्यालय में व्यक्तिश: उपस्थित होकर प्रमाण पत्र सत्यापन प्रक्रिया में अनिवार्यत: सम्मिलित होवें। इस हेतु अभ्यर्थी को कोई यात्रा भत्ता एवं मानदेय देय नहीं होगा।

- स्थान: विश्वविद्यालय परिसर, गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, माही डेम रोड, बडवी बाँसवाड़ा
- समय: प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक
- विषयवार प्रमाण पत्र सत्यापन हेतु निर्धारित तिथियाँ :-

| क्रम | | विषय | दिनांक | वार |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 1 | History | 06.06.2023 | मंगलवार |
| 2. | 2 | Geography | 07.06.2023 | बुधवार |
| 3. | 3 | Political Science | 08.06.2023 | गुरूवार |
| | 4 | Philosophy | | |
| 4. | 5 | Hindi | 09.06.2023 | शुक्रवार |
| | 6 | Earth Science | | |
| | 7 | Public Administration | | |
| 5. | 8 | Life Science | 10.06.2023 | शनिवार |
| | 9 | Sanskrit | | |
| 6. | 10 | Commerce | 11.06.2023 | रविवार |
| | 11 | Urdu | | |
| | 12 | Visual Arts | | |
| | 13 | English | | |
| | 14 | Law | | |
| | 15 | Education | | |
| 7. | 16 | Mathematical Science | 12.06.2023 | सोमवार |
| | 17 | Chemical Science | | |
| | 18 | Physical Education | | |
| | 19 | Rajasthani | | |
| | 20 | Music | | |
| 8. | 21 | Physical Science | 13.06.2023 | मंगलवार |
| | 22 | Library Science | | |
| | 23 | Economics | | |
| | 24 | Sociology | | |
| | 25 | Computer Science | | |
| | 26 | Home Science | | |
| | 27 | Population Studies | | |
| | 28 | Psychology | | |
| | 29 | Environment Science | | |
| | 30 | Management | | |

राज्य समन्वयक
राज्य पात्रता परीक्षा-2023


## कछुआ गैंग के दो आरोपी गिफ्तार

**मालपुरा,** (निसं)। शहर की पुरानी तहसील निवासी एक व्यापारी से नर व मादा कछुआ लाखों में बेचने के नाम पर की गई ठगी के मामले में थाना पुलिस ने कछुआ गैंग के दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी भूराराम खिलेरी ने बताया कि 1 दिसम्बर 2022 को पीड़ित व्यापारी रमेश विजयवर्गीय निवासी पुरानी तहसील मालपुरा ने दी रिपोर्ट में कछुआ गैंग द्वारा उसके साथ की गई ठगी की जानकारी दे मामला दर्ज करवाया गया था। एसएचओ ने बताया कि उक्त मामले में पूर्व में दो आरोपी सूरज व बंशी मोग्या को गिरफ्तार किया जा चुका है। जिनसे पूछताछ व मिली जानकारी के बाद गुरूवार को गैंग में शामिल गणेश बावरी निवासी लाम्बाखुर्द कुहाडा व गजराज उर्फ गज्जु मोग्या निवासी हुडका कॉलोनी लाम्बाहरिसिंह को गिरफ्तार किया गया। ठगी प्रकरण में तीन महिलाओं की राजस्थान हाईकोर्ट से अग्रीम जमानत हो चुकी है।

# पानी के लिये किसानों का सुन्दरावली में अनिश्चितकालीन धरना शुरू

## किसान संघर्ष समिति के संयोजक मोहना गुर्जर के नेतृत्व में आन्दोलन शुरु

**नगर,** (निसं)। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने तथा रूपारेल नदी के संपूर्ण हिस्से को उसमें शामिल करने तथा गुड़गांव नहर की मरम्मत करने एवं माइनर बनाने तथा यमुना जल के दूसरे चरण के पानी को भरतपुर जिले में लाने की मांग को लेकर गुरुवार को समीपवर्ती ग्राम सुंदरावली स्थित बुर्जा मंदिर पर क्षेत्र के किसानों ने अनिश्चितकालीन धरना पड़ाव शुरू कर दिया है।

किसानों के धरने को संबोधित करते हुए किसान नेता इंदल सिंह जाट ने कहा कि संपूर्ण भरतपुर जिले में पानी का संकट है और बगैर पानी के खेती बर्बाद और किसान परेशान तथा अब तो लोग पैसे से खरीद कर पानी पीने के लिए मजबूर हैं, केंद्र सरकार को 50 प्रतिशत जल निर्भरता पर इआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करना चाहिए तथा राजस्थान सरकार को यमुना जल समझौते के मुताबिक यमुना के संपूर्ण पानी को लेने का प्रयास करना चाहिए।

किसान नेता इंदल सिंह ने कहा कि गत दिनों जानकारी मिली कि राज्य सरकार ईआरसीपी से अलग एक डीपीआर तैयार कर राज्य के केवल 3 जिलों को पेयजल उपलब्ध कराना चाहती है अगर यह सत्य है तो गलत है और यह भरतपुर जिले के साथ अन्याय होगा। भरतपुर जिले को भी अगर इस तरह की कोई पीने की योजना बनती है तो उसमें सम्मिलित किया जाना चाहिए और अगर सरकार की 3 जिलों को पेयजल देने की कोई मंशा नहीं है तो फिर तत्काल राज्य सरकार को इसका खंडन करना चाहिए। किसानों को संबोधित करते हुए सैनी माली आरक्षण संघर्ष समिति के नेता मुरारी लाल सैनी ने कहा कि संगठन में ही शक्ति है पानी की लड़ाई सभी राजनीतिक दलों और वर्गों को मिलकर लड़नी चाहिए। भरतपुर जिले का बार-बार नुकसान होता है हम सभी को संगठित होकर आंदोलन को मजबूत

- 'केंद्र सरकार को 50 प्रतिशत जल निर्भरता पर ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करना चाहिए'

बनाना चाहिए और इसको फैलाना चाहिए। इस आंदोलन के संयोजक जिला परिषद सदस्य मोहन सिंह गुर्जर ने कहा कि आंदोलन को और तेज किया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकारों ने अगर उनकी बातें नहीं सुनी तो फिर पानी नहीं तो वोट नहीं के नारे के साथ राज्य के 13 जिलों में जन जागरण अभियान चलाया जाएगा।

मोहन सिंह गुर्जर ने कहा कि समझौते के मुताबिक हमें ना तो यमुना जल मिला और जिले की सभी नहर और कैनाले जर्जर कच्ची और टूटी पड़ी हुई है जिससे किसानों की फसल तो बर्बाद होती ही है लेकिन संपूर्ण पानी भी नहीं मिल पाता इसलिए राज्य सरकार को उन नेहरों को सीमेंटेड कराना चाहिए। सिंचाई तंत्र को और अधिक विकसित करना चाहिए और इसके लिए हम इस आंदोलन को अन्य जगहों पर भी चलाएंगे। उन्होंने कहा कि पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना जनहित की योजना है उसको केंद्र सरकार को शीघ्र राष्ट्रीय परियोजना घोषित करना चाहिए। धरने को भाजपा नेता रूप सिंह गुर्जर सुंदरावली ने संबोधित करते हुए कहा कि यह धरना किसी राजनीतिक दल का नहीं है और यह पूरी तरह से किसान संघर्ष समिति का आंदोलन है जो दलगत राजनीति से अलग है, उन्होंने कहा कि संपूर्ण नगर और डीग क्षेत्र में पानी की समस्या है सरकार को जल्द ही रूपारेल नदी के हिस्से को ईआरसीपी में सम्मिलित करना चाहिए।

उन्होंने किसानों को आह्वान किया कि अपने हक और अधिकार के लिए संगठित होकर के आंदोलन को मजबूत बनाएं। युवा किसान नेता बल्देव सिंह डागुर नगला धरसौनी ने जिले की युवा शक्ति को आह्वान किया कि वह अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए पानी और रोजगार के लिए संगठित होकर के संघर्ष करें और युवा शक्ति सभी राजनीतिक पार्टियों में अपने नेताओं पर दबाव बनाएं और भरतपुर जिले को पानी मिले इसके लिए मजबूर करें।

उन्होंने आंदोलन को जल्द ही वैर क्षेत्र में भी शुरू करने की बात कही। धरने में जीतू सुंदरावली, चतर पहलवान, अमर सिंह भावली, राधे सिरथली, परशुराम सरपंच चिरावल, अमर सिह यादव पाटका, भगवान सिंह फौजदार, भीम आर्मी के नेता अतर सिंह जाटव, चंद्रपाल फौजदार बडेसरा ने अपने विचार प्रकट किए। धरने की अध्यक्षता किसान नेता मांगीलाल यादव आलम शाह ने की और संचालन साहिल खान नगर ने किया।

## सार-समाचार

### मोशन एजुकेशन के नए कैंपस का उद्घाटन

**कोटा,** (निसं)। मोशन एजुकेशन की ओर से गुरुवार को इद्रप्रस्थ औद्योगिक क्षेत्र में रोड़ नंबर दो पर आईआईटी-जेईई की तैयारी के लिए नए कैंपस द्रोणा-2 का उद्घाटन किया गया। चेयरमैन सुरेंद्र विजय और सुशीला विजय ने फीता काटकर समारोह की शुरुआत की। इससे पहले मोशन परिवार की ओर से श्रीराम और माँ सरस्वती की पूजा-वंदना की गई और हवन किया गया। मोशन एजुकेशन के संस्थापक और सीईओ नितिन विजय, निदेशक डॉ. स्वाति विजय, ज्वाइंट डायरेक्टर अमित वर्मा, रामरतन द्विवेदी, डिप्टी डायरेक्टर निखिल श्रीवास्तव, डॉ. आशीष माहेश्वरी, जीतेन्द्र चंदवानी, आशीष बाजपाई, ललित विजय और वाइस प्रेजिडेंट शिवप्रकाश विजय, अंकित लाहोटी उपस्थित थे। सभी के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया। नितिन विजय ने बताया कि मोशन लगातार अपना विस्तार कर रहा है। कोटा में फिलहाल 8 कैंपस में विद्यार्थी अध्ययन कर रहे है। द्रोणा-2 कैंपस में इंजीनियरिंग के छात्रों की क्लासेज संचालित होंगी, जिसमें हमारे सभी एक्सपट्र्स फेकल्टीज के द्वारा जेईई और एडवांस के लिए सर्वोत्तम कोचिंग उपलब्ध करवाई जाएगी। कोचिंग एरिया में प्राइम लोकेशन होने के कारण विद्यार्थियों को आने-जाने में ट्रैफिक जाम की समस्या का सामना भी नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने बताया की सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार सभी तैयारियां पूरी है और हम कोटा में और अधिक छात्रों का स्वागत करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

### गारन्टी कार्ड का वितरण किया

**कोटा,** (निसं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार कोटा उत्तर के क्षेत्र में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का आमजन को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने के लिऐं आयोजित किए जा रहे मंहगाई राहत शिविर एवं प्रशासन शहरों के संग अभियान के द्वितीय चरण के शिविर आयोजन के तहत नगर निगम कोटा उत्तर के क्षेत्र में शुक्रवार से वार्ड नं. 8, 9, 21 व 34 के नागरिकों के लिए दो दिवसीय शिविरों का शुभारम्भ होगा। इन शिविरों में राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए आमजन के पंजीकरण किए जाएंगे व मौके पर ही गारंटी कार्ड जारी किए जाएंगे। कोटा उत्तर निगम के आयुक्त अनुराग भार्गव ने बताया कि दो व तीन जून को वार्ड वाईज आयोजित होने वाले दो दिवसीय शिविरों के तहत वार्ड नम्बर 8 व 9 के नागरिकों के लिए शिविर बाल विद्यालय में, वार्ड नं. 21 के नागरिकों के लिए शिविर सरकारी विद्यालय में तथा वार्ड नम्बर 34 के नागरिकों के लिए शिविर राजकीय माध्यमिक विद्यालय, बृजराजपुरा (चित्तौड़ा का नोहरा) में आयोजित होंगे। उन्होंने बताया कि शिविरों का संचालन प्रातः 10 से सांय 6 बजे तक रहेगा।

### संभागीय पर्यवेक्षक ने निरीक्षण किया

**नैनवा** (निसं)। नगर पालिका प्रशासन शहरों के संग अभियान कैंप का संभागीय पर्यवेक्षक आरडी मीणा ने निरीक्षण किया। कैंप के माध्यम से आमजन को दी जाने वाली राहत के संदर्भ में फीडबैक लिया इस संदर्भ में जानकारी देते हुए नगर पालिका अधिशासी अधिकारी मुकेश नागर ने बताया कि प्रशासन शहरों के संग अभियान के कोटा संभाग पर्यवेक्षक आर डी मीणा ने नगर पालिका में आयोजित किए जा रहे प्रशासन शहरों के संग अभियान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पर्यवेक्षक आर डी मीणा ने बताया गया कि पूर्व निरीक्षण में नगर पालिका में 150 से अधिक पत्रावलीयां लम्बित थी लेकिन वर्तमान में पालिका में 18 पत्रावलीयां लम्बित है वर्तमान में पालिका की प्रगति को देखतें हुये। अधिशाषी अधिकारी मुकेश नागर को धन्यवाद दिया। अधिशाषी अधिकारी द्वारा यह बताये जानें पर की 8 ले-आउट प्लान व नामान्तरण से संबंधित पत्रावलीयां तहसीलदार नैनवॉ के स्तर पर लंम्बित है। पर्यवेक्षक मीणा द्वारा उपखण्ड अधिकारी शत्रुघ्न गुर्जर के नाम पत्र जारी कर संबंधित अधिकारीयों को पाबन्द करने हेतु मोबाईल पर उपखंड अधिकारी नैनवा से वार्ता की। साथ ही महंगाई राहत केम्प में आये हुये आमजन को केम्प में मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

### दिनेश को महंगाई से राहत की आशा मिली

**कोटा,** (निसं)। महंगाई राहत शिविर में आमजन को 10 कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आत्मसम्मान के साथ प्रदान किया जा रहा है। लोगों में योजनाओं का लाभ पाने के लिए भारी उत्साह है। कोटा के नयागांव इलाके में रहने वाले दिनेश जो पेशे से प्लंबर है अपनी पत्नी आशा के साथ अग्निशमन केंद्र के स्थाई महंगाई राहत शिविर में गऐं। जहां उन्हें कुल 5 योजनाओं का लाभ मिला। जिनमें मुख्यमंत्री निशुल्क बिजली योजना, मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा निशुल्क फूड पैकेट योजना, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना एवं मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना शामिल है। दिनेश प्लंबर का काम करके महीने के 8 से 10 हज़ार रुपये कमा पाते हैं। दिनेश के दो छोटे बच्चे हैं जिनमें से एक स्कूल जाता है। दिनेश कहते हैं कि महंगाई के इस दौर में पूरे दिन मेहनत करने के बाद भी वह इतना नहीं कमा पाते कि अपने बच्चों की जरूरतें पूरी कर सकें। सरकार को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि महंगाई से मिली इस राहत से वह अपने बच्चों की पढ़ाई पर, किताबों पर खर्च कर उनके भविष्य को संवारेंगे।

### नाबालिग बालक को उनके परिजनों को सुपुर्द किया

**कोटा,** (निसं)। राष्ट्र और उसके नागरिकों की सेवा में कोटा मंडल के रेल सुरक्षा बल समर्पण भावना के साथ कार्यरत है। साथ ही कर्तव्यनिष्ठा से रेलवे सुरक्षा बल जरूरतमंद यात्रियों को सहायता प्रदान करने के साथ-साथ महिलाओं और बच्चों का विशेष ध्यान भी रखते हैं। मंडल रेल प्रबंधक के मार्गदर्शन एवं सहायक सुरक्षा आयुक्त के नेतृत्व में रेल सुरक्षा बल कर्मी अपनी ड्यूटी पूरी तत्परता और सतर्कता के साथ निभा रहे है। इसी श्रृंखला में रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कोटा पोस्ट ने "ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते" के तहत 30 मई को 10 वर्षीय बालक को सुरक्षित उनके परिजन को सुपुर्द किया। यह बूंदी निवासी नाबालिक बच्चा कोटा स्टेशन पर उपनिरीक्षक सूरज सिंह को ड्यूटी गस्त के दौरान कोटा स्टेशन के प्लेटफार्म सं 01 पर निराश्रित हालत में घूमता हुआ मिला जिसे चाईल्ड हैल्प लाईन कोटा को सूचित करते हुए दो पंचो के समक्ष सुपुर्दगीनामा तैयार कर सही सलामत सुपुर्द किया गया। इन कार्यों से रेल सुरक्षा बल के जवानों को जनता से बहुत सकारात्मक और उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिलती है तथा उनका मनोबल बढ़ता है।

### कोटा होकर जाने हल्दीघाटी एक्सप्रेस चित्तौड़गढ़-रतलाम के मध्य आंशिक निरस्त

**कोटा,** (निसं)। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के चंदेरिया-नीमच सेक्शन में गार्डर कार्य के कारण कोटा होकर जाने वाली हल्दीघाटी एक्सप्रेस को आंशिक रूप से निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 19818 कोटा होकर यमुना ब्रिज आगरा से रतलाम को जाने हल्दीघाटी एक्सप्रेस 02 जून ,2023 को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान कर चित्तौड़गढ़ तक ही जायेगी अर्थात यह गाड़ी चित्तौड़गढ़-रतलाम के मध्य आंशिक निरस्त रहेगी। इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/जनसम्पर्क अधिकारी-कोटा ने बताया कि यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद है। इस संबंध में सर्व-संबधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेन की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशनों, रेल मदद 139 एवं ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करे।

### कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव का झालावाड़ दौरा

**झालावाड़** (निसं)। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव, सहप्रभारी राजस्थान विरेन्द्र सिंह राठौड़ तीन जून को झालावाड़ दौरे पर रहेंगे। वरिष्ठ प्रवक्ता मोहम्मद शफीक खान ने बताया कि राठौड संगठनात्मक एवं मिशन विधानसभा चुनाव-2023 को लेकर इन्द्रप्रस्थ होटल, झालावाड़ में दोपहर एक बजे जिला कांग्रेस कार्यकारिणी, पीसीसी सदस्य पदाधिकारी, अग्रिम संगठन, ब्लॉक, नगर, मण्डल के पदाधिकारी, जिला परिषद्, जनपद सदस्य निकाय चेयरमैन, प्रधान सहित प्रमुख कांग्रेसजनों की बैठक जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित की जायेगी।

### फरार आरोपी गिरफ्तार

**नैनवां** (निसं)। थाना अधिकारी बुधराम जाट ने बताया कि एसपी जय यादव द्वारा अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने के संदर्भ में जारी किए गए दिशा-निर्देशों की पालना करते हुए डीएसपी योगेश चौधरी के सुपरविजन में मुखबिर व सूचना तंत्र की सहायता से प्राप्त जानकारी के आधार पर अवैध खनन मामले में फरार चल रहे आरोपी कृष्णमुरारी पुत्र हीरालाल (36) निवासी मोडसा को गिरफ्तार किया।

# मशीनों से नालों की सफाई जारी

**कोटा,** (निसं)। नगर निगम कोटा दक्षिण में बरसाती नालों के सफाई कार्य का गुरूवार को महापौर राजीव अग्रवाल एवं कार्यवाहक आयुक्त राजेश डागा के द्वारा निरीक्षण किया गया।

सर्वप्रथम आल्हाउदल पार्क के पास नाले में पिल्लर का अवरोध आने के कारण नाले में बरसाती पानी का प्रवाह अवरूद्ध होता है और बालाकुण्ड बस्ती से आने वाला बरसाती पानी जवाहर नगर नाले की तरफ जाने से जवाहर नगर में पानी भराव की स्थिति बनती है। महापौर राजीव अग्रवाल व कार्यवाहक आयुक्त राजेश डागा ने मौके पर कार्यवाहक अधिशाषी अभियंता कुरैशी एवं कनिष्ठ अभियंता भुवनेश नावरिया को नाले का कार्य शीघ्र करवाये जाने के निर्देश दिये। आल्हा-उदल पार्क के यहां नगर विकास न्यास द्वारा बनाये जा रहे नाला निर्माण के ठेकेदार को नाले का कार्य समय पर और नाले में इकट्ठा हो रहे मलवे को निकाले जाने के निर्देश दिया।



महापौर राजीव अग्रवाल व कार्यवाहक आयुक्त राजेश डागा ने नालों की सफाई का जायजा लिया।

यही नाले में पिल्लर खड़े करके पानी के प्रवाह को रोकने के लिये संबंधित भवन मालिक को निर्देश दिया कि तत्काल नाले में बनाये पिल्लरो को हटा लेवे। आधे घंटे बाद ही नगर निगम की जेसीबी द्वारा नाले में बनाये जा रहे पिल्लरों को ध्वस्त कर दिया गया। इसके बाद महापौर राजीव अग्रवाल व कार्यवाहक आयुक्त राजेश डागा ने एयरपोर्ट के पीछे वाले नाले का निरीक्षण किया। इस नाले में इकट्ठा हो रहे मलवे को बरसात पूर्व ही निकाले जाने के निर्देश संबंधित को दिये गये।

महापौर राजीव अग्रवाल ने बताया कि अतिवृष्टि के दौरान हर वर्ष बरसात के पानी को एयरपोर्ट की दीवार तोड़कर निकाला जाता है, अगर उक्त नाले में से बरसात पूर्व कचरा/मलवा निकाल दिया जाये तो पानी भराव की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी। महापौर ने बताया कि बरसात का मौसम निकट है और इसको देखते हुऐं बरसाती नालो की सफाई प्राथमिकता है। इस दौरान कार्यवाहक अधिशाषी अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता साथ रहे।

### छबड़ा में एबीवीपी का प्रदर्शन

**छबड़ा** (निसं)। एबीवीपी कार्यकर्ता ने कॉलेज रोड पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने एवं स्पीड ब्रेकर बनवाए जाने की मांग को लेकर गुरूवार को उपखंड अधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। नगर मंत्री मयंक जांगिड ने बताया कि कॉलेज सडक छबडा शहर की शिक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों द्वारा बहुतायत में उपयोगित सडक है। क्षेत्र में स्थित तीनों महाविद्यालय स्ववित्तपोषित, राजकीय एवं कन्या महाविद्यालय एक ही सड़क पर स्थित है। इन महाविद्यालयों में बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययनरत है। साथ ही, इस रोड़ से सभी कोचिंग संस्थान के छात्र आते-जाते है, क्योंकि इसी क्षेत्र में सर्वाधिक कोचिंग संस्थान भी है। इस सड़क से दिन भर छात्र गुजरते है, जिन्हे ऑवर स्पीडिंग गाड़ियों और ओवर लोडिंग वाहनों से दुर्घटना का खतरा बना रहता है तथा कुछ छात्र दुर्घटना का शिकार भी हुए है। छात्रसंघ अध्यक्ष रवि शर्मा के अनुसार इस रोड़ को शिक्षा की दृष्टि से उपयोगी समझकर यहां बेरीकेट और ब्रेकर की व्यवस्था की जाएं जिससे भारी वाहनों पर रोक और स्पीड पर नियंत्रण किया जा सके।

# पीडब्लूडी संवेदक व सरकार के बीच समझौता हुआ

■ संवेदकों के कार्य करने से अब विकास को मिलेगी गति

**कोटा,** (निसं)। यूनाईटेड कॉन्टेक्ट्रर एसोसिएशन एवं सरकार के बीच समझौता हुआ।

वार्ता के पूर्व ऐसोसिएशन के जिला अध्यक्षों और संभाग प्रभारियों की मीटिंग हुई जिसमें बीएस राव, सुनील गर्ग, भूरा राम, बलदेव पनिया, गिरीश सिंघल, इन्द्र सिंह टाक, अंजन कुमार, किरोड़ी मोदी सीपी शर्मा, हरीश आहूजा, मनोज विजय, हरीश गर्ग, अर्पित शर्मा, रिन्कू, बद्री गोचर, ज्ञान जैन, महेश गहलोत, उस्मान खां, बाबू लाल सैनी, बंशी लाल अहीर, दिलीप अग्रवाल, रिषभ जैन सहित लगभग 70 संवेदकों ने अपने अपने विचार रख प्रदेश अध्यक्ष बीएस राव, सुनील गर्ग, इन्द्र सिंह टांक, भूरा राम एवं अंजन कुमार को वार्ता के लिए अधिकृत किया गया।

उसके उपरांत सभी अधिकृत सवेदकों द्वारा पहले मुख्य अभियंता संजीव माथुर से वार्ता के उपरांत प्रमुख सचिव वैभव गलेरिया से लगभग 2 घंटे वार्ता करने के बाद अन्त में विभागीय मंत्री भजन लाल जाटव से हुई वार्ता के बाद आन्दोलन वापस लेने पर सहमति बनी। यूनाइटेड कांट्रेक्टर एसोसिएशन राजस्थान के संभागीय अध्यक्ष एवं कोटा कांट्रेक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील गर्ग ने बताया कि वार्ता के दौरान कई मांगों पर सहमति बनी जिन्हें लागू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं होने अथवा कमजोर वाले स्थानों पर जीडब्लूएमएस साफ्टवेयर में वैकल्पिक व्यवस्था कर दी गई है। इसके अतिरिक्त 18.07.2022 से जीएसटी दरों के बढ़ने (12 प्रतिशत से 18 प्रतिशत) के कारण संवेदकों पर आए वित्तीय भार की क्षतिपूर्ति कराना।

समयावधि प्रकरण एवं अधिक्य मात्रा प्रकरणों को निम्न कार्यालय स्तर पर स्वीकृत करने की सक्षमता दिलवाना। प्रत्येक दर्जे (ए.बी.सी.डी) के संवेदकों को टेण्डर में भाग लेने की वर्तमान अधिकतम निविदा सक्षमता को बढ़वाना। सड़क कार्यों में सीआरसी, सिमेन्ट के बिल, स्टील के बिल व पाईप के बिल के लिए रिकॉर्ड संधारण प्रक्रिया पर पुनर्विचार कर सक्षम स्तर पर अनुमोदन प्राप्त कर समाधान किया जाएगा। जिन निविदाओं में स्वच्छ प्रतियोगिता की कमी पाई जाएगी, उनकी नियम 68 के तहत समीक्षा उपरान्त निर्णय लिया जाएगा।

कान्ट्रेक्टर ऐसोशिएशन के अध्यक्ष बी.एस राव पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने संवेदकों से बनी सहमति राज्य सरकार स्तर पर प्रेषित कर 30 दिवस के भीतर सक्षम स्तर पर अनुमोदन की दशा में समाधान करने का आश्वासन दिया गया एवं राज्य के सभी संवेदकों द्वारा टेण्डर बहिष्कार को तुरन्त समाप्त कर टेण्डरों में भाग लेने की सहमति दी गई। इसके बाद अब कार्यों को शीघ्र शुरू कर दिया जाएगा ताकी प्रदेश के विकास को गति मिल सके।

# 'बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु संस्कार शिविरों का आयोजन बहुत महत्वपूर्ण'

**कोटा,** (निसं)। भारत विकास परिषद माधव शाखा एवं अहिल्या शाखा द्वारा गुरूवार को तीन दिवसीय बाल संस्कार शिविर का शुभारंभ श्रीनाथपुरम स्थित रॉयल सीनियर सैकंडरी स्कूल पर प्रातः 7 बजे से दोपहर 11 बजे तक आयोजित हुआ।

भारत विकास परिषद माधव शाखा अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता एवं अहिल्या शाखा अध्यक्ष अंजली शर्मा ने बताया बाल संस्कार शिविर शुभारंभ के मुख्य अतिथि भारत विकास परिषद के संस्थापक सदस्य हरि प्रकाश सक्सेना थे कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष किशन पाठक ने की इस अवसर पर उपस्थित नन्हे-मुन्ने बच्चों को संबोधित करते हुए किशन पाठक ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के शिविर आज के समय में प्रासंगिक है जहां आधुनिक युग में बच्चों का ध्यान केवल किताबी शिक्षा पर होता है ऐसे में संस्कार शिविरों का आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में मददगार सिद्ध होता है जिनके माध्यम से विभिन्न प्रकार की गतिविधियां बच्चों को सिखाई जाती हैं जिससे उनका शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास होता है भारत विकास परिषद की विभिन्न शाखाएं इस प्रकार के शिविर विभिन्न स्थानों पर आयोजित कर रही हैं, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरि प्रकाश सक्सेना ने भी बच्चों को आशीर्वचन प्रदान किए, तीन दिवसीय बालसंस्कार शिविर प्रकल्प प्रभारी डॉक्टर शेफाली शर्मा ने बताया कि इस शिविर में बच्चों को योगिक क्रियाएं, सांस्कृतिक क्रियाएं, पारंपरिक नृत्य, खेलकूद, आर्ट एंड क्राफ्ट, रंगोली, सहित उनकी रूचि का प्रशिक्षण दिया जाएगा इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएगी।

# न्यास ने अतिक्रमण हटाया



नगर विकास न्यास के द्वारा अतिक्रमण हटाकर सड़क बनवाई गई है।

**कोटा,** (निसं)। कुन्हाड़ी स्थित आदर्श नगर कॉलोनी के वासिंदों की 10 साल से चली आ रही आम रास्ते में अतिक्रमण की समस्या का गुरूवार को नगर विकास न्यास द्वारा अतिक्रमण हटाने के साथ ही डामरीकरण सड़क बनाकर स्थाई निराकरण किया।

स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल के निर्देश पर नगर विकास न्यास द्वारा अतिक्रमण हटाने के साथ ही मौके पर डामरीकरण सड़क बनाकर स्थानीय नागरिकों को संवेदनशील प्रशासन की भूमिका में कार्य करते हुए सपने को साकार किया।

स्थानीय नागरिकों द्वारा पिछले समय स्वायत्त शासन मंत्री को ज्ञापन देकर मुख्य सड़क पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने की मांग की थी। नगर विकास न्यास द्वारा गुरूवार को प्रातः 6 बजे अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को अंजाम दिया गया। जिला कलक्टर के निर्देश पर नियुक्त कार्यपालक मजिस्ट्रेट उप सचिव चंदन दुबे यूआईटी की जेसीबी एवं अतिक्रमण निरोधक दस्ते के साथ पहुंचकर आम रास्ते में बनी अवैध दिवार को हटाकर रास्ते को समतल करवाया तथा डामरीकरण करवाकर स्थानीय नागरिकों की वर्षों पुरानी मांग का एक ही दिन में निराकरण करवाया।

कॉलोनी वासिंयों द्वारा न्यास की कार्यवाही की सराहना की अब सड़क निर्माण से आवागमन में इससे काफी सुविधा उपलब्ध होगी। उप सचिव चन्दन दूबे ने बताया कि आदर्श नगर कॉलोनी 2013 में नगर विकास न्यास द्वारा अनुमोदित की गई थी। खसरा नंबर 244, 245 एवं 246 ग्राम कुन्हाड़ी में स्थित यह कॉलोनी पूरी तरह बस चुकी है। सघन आबादी बसी हुई है और इसके लेआउट में 20 फुट चौडा अनुमोदित रोड़ मुख्य सड़क को जोड़ने का बना हुआ था।

कुछ अतिक्रमणयों द्वारा इस रोड पर दीवार बनाकर इस रोड़ को बनने नहीं दिया जा रहा था। कॉलोनी वासियों द्वारा समय-समय पर इस रास्ते को खुलवाने की मांग लगातार की जा रही थी।

अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान नगर विकास न्यास के पुलिस उपाधीक्षक आशीष भार्गव, पुलिस उपाधीक्षक व्रत शंकरलाल, उपाधीक्षक अमरसिंह, अधीक्षण अभियंता संदीप नागपाल, कुन्हाड़ी थानाधिकारी गंगासहाय, पुलिस निरीक्षक भूपेंद्र सिंह, हंसराज मीणा, पुष्पेंद्र झांझरिया, जितेंद्र सिंह एवं पुलिस लाइन का जाब्ता एवं अतिक्रमण दस्ते का जाब्ता मौके पर मौजूद रहा।

### खोया-पाया

नरेंद्र कुमार पुत्र चतुर्भुज शर्मा मकान न 833 महावीर नगर द्वितीय योजना का मूल आवंटन, कब्जा एवं मूल रजिस्ट्री एवं अन्य दस्तावेज मेरी माता जी शांति देवी के नाम के कही गुम हो गए है।


**पश्चिम मध्य रेल्वे**

**उप मुख्य सामग्री प्रबंधक**

(भंडार आपूर्ति हेतु ई-निविदा सूचना संख्या E-66231279)

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, माल डिब्बा मरम्मत कारखाना, पश्चिम मध्य रेल कोटा, भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदा आमंत्रित करते है । कोई भी व्यक्तिगत/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएगें । पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए www.ireps.gov.in पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है । **Sl.No.:** 01, **Tender No.:** E-66231279, **Short Description:** MANUAL METAL WELDING ELECTRODE IRS CLASS M-2, FORBOXN HL WAGON IS CODE E-19-9 LR-26 HEAVY COATED TOIRS M 28-12 WITH LATEST AMND SIZE 4MM DIA INTO 350mm LENGTH. The date of supply of the material should be within 60 days from the date of manufacture. **Tendered Qty.:** 13000 Kgs, **Opening date:** 30.06.2023, 12.30 Hrs., **Earnest Money:** 73510/-, **Estimated Value (INR):** 3675620/-.

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक
पश्चिम मध्य रेल्वे, कोटा

कोरोना को हराना है, तो टीका लगवाना है



**पश्चिम मध्य रेल्वे**

**खुली निविदा सूचना**

सं. ईएल/50/एनआईटी/05 (2023-24) दिनांक: 29.05.2023

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरि.मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते है । **निविदा संख्या:** ईएल/50/143 आर/2023-24, **कार्य का नाम:** कोटा मंडल-भवानीमंडी (02 नग) और विक्रमगढ़ आलोट (02 नग) प्लेटफार्म-2 और प्लेटफार्म-1 पर लिफ्टों का प्रावधान । **अनुमानित लागत (रु.में):** 2,18,32,839.86, **बयाना राशि (रु.में):** 2,59,200/-, **कार्य समाप्ति अवधि:** 09 माह, **निविदा संख्या:** ईएल/50/144 आर/2023-24, **कार्य का नाम:** कोटा मंडल-कोटा में मंडल रेलवे अस्पताल और नागदा-मथुरा सेक्शन में स्टाफ क्वार्टरों की रिवायरिंग । **अनुमानित लागत (रु.में):** 89,40,224.15, **बयाना राशि (रु.में):** 1,78,800/-, **कार्य समाप्ति अवधि:** 06 माह, **निविदा संख्या 1 और 2 के लिए निविदा प्रस्तुत करने एवं खुलने की दिनांक तथा समय:** 22.06.2023 को 15.00 बजे तक एवं खुलने का समय 15.15 बजे । ऑफर केवल ई-टेण्डरिंग के माध्यम से वेबसाईट **http://www.ireps.gov.in** पर स्वीकार किऐ जायेगें । निविदा दाता के पास क्लास III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट होना चाहिए एवं आई.आर.ई.पी.एस पोर्टल पर रजिस्टेड होना चाहिए । कोई भी निविदा मैनुअली स्वीकार नहीं है । निविदा डालने से पहले टेण्डर दस्तावेजों की स्पेशल कण्डीशन्स एवं शर्तें अवश्य पढ़लें ।

वरि. मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य),
पश्चिम मध्य रेल्वे, कोटा

कोरोना को हराना है, तो टीका लगवाना है


### झालावाड़ संग्रहालय का स्थापना दिवस मनाया

**झालावाड़** (निसं)। पर्यटन विकास समिति झालावाड़ द्वारा गुरूवार को स्थानीय संग्रहालय का 108वां स्थापना दिवस गढ़ भवन स्थित संग्रहालय परिसर में मनाया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि समिति अध्यक्ष दिनेश सक्सेना ने कहा कि संग्रहालय में प्रदर्शित नायाब कला धरोहरों का प्रदर्शन होर्डिंग के माध्यम से स्थानीय नगर परिषद् को करना चाहिए, जिससे आमलोगों को झालावाड़ की कला सम्पदा की जानकारी मिल सके। समिति संयोजक ओम पाठक ने कहा कि पुरातत्त्व एवं संग्रहालय विभाग को अब रैन बसेरे को अपने क्षेत्र में लेना चाहिये ताकि वह सुरक्षित रह सके। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि प्रतिवर्ष 01 जून को स्थापना दिवस पर स्थानीय संग्रहालय को निःशुल्क रखा जाये।

मुख्यवक्ता इतिहासकार ललित शर्मा ने कहा कि झालावाड़ का पुरातत्त्व संग्रहालय हाड़ौती का सबसे पुराना संग्रहालय है। स्थानीय नरेश भवानी सिंह ने 01 जून 1915 को इसे स्थापित किया था, उन्होंने कहा कि इस संग्रहालय में वर्तमान में 482 मूर्तियां, 10 शिलालेख, 291 चित्र, 2186 सिक्के, हस्तलिखित सचित्र ग्रन्थ-31, सहित 65 अस्त्र शस्त्र, 20 वस्त्र परिधान, 62 हाथी दांत की सामग्री व 40 शंख का संग्रह है। संग्रहालय में अद्धर्नारीश्वर, चामुण्डा नवग्रह की मूर्ति तथा अवतार चरित्र ग्रन्थ, भारत प्रसिद्ध कला धरोहर है। संगोष्ठी में सर्वेश्वरदत्त ने कहा कि संग्रहालय की कला सम्पदा का प्रचार प्रसार स्थानीय स्तर पर भी होना चाहिये।


**कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा**

क्रमांक:-809 **विक्रय स्वीकृति चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक:-1.6.23

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा योजना मुकुन्दरा विहार विस्तार का भूखंड/आवास संख्या 596 श्री अजय सिंह पुत्र श्री बना सिंह को आवंटन/नीलामी पत्र दिनांक 20.10.2015 के द्वारा आवंटन किया गया था। अतः उक्त भूखण्ड की विक्रय स्वीकृति जर्ये मुख्तारआम श्रीमती शान्ति बाई पत्नी श्री रुपचंद सुमन द्वारा नगर विकास न्यास कोटा से चाही जा रही है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम विक्रय स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखंड/आवास संख्या 596 योजना मुकुन्दरा विहार विस्तार की विक्रय स्वीकृति श्री अजय सिंह पुत्र श्री बना सिंह जर्ये मुख्तारआम श्रीमती शान्ति बाई पत्नी श्री रुपचंद सुमन के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा



**कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा**

क्रमांक:-741 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक:-19.5.23

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा भूखंड/आवास संख्या 447 गणेश नगर आवास योजना में हस्तान्तरण न्यास के पत्र दिनांक 12.05.2014 को श्रीमती मंजू शर्मा पत्नी श्री मुकेश शर्मा के नाम से हस्तान्तरण किया गया। आवंटी श्रीमती मंजू शर्मा पत्नी श्री मुकेश शर्मा द्वारा उक्त भूखंड/आवास का जर्ये मुख्तारआम श्री मनमीत कुमावत पुत्र स्व. श्री मदनलाल कुमावत के द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 01.02.2023 को श्रीमती चंदा देवी पत्नी स्व. श्री मदनलाल को विक्रय कर दिया गया है। क्रेता द्वारा उक्त भूखंड/आवास का नामहस्तान्तरण की स्वीकृति नगर विकास न्यास कोटा से चाही जा रही है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 447 कार्नर योजना गणेश नगर आवास का नाम हस्तान्तरण श्रीमती चंदा देवी पत्नी स्व. श्री मदनलाल के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा



**कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा**

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2023/298 **विज्ञप्ति** दिनांक:-01.06.2023

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम सकतपुरा में स्थित कृषि भूमि योजना लैण्डमार्क सिटी ब्लॉक-एफ.जी.एच. खसरा नं. 38 में स्थित भूखंड संख्या एच-19 आवेदक/आवेदिका श्रीमती मधुबाला माहेश्वरी पत्नी स्व. श्री नरेश कुमार माहेश्वरी एवं श्री मनीष समदानी पुत्र श्री कैलाश चन्द समदानी द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 411 दिनांक 05.11.2014 को श्री मिथलेश लड्डा पुत्र श्री कन्हैयालाल लड्डा के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी द्वारा उक्त भूखंड का बैचान जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 25.05.2015 को श्री नरेश कुमार माहेश्वरी पुत्र स्व. श्री मुकुट बिहारी माहेश्वरी एवं श्री मनीष समदानी पुत्र श्री कैलाश चन्द समदानी को बैचान किया गया। जिसका नाम हस्तान्तरण आदेश क्रमांक 181 दिनांक 29.06.2016 को जारी किया गया। नाम हस्तान्तरी नरेश कुमार माहेश्वरी की मृत्यु प्रमाण पत्र अनुसार दिनांक 28.03.2017 को हो चुकी है। मृतक के विधिक वारिसान पत्नी श्रीमती मधुबाला माहेश्वरी, पुत्री पारुल माहेश्वरी, उत्कर्ष माहेश्वरी है। वारिसान पुत्री पारुल माहेश्वरी, उत्कर्ष माहेश्वरी द्वारा जर्ये रजि. हकत्याग पत्र दिनांक 10.05.2022 को अपनी माता श्रीमती मधुबाला माहेश्वरी के पक्ष में किया गया है।

अतः श्रीमती मधुबाला माहेश्वरी पत्नी स्व. श्री नरेश कुमार माहेश्वरी एवं श्री मनीष समदानी पुत्र श्री कैलाश चन्द समदानी के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा



**राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा**

क्रमांक:-उ.आ.आ./को.वृ.को./2023-2024/894 **जाहिर आम सूचना** दिनांक: 1.6.23

आवास संख्या 3 के 90 महावीर नगर विस्तार योजना कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्रीमती अनोख बाई पत्नी श्री सत्यनारायण को किया गया। श्रीमती अनोख बाई द्वारा उक्त आवास का बैचान इकरारनामा, मुख्तारनामा एवं वसीयतनामा आलेखित कर दिनांक 31.03.1999 को श्री अश्वनी कुमार कुलश्रेष्ठ पुत्र श्री रमेश चन्द कुलश्रेष्ठ को किया गया। श्री अश्वनी कुमार कुलश्रेष्ठ द्वारा उक्त आवास का बैचान इकरारनामा, मुख्तारनामा एवं वसीयतनामा आलेखित कर दिनांक 29.11.2002 को श्रीमती सुराज बाला पत्नी श्री महेश कुमार जी अरोडा को किया गया। श्रीमती सुराज बाला द्वारा अपने पक्ष में नियमितिकरण हेतु इस कार्यालय में दिनांक 19.06.2003 को आवेदन किया गया।

अतः इस आवास का नियमितिकरण श्रीमती सुराज बाला पत्नी श्री महेश कुमार अरोडा के नाम करने में किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि इस आवास का नियमितिकरण श्रीमती सुराज बाला पत्नी श्री महेश कुमार अरोडा के नाम किए जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का नियमितिकरण श्रीमती सुराज बाला पत्नी श्री महेश कुमार अरोडा के नाम कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा



**राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा**

क्रमांक 886 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 1.6.23

आवास संख्या 2-ग-4 दादाबाड़ी कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री दया शंकर वाजपेयी पुत्र श्री राम किशन वाजपेयी को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री दया शंकर वाजपेयी पुत्र श्री राम किशन वाजपेयी द्वारा दिनांक 02.06.1990 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। पंजीयन उपरांत श्री दया शंकर वाजपेयी पुत्र श्री राम किशन वाजपेयी द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 10.12.1997 को श्री कैशवकान्त बागला पुत्र स्व. श्री बृज बल्लभ बागला व श्री अनिरुद्ध बागला पुत्र श्री बृज बल्लभ बागला को संयुक्त रुप से किया गया। श्री कैशवकान्त बागला पुत्र स्व. श्री बृज बल्लभ बागला व श्री अनिरुद्ध बागला पुत्र श्री बृज बल्लभ बागला का नाम दिनांक 11.11.2011 को मंडल अभिलेख में दर्ज किया गया। तत्पश्चात श्री कैशवकान्त बागला पुत्र स्व. श्री बृज बल्लभ बागला व श्री अनिरुद्ध बागला पुत्र श्री बृज बल्लभ बागला द्वारा उक्त आवास का उपहार जरिये उपहार पत्र (गिफ्ट डीड) आलेखित कर दिनांक 23.08.2016 को अपने बड़े भाई श्री मथुरेश बागला पुत्र स्व. श्री बृज बल्लभ बागला को किया गया। श्री मथुरेश बागला पुत्र स्व. श्री बृज बल्लभ बागला द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उक्त आवास के मंडल अभिलेख में अपना नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया।

अतः उक्त आवास को विक्रय पत्र के आधार पर श्री मथुरेश बागला पुत्र स्व. श्री बृज बल्लभ बागला के नाम मंडल अभिलेख में दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री मथुरेश बागला पुत्र स्व. श्री बृज बल्लभ बागला का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री मथुरेश बागला पुत्र स्व. श्री बृज बल्लभ बागला के नाम मंडल अभिलेख में दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा



**राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा**

क्रमांक 902 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 1.6.23

आवास संख्या 8/219 स्वामी विवेकानन्द नगर कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री जे.एल. आजाद पुत्र श्री रामश्ररण दास को किया गया था। इस आवास का नियमितिकरण श्री राजवर्धन शर्मा पुत्र श्री पाथुलाल शर्मा के नाम दिनांक 18.03.2002 को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री राजवर्धन शर्मा पुत्र श्री पाथुलाल शर्मा के नाम दिनांक 06.03.2005 को किया गया। पंजीयन उपरांत श्री राजवर्धन शर्मा पुत्र श्री पाथुलाल शर्मा द्वारा इस आवास से संबंधित समस्त कार्य करने हेतु अपनी ओर से दिनांक 06.03.2005 को श्री चांदमल गुप्ता पुत्र श्री श्रीनाथ गुप्ता को मुख्तारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री चांदमल गुप्ता पुत्र श्री श्रीनाथ गुप्ता द्वारा मुख्तारनामा आम धारक की हैसियत से उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 25.10.2005 को श्री मुकुट बिहारी पंकज पुत्र श्री भैरुलाल पंकज को किया गया। श्री मुकुट बिहारी पंकज पुत्र श्री भैरुलाल पंकज द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री मुकुट बिहारी पंकज पुत्र श्री भैरुलाल पंकज के नाम दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री मुकुट बिहारी पंकज पुत्र श्री भैरुलाल पंकज का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री मुकुट बिहारी पंकज पुत्र श्री भैरुलाल पंकज के नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा



**राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा**

क्रमांक 900 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 1.6.23

आवास संख्या 5/58 स्वामी विवेकानन्द नगर कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री गुलशन गुलाटी पुत्र श्री मनोहर लाल गुलाटी को किया गया। श्री गुलशन गुलाटी पुत्र श्री मनोहर लाल गुलाटी की मृत्यु दिनांक 29.07.1990 को हो चुकी है। इनकी मृत्यु उपरांत उक्त आवास का हस्तांतरण कल्पतरु योजना के अंतर्गत दिनांक 31.07.1991 को अपने भाई श्री राजीव गुलाटी पुत्र श्री मनोहर लाल गुलाटी के नाम किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री राजीव गुलाटी पुत्र श्री मनोहर लाल गुलाटी द्वारा दिनांक 01.01.2014 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। पंजीयन उपरांत श्री राजीव गुलाटी पुत्र श्री मनोहर लाल गुलाटी द्वारा उक्त आवास से संबंधित समस्त कार्य करने हेतु अपनी ओर से दिनांक 23.01.2014 को मुख्तारनामा आम आलेखित कर श्री शिवनारायण गौतम पुत्र श्री रामचन्द्र गौतम को किया गया। श्री शिवनारायण गौतम पुत्र श्री रामचन्द्र गौतम द्वारा मुख्तार आम धारक की हैसियत से उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 04.03.2014 को श्रीमती मधुबाला मीणा पत्नी श्री रणजीत मीणा एवं श्री रणजीत मीणा पुत्र श्री हजारी लाल मीणा को संयुक्त रुप से किया गया। श्रीमती मधुबाला मीणा पत्नी श्री रणजीत मीणा एवं श्री रणजीत मीणा पुत्र श्री हजारी लाल मीणा का नाम दिनांक 19.09.2017 को मंडल अभिलेख में संयुक्त रुप से दर्ज किया गया। तत्पश्चात श्री रणजीत मीणा पुत्र श्री हजारी लाल मीणा द्वारा इस आवास का उपहार जरिये उपहार पत्र आलेखित कर दिनांक 15.01.2021 को श्रीमती मधुबाला मीणा पत्नी श्री रणजीत मीणा को किया गया। श्रीमती मधुबाला मीणा पत्नी श्री रणजीत मीणा का नाम दिनांक 22.11.2021 को मंडल अभिलेख में दर्ज किया गया। तत्पश्चात श्रीमती मधुबाला मीणा पत्नी श्री रणजीत मीणा द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 13.01.2022 को श्रीमती मीनाक्षी शर्मा पत्नी श्री चन्द्रेश गौत्तम को किया गया। श्रीमती मीनाक्षी शर्मा पत्नी श्री चन्द्रेश गौत्तम द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः इस आवास के मंडल अभिलेख में श्रीमती मीनाक्षी शर्मा पत्नी श्री चन्द्रेश गौत्तम का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 10 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि इस आवास के मंडल अभिलेख में श्रीमती मीनाक्षी शर्मा पत्नी श्री चन्द्रेश गौत्तम का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में श्रीमती मीनाक्षी शर्मा पत्नी श्री चन्द्रेश गौत्तम का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

# अवैध डोडा-पोस्त चूरा सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया

## बन्द बॉडी कंटेनर की तलाशी लेने पर 30 किलो डोडा पोस्त चूरा मिला

**सादुलपुर,** (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने एनएच 52 पर गोठया बडी पुलिया के पास बुधवार रात्रि को गश्त के दौरान नाकाबंदी कर बडी कार्यवाही करते हुए दो आरापियों को डोडा पोस्त चूरा तस्करी करते हुए दो गिरफ्तार किया गया है, जिसका गुरूवार को राजगढ थाने में मामला दर्ज किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर रैंज बीकानेर द्वारा मादक पदार्थों की धरपकड हेतू चलाये जा रहे के अभियान के तहत पुलिस टीम ने गौठया बडी के पास नाकाबंदी कर राजगढ की ओर से आ रहे ट्रक को रूकवाया तथा बन्द बॉडी कंटेनर की तलाशी लेने पर 30 किलो डोडा पोस्त चूरा मिला तथा किसी भी प्रकार का लाईसेंस या परमिट नहीं मिलने पर कन्टेनर को डोडा पोस्त चूरा सहित जब्त कर आरोपी चालक जसवीर सिंह पुत्र चान्नण सिंह राजपूत निवासी माहादीपुर पुलिस थाना मच्छीवाडा जिला लुधियाना पँजाब व परिचालक सुखेदव कुमार पुत्र चिन्तराम हरिजन निवासी मांगट पुलिस थाना बस्ती चौक शहर लुधियाना पंजाब को गिरफ्तार कर एनडीपीए एक्ट के तहत राजगढ थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है।

राजगढ़ थाना पुलिस ने डोडा पोस्त चूरा तस्करी करते हुए दो जनों को गिरफ्तार किया।

- परमिट नहीं मिलने पर कन्टेनर को डोडा पोस्त चूरा सहित जब्त किया

कार्यवाही में जिला स्पेशल टीम की विशेष भूमिका रही। कार्यवाही में पुलिस थाना राजगढ के नरेन्द्र नागर आरपीएस, महेन्द्र कास्टेबल, दयाराम कास्टेबल, कुलदीप कास्टेबल, अंकित कुमार कास्टेबल व सत्यवीर चालक कास्टेबल ने कार्यवाही को अंजाम दिया।

# 70 किलो डोडा-पोस्त जब्त, दो गिरफ्तार

**चूरू,** (कासं)। पुलिस थाना सदर चूरू व डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए जूस की आड में अवैध मादक पदार्थ तस्करी करते हुए 70 किलोग्राम डोडा पोस्त के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक चूरू राजेश कुमार मीना आई.पी.एस. ने बताया कि डीएसटी टीम की आसूचना पर डीएसटी टीम व पुलिस थाना सदर चूरू की टीम द्वारा एनएच 52 पर नाकाबंदी के दौरान रामगढ़ की तरफ से आ रहे ट्रक को रूकवाकर चैक किया गया तो ट्रक में भरे ज्यूस के कार्टूनों के नीचे छुपाकर ले जा रहे 70 किलो अवैध डोडा-पोस्त परिवहन करते हुए रणजीत सिंह पुत्र बलदेव सिंह निवासी ईसी तहसील धुरी पुलिस थाना धुरी जिला संगरूर पंजाब को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार प्रथम दृष्टया जप्त शुदा डोडा पोस्त जावरा मध्यप्रदेश से लाना व पंजाब ले जाना पाया गया है। जप्तशुदा डोडा पोस्त की अनुमानित कीमत 2 लाख 50 हजार रुपए है।

- ट्रक में भरे ज्यूस के कार्टूनों के नीचे छुपाकर ले जा रहे थे डोडा-पोस्त

# लूट के दो आरोपी गिरफ़्तार

## आरोपितों की निशानदेही से लूटे आभूषण बरामद

पुलिस ने लूट मामले में दो जनों को गिरफ्तार किया।

**भीलवाड़ा,** (निसं)। जिले के हनुमाननगर थाना क्षेत्र के बारला पोलिया में एक बुजुर्ग बेवा और उसकी भतीजी के गहने लूट की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुये मांडलगढ़ थाना सर्किल के दो बदमाशों रामनाथ गुर्जर व रंगलाल मीणा को गिरफ्तार कर लिया।

हनुमान नगर थाना प्रभारी स्वागत पांडया ने बताया कि बारला पोलिया निवासी 60 वर्षीय बेवा भूरीदेवी गुर्जर ने हनुमान नगर थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई कि रात में वह अपने घर में भतीजी जमना व उसके 5 साल के बेटे के साथ सो रही थी। रात करीब दो बजे उसके मकान के कमरे का गेट तोड़कर बदमाशों ने अंदर प्रवेश किया।

बदमाशों ने आते ही भूरी देवी को काबू किया और उसके हाथों से कड़ूले जबरन छीन लिये। इसके चलते उसे हाथ पर चोट आई। ये बदमाश एक से ज्यादा थे और गालियां भी दे रहे थे। बदमाशों ने भूरी की भतीजी जमना की चांदी की कनगती भी छीन ली। छीने गये चांदी के दोनों जेवरों का वजन दो किलो था। वारदात के बाद बदमाश चले गये। डर के मारे भूरी व जमना ने दरवाजा बंद कर लिया और सुबह होने पर आस-पास के लोगों को वारदात की जानकारी दी। पुलिस ने लूट का मामला दर्ज किया।

पुलिस अधीक्षक ने एएसपी चंचल मिश्रा के निर्देशन में टीम गठित की। इस टीम का नेतृत्व थाना प्रभारी ने करते हुये जांच शुरु की। टीम ने वारदातस्थल का बारिकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाये। आस-पास लोगों से पूछताछ की ओर कड़ी से कड़ी जोड़ी तो पता चला कि मोचड़ियों का खेड़ा, मांडलगढ़ निवासी रामनाथ 32 पुत्र सोराम गुर्जर व उसके साथी जालम की झौंपड़िया, जैतपुरा बांध को डिटेन कर पुलिस ने पूछताछ की। आरोपितों ने उक्त वारदात कबूल कर ली।

- पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे, नशे के आदी हैं और उन पर कर्जा है

इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही आरोपितों की निशानदेही से बुजुर्ग महिला से लूटे आभूषण कड़े और कनगती बरामद कर वारदात में काम ली बाइक जब्त कर ली। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे, नशे के आदी हैं और उन पर कर्जा है। इस कर्ज को चुकाने के लिए रुपयों की आवश्यकता होने से इस वारदात की योजना वृद्धा के ही रिश्ते में जंवाई लगने वाले आरोपित ने बनाई थी।

# उर्दू, विज्ञान, पंजाबी एवं गणित विषय की मॉडल उत्तर कुंजियां जारी

**अजमेर,** (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के उर्दू (ग्रुप-बी), विज्ञान, पंजाबी (ग्रुप-सी) तथा गणित (ग्रुप-डी) विषयों की मॉडल उत्तर कुंजियाँ वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। यदि किसी भी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तर कुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 3 जून से 5 जून 2023 को रात्रि 12 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है।

आयोग के उप सचिव सुनील रांका ने बताया कि परीक्षा 23 दिसंबर से 27 दिसंबर 2022 तक आयोजित की गई थी। आपत्तियां आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही प्रविष्ट करनी होंगी। इस परीक्षा के मॉडल प्रश्न-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आपत्ति प्रामाणिक (स्टैंडर्ड, ऑथेंटिक) पुस्तकों के प्रमाण सहित ऑनलाइन ही प्रविष्ट करें। वांछित प्रमाण संलग्न नहीं होने की स्थिति में आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। उक्त परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों के अतिरिक्त यदि कोई अन्य व्यक्ति आपत्ति दर्ज करवाते हैं, तो उन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। आयोग द्वारा प्रत्येक प्रश्न हेतु आपत्ति शुल्क रु 100/- (सेवा शुल्क अतिरिक्त) निर्धारित किया है। अभ्यर्थी एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर उक्त परीक्षा के लिए उपलब्ध लिंक (क्वेश्चन आब्जेक्शन) पर क्लिक कर प्रश्नों पर आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं।

## साक्षात्कार का परिणाम जारी

**अजमेर,** (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा उपनिरीक्षक व प्लाटून कमाण्डर भर्ती परीक्षा, 2021 के साक्षात्कार का परिणाम शुक्रवार को जारी किया गया। इसमें आयोग द्वारा सफल अभ्यर्थियों की संयुक्त वरीयता सूची जारी की गई है। माननीय न्यायालय के आदेशानुसार 8 अभ्यर्थियों का परिणाम रोका गया है। संयुक्त सचिव आशुतोष गुप्ता ने बताया कि आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध संयुक्त वरीयता सूची के अनुसार रोल नंबर वाले अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया है।

## युवक ने आत्महत्या की

**सुजानगढ़,** (निसं)। गुलेरिया निवासी एक युवक ने आत्महत्या करने का व्हाट्सएप स्टेटस लगाकर छापर रेलवे मार्ग पर ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। रतनगढ़ जीआरपी पुलिस के हैड कांस्टेबल युसूफ खां ने बताया कि गुलेरिया गांव निवासी राजेश नायक ने बुधवार रात अपने मोबाईल पर स्टेटस लगाकर लिखा कि में अपनी मर्जी से खुदकुशी कर रहा हूं। इसलिये मेरे घर वालों व मेरे दोस्तों को कोई परेशान ना करें। मृतक के बडे भाई सुरेश नायक ने बताया कि उसका छोटा भाई घर से खाना खाकर पड़ोस में हो रही शादी में डांस देखने के लिये चला गया था। रात 1 बजे के करीब उसने व्हाट्सएप से सुसाइड करने का स्टेटस लगाया। जिसको देखकर जब वे बाइक से छापर रेलवे ट्रेक की और पहुंचे तो उसका भाई मेड़ता से चूरू जा रही मालगाड़ी के सामने कटकर आत्महत्या कर चुका था।

# देह व्यापार के दलदल से बहनों को बचाने के लिए भटक रही पीड़िता

## नहीं मिल रहा न्याय, एसपी के पास पहुंची पीड़िता

**भीलवाड़ा,** (निसं)। भीलवाड़ा जिले में स्टांप पेपर पर महिलाओं को बेचने का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है बड़ी वजह है पुलिस की संवेदनशीलता। लगातार मामले सामने आने के बाद भी पुलिस ने किसी भी मामले पर प्रभावी कार्रवाई को अंजाम नहीं दिया जिसके चलते देह व्यापार के कारोबारियों के हौसले बुलंद है आज एक बार फिर न्याय के लिए एक पीड़िता दर-दर की ठोकरें खाने के बाद एसपी आदर्श सिद्धू के समक्ष पहुंची है।

अखिल राजस्थान कंजर समाज के बैनर तले पीड़िता ने आज जिला पुलिस अधीक्षक के समक्ष पेश होकर अपनी व्यथा सुनाई है। ज्ञापन में पीड़िता ने बताया कि रजवास गांव मे समाज के ही लोगों द्वारा जबरन 15 साल पहले स्टांप पेपर पर लाखों रुपए का सौदा कर पांच बहनों को राजस्थान के अलग-अलग जिलों में बेच दिया गया था। गत दिनों उक्त पीड़िता समाज के ही कुछ लोगों के दखल के बाद कैसे तेसे से इस दलदल से निकली और 2 महीने से अपनी अन्य बहनों को बचाने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रही है, लेकिन ना तो उसे सरकार ना ही महिला के अधिकारों की बात करने वाले वह संगठन काम आ रहे हैं और ना ही पुलिस कुछ प्रभावी कार्रवाई कर पा रही है। ऐसे में उसने जिला पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। ज्ञापन में समाज के जिलाध्यक्ष भागचंद झंझावात ने बताया पुलिस ने इस मामले में यदि प्रभावी कार्रवाई नहीं की तो समाज सड़क पर उतर कर उग्र आंदोलन करेगा।

## तेज आंधी के साथ हुई बरसात

**बीदासर,** (निसं)। कस्बे में गत कई दिनों से लगातार चल रहे आंधी, बरसात का दौर गुरुवार को भी जारी रहा और बुधवार की अद्धर्रात्रि में तीन बजे बाद तेज धूलभरी आंधी चली और करीब आधे घण्टे बाद तेज हवाओं के साथ बरसात का दौर शुरू हुआ जो गुरुवार की सुबह 6 बजे तक जारी रहा। आंधी और बरसात के दौरान कस्बे की विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई।

## 17 वर्षीय बालक ने फांसी लगाई

**निवाई,** (निसं)। बरोनी थानान्तर्गत गांव नटवाडा में एक 17 वर्षीय बालक ने फांसी के फन्दे से झूलकर आत्महत्या कर ली है। ग्रामीणों की सूचना पर बरोनी थाना अधिकारी हरिराम वर्मा मय जाप्ते के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई।

बरोनी थाना अधिकारी हरिराम वर्मा ने बताया कि मृतक छोटी बहन घर पर मौजूद थी। गुरूवार की सुबह उसने बडे भाई के कमरे की कुन्दी खटखटाई तो दरवाजा नहीं खोला। इसके बाद उसने कमरे की खिडकी पर जाकर देखा तो उसका भाई हरगोविन्द फांसी के फन्दे पर झूलता दिखाई दिया। घटना की जानकारी उसने आसपास के पड़ोसियों को दी। थाना अधिकारी ने बताया कि मृतक हरगोविंद पुत्र लालचंद वाल्मीकि है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। जहां पर चिकित्सकों द्वारा पोस्टमार्टम करवाकर शव को परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।

## ट्रक के पलटने से दो जने घायल

**मनोहरपुर,** (निसं)। थाना इलाके के बिजली ग्रिड के पास दिल्ली से जयपुर की ओर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर गुरुवार सुबह 12 बजे लकड़ियों से भरा एक ट्रक संतुलन खोकर पलट गया। जिससे ट्रक में सवार दो जने गंभीर रूप से घायल हो गए। केबिन में फंसे जहाजपुर भीलवाड़ा निवासी मोतीलाल मीणा और उसका एक साथी को गंभीर रूप से घायल अवस्था में बाहर निकाला।

# दुल्हन व दलाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश

**मदनगंज-किशनगढ़,** (निस)। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या एक ने लुटेरी दुल्हन व दलाल के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करने के आदेश जारी किये हैं।

परिवादी गोपाल बिल्डिंग निवासी कमल विशनानी ने गुहार लगाई कि अजमेर में रहने वाले दलाल विनोद जैन ने ढाई लाख रूपये लेकर यूपी निवासी रोशनी नामक महिला से शादी करा दी, पर युवती नगदी सहित जेवरात चुराकर चंपत हो गई। दलाल के समक्ष दास्ता बंया कर ढाई लाख के अलावा घर से चुराये 40 हजार हजार रूपये के अलावा जेवरात लौटाने को कहा तो टालमटोल रवैया अपनाकर मुकर गया। आखिरकार परिवादी ने एडवोकेट रूपेश शर्मा, पियूष धाभाई व योगेश जैन के जरीये न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत कर तीनों आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की मांग की।

पीड़ित विशनानी ने बताया कि दलाल विनोद जैन व इसकी पत्नी आरती ने झांसे में लेकर ढाई लाख रूपये लेने के बाद रोशनी को अविवाहित बताकर इलाहबाद में विवाह करा दिया। किशनगढ़ आने के पश्चात जालसाज रोशनी ने रूपये मांगना शुरू कर दिया, अन्यथा झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगी। रूपये देने से मना करने पर वह घर से 45 हजार की नगदी सहित सोने चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गई। दलाल से रूपये मांगे तो वह मुकर गया, जिसके चलते अदालत की शरण में जाकर न्याय चाहा।

## युवक की मौत

**रतनगढ़,** (निसं)। खेत मे कृषि कार्य करते समय अचानक तबियत बिगडने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। 45 वर्षीय भगीरथ जाट निवासी चैनपुरा ने गुरुवार को पुलिस को रिपोर्ट दी है कि उसका ताऊ का लड़का 42 वर्षीय सांवरमल जाट पुत्र सहीराम जाट निवासी चेनपुरा कल बुधवार को कृषि कार्य करने खेत गया था, बुधवार शाम खेत मे कृषि कार्य करते समय सांवरमल की अचानक तबीयत बिगड़ गई, बेहोशी की हालत में सांवरमल को रतनगढ़ के जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने भगीरथ की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

# ग्रीष्मावकाश में शिक्षकों से करवाया जा रहा है डोर-टू-डोर सर्वे

## शिक्षक संघ सियाराम ने अजमेर जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया

**अजमेर,** (कासं)। निर्वाचन विभाग द्वारा ग्रीष्मावकाश की छुट्टियों में शिक्षकों से डोर-टू-डोर सर्वे करके मतदाता सूचियों का कार्य करवाने के तुगलकी फरमान को लेकर गुरुवार को राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के बैनर तले शिक्षकों ने जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर शिक्षकों ने निर्वाचन विभाग के मतदाता सूचियों के अपडेशन के लिए डोर टू डोर सर्वे करने के आदेशों को लेकर विरोध जताया और शिक्षकों से सर्वे को उचित नहीं बताते हुए आदेश को वापस लेने की मांग की गई है।

राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के जिला अध्यक्ष माकनलाल माली ने बताया कि शिक्षकों द्वारा वर्ष पर्यंत बीएलओ का कार्य करने के पश्चात भी निर्वाचन विभाग ने एक नया फरमान जारी करके ग्रीष्मावकाश की छुट्टियों में भी डोर टू डोर सर्वे करके मतदाता सूचियों को अपडेशन करने का कार्य सौंप दिया है, जिसके कारण शिक्षक बीएलओ में भारी रोष व्याप्त है। जिला कलेक्ट्रेट पर गुरुवार को प्रदर्शन कर ग्रीष्मावकाश में इस कार्य से मुक्त करने की मांग की गई है। माली ने बताया कि अधिकतर बीएलओ शिक्षक हैं जो अपने घर परिवार से अन्यत्र स्थानों पर पदस्थापित है। इस आदेशों के बाद से शिक्षकों में आक्रोश है।

अजमेर में जिला कलेक्ट्रेट पर शिक्षक व संगठनों के पदाधिकारियों ने प्रदर्शन किया।

जिला अध्यक्ष ने बताया कि शिक्षक ग्रीष्मकालीन अवकाश में ही अपने परिवार के साथ रहकर परिवार सामाजिक दायित्व का निर्वहन करता है। लेकिन ग्रीष्मकालीन अवकाश में शिक्षकों को मतदाता सूचियों के अपडेशन में लगाना उनके साथ अन्याय करना होगा। इसे लेकर सभी शिक्षक गुरुवार को कलेक्ट्रेट पर पहुंचे और अपना विरोध जाहिर कर जिला कलेक्टर भारतीय दीक्षित के जरिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के जरिए शिक्षकों को बीएलओ कार्य से मुक्त करने की मांग की गई है।

शिक्षक संघ सियाराम (लोकतांत्रिक) भी आया शिक्षकों के समर्थन में: शिक्षक संघ सियाराम (लोकतांत्रिक) के प्रदेश प्रवक्ता अनुपम माथुर ने बताया कि शिक्षकों को ग्रीष्मावकाश में भी मतदाता सूचियों के अपडेशन कार्य में झोंक दिया गया है, प्रत्येक बीएलओ शिक्षक चाहता है कि वह भी अपने परिवार के साथ समय व्यतीत कर उनके सुख दुख में अपना योगदान निभा सके, परंतु अब निर्वाचन विभाग के आदेश के तहत उन्हें इन छुट्टियों में भी घर घर जाकर मतदाता सूचियों के अपडेशन का कार्य करना पड़ेगा, जिससे उनमें भारी रोष है। शिक्षक संघ सियाराम लोकतांत्रिक के पीसांगन उपशाखा अध्यक्ष ताहिर खान ने बताया कि वर्ष पर्यंत शिक्षक बीएलओ बनकर निर्वाचन विभाग के कार्य को करता रहता है, जिससे इसका असर सीधे विद्यालय के अध्यापन कार्य पर पड़ता है। जिला उपसचिव दिनेश दत्त का कहना है कि निर्वाचन विभाग में संविदा के आधार पर भर्ती की जानी चाहिए एवं उनसे यह कार्य करवाना चाहिए ताकि शिक्षण व्यवस्था भी सुचारू चलती रहे और निर्वाचन विभाग का कार्य भी अनवरत पूर्ण होता रहे। जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करने वालों में बृजेंद्र शर्मा, प्रदीप अरजानी, प्रदीप दीक्षित, महेंद्र कुमार, निशारानी, आशा अग्रवाल, मंजू, विनोद, मीनू शर्मा, हेमलता भट्ट, प्रदीप श्रीवास्तव, मनोज वैष्णव, पिंकी गोस्वामी सहित शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी और शिक्षक शामिल रहे।

- मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन, आदेश वापस लेने की मांग

# ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर जा रहे किसान पर बजरी माफिया का आरोप लगाया

**माण्डलगढ़,** (निसं)। बीगोद थाने के सहायक उप निरीक्षक ने अपने बड़े अफसरों को खुश करने के लिए खाली ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर जा रहे एक किसान को जबरन पकड़ कर बजरी माफिया का केस जड़ दिया और दो घण्टे तक पुलिस थाने में बैठाकर सात हजार की रंगदारी वसूल कर छोड़ने का मामला सामने आया है। इस मामले को लेकर पीड़ित किसान ने पुलिस के उच्चाधिकारियों को शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है।

जानकारी के अनुसार गत 27 मई को सभी थाना क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के निर्देश थे, कि अवैध बजरी खनन व परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए अधिक से अधिक सख्त कार्रवाई की जाए। यह सूचना लीक होने से माण्डलगढ़, काछोला, बिजौलियां व बीगोद थाना क्षेत्र में अवैध खनन व परिवहन पूर्णतया बन्द हो गया। पुलिस को कहीं पर भी बजरी भरा वाहन नहीं मिला। इस अभियान में बीगोद थाना पुलिस नाकाम होती नजर आई तो बीगोद थाना क्षेत्र जोर का खेड़ा निवासी किसान गोपाल माली ट्रैक्टर ट्रॉली में परिवार सहित खेत पर जा रहा था। इस दौरान थाने का एएसआई पुलिस टीम के साथ नंदराय रोड़ पर गश्त कर रहा था। किसान गोपाल को ट्रैक्टर ट्रॉली समेत पकड़ कर थाने लाकर बन्द कर दिया।

थाने के एएसआई सुरेश कुमार साहू ने किसान को प्रताड़ित किया और पीड़ित गोपाल माली को छोड़ने की एवज में 15 हजार रुपए राशि की माँग की। पीड़ित को कोलाहल एक्ट में फौरी कार्रवाई कर ट्रैक्टर ट्रॉली छोड़ने की बात कही। पीड़ित किसान ने अपने परिचित से 7 हजार रुपए मंगाए। एएसआई साहू ने पीड़ित किसान से 7 हजार की रंगदारी वसूल कर उसे छोड़ दिया। दूसरे दिन पीड़ित किसान ट्रैक्टर ट्रॉली लेने पुलिस थाने पहुंचा तो पुलिस ने अवैध बजरी परिवहन का मुकदमा दर्ज कर ट्रैक्टर जब्त होना बताया। यह सुनकर किसान की पैरों तले जमीन खिसक गई।

पीड़ित किसान ने बीगोद कस्बे के बाजार में सीसीटीवी कैमरे खंगाले, जिसमें उसके पकड़े गए ट्रैक्टर ट्रॉली में कहीं बजरी भरी नहीं होने के फुटेज नजर आए। सीसीटीवी फुटेज में ट्रैक्टर ट्रॉली को नंदराय सड़क मार्ग से एक पुलिसकर्मी चला कर थाने ले कर आता नजर आया। निर्दोष पीड़ित किसान ने सीसीटीवी वीडियो के आधार पर उच्चाधिकारियों को शिकायत की। पीड़ित किसान ने ट्रैक्टर ट्रॉली को थाने में लाकर बजरी भरने का आरोप पुलिस पर लगाया है।

- एएसआई ने 7 हजार की रंगदारी वसूल कर किसान को छोड़ा
- पीड़ित किसान ने बीगोद कस्बे के बाजार में सीसीटीवी कैमरे खंगाले, जिसमें उसके पकड़े गए ट्रैक्टर ट्रॉली में कहीं बजरी भरी नहीं होने के फुटेज नजर आए
- मामले को लेकर किसान ने पुलिस के उच्चाधिकारियों को शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई

माण्डलगढ़ डीएसपी कीर्ति सिंह ने बताया कि पीड़ित किसान गोपाल माली की शिकायत मिली हैं, जिसकी जांच की जा रही हैं। वहीं थाने के एएसआई सुरेश साहू ने बताया कि गोपाल माली द्वारा लगाए गए आरोप गलत एवं तथ्यहीन हैं। गोरतलब है कि एएसआई सुरेश साहू वर्षों से अपने गृह थाना क्षेत्र में तैनात हैं। पिछले वर्ष 4 फरवरी को भी अमरगढ़ पुलिस चौकी में बजरी भरे जब्त ट्रैक्टर को छोड़ने के मामले दोषी पाए जाने पर सस्पेंड हो चुका है।

इस संबध में थाना प्रभारी मूलचंद वर्मा ने बताया कि ट्रैक्टर ट्रॉली को नंदराय गांव की तरफ से अवैध बजरी परिवहन मामले में पकड़ा था। मौक़े पर ट्रेक्टर चालक पुलिस को देख ट्रैक्टर से बजरी डंप कर भागने लगा। जिसे पुलिस ने जब्त किया है और खनिज विभाग की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

हम पिछली दो पराजयों को भुलाकर उतरेंगे। अभी हमें छह मैच और खेलने हैं और हमें पता है कि फिनिशिंग और बेसिक्स पर फोकस करने से हम फिर से शीर्ष पर पहुंच सकते हैं।

– हरमनप्रीत सिंह

भारतीय हॉकी कप्तान, एफआईएच हॉकी प्रो. लीग के अगले मुकाबले को लेकर।

# खेल जगत

## आज का खिलाड़ी ▶ लियोनेल मेसी



**फ्रांस** की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग की टीम पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के कोच क्रिस्टोफ गैल्टर ने गुरुवार को कहा कि दिग्गज लियोनेल मेसी इस सत्र के आखिरी से क्लब से अलग हो जायेंगे। मेसी पिछले दो साल से इस क्लब के साथ है। गैल्टर ने शनिवार को क्लेरमोंट के खिलाफ खेले जाने वाले पीएसजी मैच से पहले कहा कि पार्स डेस प्रिंसेस में यह मेसी का आखिरी मैच होगा। गैल्टर ने कहा, "मुझे फुटबॉल के इतिहास के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को कोचिंग देने का सौभाग्य मिला। पार्स डेस प्रिंसेस में यह उनका आखिरी मैच होगा।

क्या आप जानते हैं ?... ट

## धोनी के घुटने का मुंबई में सफल ऑपरेशन : विश्वनाथ

नयी दिल्ली, 1 जून। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के बायें घुटने का बृहस्पतिवार को मुंबई के एक अस्पताल में सफल आपरेशन हुआ जिससे उनके अगले साल इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने की संभावना प्रबल हो गई है। चेन्नई सुपर किंग्स को पांचवां आईपीएल खिताब दिलाने वाले धोनी सोमवार को फाइनल के बाद अहमदाबाद से सीधे मुंबई पहुंचे थे । उन्होंने मशहूर खेल आर्थोपीडिक सर्जन डॉक्टर दिनशॉ पर्डीवाला से सलाह ली जो बीसीसीआई की मेडिकल पैनल में भी हैं । वह ऋषभ पंत समेत कई भारतीय क्रिकेटरों की सर्जरी कर चुके हैं । सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथ ने बताया ,"धोनी के घुटने का कोकिलाबेन अस्पताल में सफल आपरेशन हो गया है । वह ठीक है और आपरेशन सुबह ही हुआ है । मेरे पास विस्तृत जानकारी नहीं है । अभी मुझे इसका ब्यौरा मिलना बाकी है ।" इससे पहले सीएसके प्रबंधन के एक करीबी सूत्र ने बताया ," एक या दो दिन में उन्हें छुट्टी मिल जायेगी । वह कुछ दिन आराम करेंगे जिसके बाद उनका रिहैबिलिटेशन शुरू होगा । उम्मीद है कि अगले आईपीएल से पहले उनके पास फिट होने का पूरा समय रहेगा ।'

## सेविला ने रोमा को हराकर यूरोपा लीग का खिताब जीता

बुडापेस्ट, 1 जून। विश्व कप फाइनल में अर्जेन्टीना की ओर से निर्णायक पेनल्टी को गोल में बदलने के बाद गोंजालो मोंटिएल ने बुधवार को यहां एक बार फिर पेनल्टी पर गोल दागकर सेविला को यूरोपा लीग फुटबॉल फाइनल में रोमा पर जीत दिलाई। सेविला का यह सातवां यूरोपा लीग खिताब है। बुडापेस्ट में अतिरिक्त समय के बाद भी मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहने के बाद पेनल्टी शूट आउट में सेविला ने 4-1 से जीत दर्ज की। रोमा के लिए जियानलुका मेनसिनी और रोजर इबानेज गोल करने में नाकाम रहे। मोंटिएल पहले प्रयास में गोल करने से चूक गए थे ।

## प्रीमियर हैंडबॉल लीग की शुरुआत 8 जून से

जयपुर, 1 जून। प्रीमियर हैंडबॉल लीग (पीएचएल) के उद्घाटन सीजन की शुरुआत आठ जून को महाराष्ट्र आयरनमेन और राजस्थान पैट्रियट्स के बीच मुकाबले से होगी। आयोजकों ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। भारत में पहली बार आयोजित की जा रही इस बहुप्रतीक्षित लीग के मैच जयपुर के सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में खेले जाएंगे। लीग में छह टीमें 30 मैचों वाले राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी। इसके बाद पहले सीजन के चैंपियन का फैसला करने के लिए तीन नॉकआउट मैच होंगे। इस बहुप्रतीक्षित लीग में राजस्थान पैट्रियट्स, गर्वित गुजरात, महाराष्ट्र आयरनमेन, गोल्डन ईगल्स उत्तर प्रदेश, दिल्ली पैंजर्स और तेलुगु टैलन्स सहित छह टीमें हिस्सा लेंगी। राजस्थान पैट्रियट्स और महाराष्ट्र आयरनमेन के बीच होने वाले मुकाबले के बाद तेलुगु टैलन्स दिन के दूसरे मैच में गर्वित गुजरात के खिलाफ उतरेंगे।

# जॉर्ज, लक्ष्य शीर्ष-आठ में, सात्विक-चिराग हारे

बैंकॉक, 1 मई। भारत के युवा प्रतिभावान शटलर किरण जॉर्ज और लक्ष्य सेन ने थाईलैंड ओपन में अपना विजय अभियान आगे बढ़ाते हुए गुरुवार को टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। जॉर्ज ने मात्र 39 मिनट चले पुरुष एकल प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबले में चीन के वेंग होंग यांग को 21-11, 21-19 से मात दी। यांग ने पहले चरण में भारत के किदांबी श्रीकांत को हराया था। जॉर्ज अब क्वार्टरफाइनल में फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव से भिड़ेंगे।

जॉर्ज ने अपने करियर में पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने वर्ल्ड टूर को फाइनल्स, सुपर 1000, सुपर 750, सुपर 500 और सुपर 300 सहित छह दर्जों में बांटा है। सुपर 500 बीडब्ल्यूएफ की रैंकिंग व्यवस्था में ग्रेड-2 टूर्नामेंट है। दूसरी ओर, लक्ष्य ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी चीन के ली शी फेंग को 21-15, 21-17 से हराया है। यह फेंग के खिलाफ सात मुकाबलों में लक्ष्य की चौथी जीत है, जबकि चीनी शटलर ने तीन बार बाज़ी मारी है। अगले चरण में लक्ष्य का सामना मलेशिया के लियोंग जून हाओ से होगा।




इसी बीच, सात्विक चिराग रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी इंडोनेशिया के मौलाना बगस और मुहम्मद शुहैबुल फिक्री से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए, जबकि महिला एकल में साइना नेहवाल और अश्मिता चालिहा को भी हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में नंबर चार पर काबिज सात्विक चिराग की जोड़ी को 62 मिनट चले कड़े मुकाबले में 14वीं रैंक वाली इंडोनेशियाई जोड़ी के हाथों 26-24, 11-21, 17-21 की हार मिली। अश्मिता अपने महिला एकल प्री-क्वार्टरफाइनल में स्पेन की कैरोलीना मरीन से 18-21, 13-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गयीं। चीन की ही बिंग जियाओ ने साइना को 21-11, 21-14 से परास्त किया।

# फ्रेंच ओपन : जेपियेरी को हराकर तीसरे दौर में रूड

पेरिस, 1 जून। नॉर्वे के कैस्पर रूड ने गुरुवार को यहां इटली के गिउलियो जेपियेरी को 6-3, 6-2, 4-6, 7-5 से हराकर फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। कोर्ट फिलिप-चैटरियर पर खेले गये मुकाबले में चौथी सीड रूड ने मजबूत शुरुआत की, लेकिन तीसरे सेट में खराब प्रदर्शन के कारण उन्होंने जेपियेरी को वापसी का मौका दिया।

जेपियेरी तीसरा सेट जीतने के बाद ऊर्जा से भर गये और चौथे सेट के शुरुआती दो गेम तेजी से जीत लिये। वह हालांकि जल्द ही गलती कर बैठे और रूड ने 2-2 पर बराबरी कर ली। रूड ने जेपियेरी की सर्विस तोड़ने के बाद 3-2 की बढ़त बना ली, लेकिन इतालवी खिलाड़ी ने भी हार नहीं मानी और दो बेहतरीन फोरहैंड शॉट खेलकर स्कोर 5-5 पर बराबर कर लिया। रूड ने अंततः जेपियेरी की सर्विस तोड़ दी और लगातार दो पॉइंट अर्जित करते हुए सेट 7-5 से जीत लिया।

इसी बीच, फ्रांस के गैल मोनफिल्स ने कलाई की चोट के कारण डेनमार्क के होल्गर रूने को वॉकओवर दे दिया। पुरुष वर्ग में रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डि मिनौर को अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी ने 6-3, 7-6, 6-3 से हराया।

# आईपीएल में ही ड्यूक से अभ्यास शुरू कर दिया था : अक्षर पटेल

पोर्ट्समाउथ, 1 मई। भारतीय हरफनमौला अक्षर पटेल ने खुलासा किया है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल को ध्यान में रखते हुए भारतीय गेंदबाजों ने आईपीएल के दौरान ही ड्यूक की गेंद से अभ्यास शुरू कर दिया था।

सात जून से होने वाले खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया का सामना करने के लिये अधिकतर भारतीय खिलाड़ी आईपीएल खेलकर आ रहे हैं। भारत ने आईपीएल से पहले चार मैचों की टेस्ट शृंखला में भी ऑस्ट्रेलिया का सामना किया था, हालांकि वहां एसजी गेंद का प्रयोग किया गया था जबकि डब्ल्यूटीसी फाइनल में ड्यूक की गेंद इस्तेमाल होगी। अक्षर ने आईसीसी की ओर से जारी एक वीडियो में कहा, हमें इसके (ड्यूक गेंद के प्रयोग) बारे में आईपीएल की शुरुआत से ही पता था। इसलिये आईपीएल के दौरान भी यह चर्चा हुई थी कि हम लाल गेंद से अभ्यास करेंगे। हमारे पास लाल गेंदें थीं तो हम उनका प्रयोग कर रहे थे। आप जानते हैं कि कब और कैसे खेलना है, आपके पास कितना समय है। सफेद गेंद से लाल गेंद की ओर प्रस्थान करना आसान नहीं है लेकिन हमारे पास पर्याप्त समय है।

उन्होंने कहा, हम सफेद गेंद से लाल गेंद की ओर प्रस्थान करते हैं। एसजी को ड्यूक्स से बदलना भी उसी तरह है। आपको अपनी प्रतिभा और कौशल का इस्तेमाल करना होता है। अपनी योजनाओं को लागू करते हुए गेंदबाजी में लय ढूंढने की जरूरत होती है। गेंद जो भी हो, अगर आप सही गेंदबाजी करेंगे तो सफलता मिलेगी। क्योंकि मैच इंग्लैंड में है, हम अपनी लाइन-लेंथ को लेकर योजनाएं बना रहे हैं।

## फ्रेंच ओपन : युकी-साकेत दूसरे दौर में, बोपन्ना-एबडेन हारे

पेरिस, 1 जून। युकी भांबरी और साकेत माइनेनी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने बुधवार को यहां फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में आर्थर रिंडरनेक और एंजो सोसाउद की फ्रांस की जोड़ी को सीधे सेट में हराया। इस साल जनवरी में बैंकॉक ओपन चैलेंजर जीतने वाले युकी और साकेत ने अपने शुरुआती मैच में आर्थर और एंजो को 64 मिनट में 6-3, 6-2 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। हालांकि भारत के स्टार खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन पहले दौर की बाधा पार करने में नाकाम रहे। इस जोड़ी को सादियो डोंबिया और फैबियन रेबोल की फ्रांस की जोड़ी के खिलाफ 5-7 6-7 (5-7) से हार का सामना करना पड़ा। बीएनपी परिबास ओपन और कतर ओपन में जीत के अलावा इस साल मैड्रिड ओपन के फाइनल में पहुंची भारत और ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी ने पांच मैच प्वाइंट बचाए लेकिन फ्रांस की जोड़ी को जीत दर्ज करने से नहीं रोक पाए। एन श्रीराम बालाजी और जीवन नेदुनचेझियान की जोड़ी भी पहले दौर में बेलारूस के इल्या इवाश्का और ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपिरिन से 3-6 4-6 से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गयी।

# प्रदर्शनकारी पहलवानों के मुद्दे से संवेदनशीलता के साथ निपट रहा है केंद्र : ठाकुर

मुंबई, 1 जून। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को कहा कि कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी पहलवानों के मुद्दे से केंद्र सरकार संवेदनशील तरीके से निपट रही है।

ठाकुर ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार ने जांच के लिए समिति के गठन की पहलवानों की मांग स्वीकार कर ली है और जांच चल रही है। साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और संगीता फोगाट सहित ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के कई पदक विजेता पहलवान बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग के साथ नयी दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे। बृजभूषण पर एक नाबालिग सहित कई महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। पहलवानों ने हाल में अपने पदक गंगा में बहाने की धमकी दी थी।

ठाकुर ने कहा, "सरकार प्रदर्शनकारी पहलवानों के मुद्दे से संवेदनशीलता के साथ निपट रही है। पहलवानों ने प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी जो दिल्ली पुलिस ने किया है। भारतीय कुश्ती महासंघ ने प्रशासकों की समिति का गठन किया है क्योंकि उन्होंने मांग की थी कि पदाधिकारियों को संचालन करने की स्वीकृति नहीं दी जाए।"

उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने पहलवानों को मजिस्ट्रेट अदालत में जाने को कहा है। बुधवार को ठाकुर ने विरोध करने वाले पहलवानों को ऐसा कोई कदम नहीं उठाने के लिए कहा जो खेल या खिलाड़ियों को नुकसान पहुंचाए। उन्होंने कहा कि आरोपों की जांच पूरी होने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पहलवानों से धैर्य रखने और शीर्ष अदालत में विश्वास रखने का भी आग्रह किया था।

## दोनों टीमों के लिए स्मिथ और कोहली को जल्दी आउट करना अहम होगा : फिंच

लंदन, 1 जून। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच का मानना है कि सात जून से द ओवल में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में भारत के लिए स्टीव स्मिथ और ऑस्ट्रेलिया के लिए विराट कोहली का विकेट जल्दी चटकना सफलता के लिए अहम होगा। फिंच ने स्टार स्पोर्ट्स ने कहा, " दोनों (कोहली और स्मिथ) चौथे क्रम पर बल्लेबाजी करते है ऐसे में सफलता के लिए दोनों को जल्दी आउट करना अहम होगा। अगर टीमें शुरुआती विकेटों को जल्दी लेने में सफल रही तो नयी गेंद से इन अनुभवी बल्लेबाजों को परेशान किया जा सकता है। मैंने हमेशा स्मिथ के साथ क्रिकेट खेला है, मुझे लगता है कि उसका रिकॉर्ड शानदार है लेकिन यह काफी अच्छा मुकाबला होगा।" उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया की प्रतिद्वंद्विता दोनों टीमों के खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ करने के लिए प्रेरित करती है।

# डब्ल्यूटीसी फाइनल में पोंटिंग को गिल से प्रदर्शन की उम्मीद

दुबई, 1 मई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग का मानना है कि शानदार फॉर्म में चल रहे युवा प्रतिभावान बल्लेबाज शुभमन गिल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भारत के लिये महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। पॉन्टिंग ने आईसीसी की रिव्यू पॉडकास्ट पर कहा, ऑस्ट्रेलियाई टीम विराट के बारे में बात कर रही होगी, इसमें कोई संदेह नहीं। फिर वे पुजारा के बारे में भी बात करेंगे। लेकिन वह (शुभमन गिल) शानदार खिलाड़ी है। गिल को भारत ऑस्ट्रेलिया के बीच इस साल की शुरुआत में खेली गयी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के अंतिम दो टेस्ट मैचों के लिये टीम में शामिल किया गया था। उन्होंने



सीरीज के आखिरी टेस्ट में 128 रन की शतकीय पारी खेलकर डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिये अपनी दावेदारी पेश की थी। चोटग्रस्त केएल राहुल के खिताबी मुकाबले से बाहर होने के बाद इस मैच में गिल का खेलना लगभग तय हो चुका है। पॉन्टिंग ने गिल के बारे में कहा, उसके अंदर टशन, एक 'स्वैग' है। वह उच्च दर्जे का खिलाड़ी है। वह तेज गेंदबाजों के खिलाफ जिस तरह फ्रंट फुट पर बाउंसर खेलता है, ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के खिलाफ उसे इस शॉट की जरूरत होगी। पॉन्टिंग ने कहा कि गिल के अलावा विराट कोहली और चेतेश्वर पुजारा का अनुभव भी ऑस्ट्रेलिया के लिये एक बड़ी चुनौती होगा।

# यूटीटी का ड्राफ्ट आज

मुंबई, 1 जून। अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के सीजन चार से पहले खिलाड़ियों का ड्राफ्ट शुक्रवार को यहां नेशनल स्पोर्ट्स क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित किया जाएगा। ड्राफ्ट प्रणाली के तहत यूटीटी की छह टीमें 40 खिलाड़ियों से अपनी पसंद के छह खिलाड़ियों को चुनेंगी। नीलामी प्रणाली के विपरीत, ड्राफ्ट में सभी टीमों को एक एक करके अपने खिलाड़ी चुनने का मौका दिया जाएगा।

ड्राफ्ट आयोजन में यूटीटी की सह-प्रवर्तक विता दानी, भारतीय टेबल टेनिस संघ के महासचिव कमलेश मेहता, फ्रेंचाइजी मालिक, और भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल, मणिका बत्रा, मानव ठक्कर और दीया चितले शामिल होंगे।

उल्लेखनीय है कि 40 खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में से शरत कमल (चेन्नई लायंस), सत्यन ज्ञानशेखरन (दबंग दिल्ली), मणिका (बेंगलुरु स्मैशर्स) और मानव (यू मुंबा) सहित चार खिलाड़ियों को पहले ही टीमों द्वारा चुन लिया गया है।

प्रत्येक टीम एक पुरुष और एक महिला सहित दो विदेशी खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल कर सकेगी। इसके अलावा चार भारतीय खिलाड़ियों में दो पुरुष और दो महिलाएँ होंगी। सिर्फ गोवा चैलेंजर्स और पुनेरी पलटन को प्लेयर ड्राफ्ट के पहले राउंड में खिलाड़ी चुनने की आजादी होगी।

ड्राफ्ट पूल में शीर्ष अंतरराष्ट्रीय और भारतीय पैडलर्स सहित विविध प्रकार की प्रतिभाएं शामिल हैं। जिन विदेशी खिलाड़ियों पर नजर रहेगी उनमें नाइजीरिया के कादरी अरुणा (विश्व रैंकिंग 16), स्पेन के अल्वारो रॉबल्स (विश्व रैंकिंग 43) और अमेरिका की लिली झांग (विश्व रैंकिंग 24) शामिल हैं।

ड्राफ्ट में श्रीजा अकुला, हरमीत देसाई, अंडर-19 राष्ट्रीय चैंपियन पायस जैन, दीया चितले, एस फिदेल, आर स्नेहित और अंकुर भट्टाचार्जी जैसी भारतीय प्रतिभाएं भी शामिल होंगी। यूटीटी का आयोजन पुणे के बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 13 से 30 जुलाई तक किया जाएगा।

## काटली नदी से अतिक्रमण नहीं हटाए तो हाजिर हों इसके जिम्मेदार अधिकारी : हाईकोर्ट

**जयपुर, (का.सं.)।** राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेशों के बाद भी झुंझुनूं के नाटास गांव के पास की काटली नदी में 800 बीघा जमीन से अतिक्रमण नहीं हटाने पर नाराजगी जताई है। वहीं अदालत ने कहा है कि नदी में जितने भी कच्चे व पक्के अतिक्रमण हैं, उन्हें नहीं हटाया तो इसमें लापरवाही बरतने वाले अफसर 4 जुलाई को व्यक्तिगत तौर पर हाजिर हों। अदालत ने अफसरों से पूछा है कि क्यों ना उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए। जस्टिस अशोक कुमार गौड और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश सुमित्रा की अवमानना याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता धर्मवीर ठोलिया और अधिवक्ता हिमांशु ठोलिया ने बताया कि काटली नदी की जमीन करीब 1700 बीघा है। इसमें करीब 800 बीघा जमीन पर अतिक्रमण है। अतिक्रमण करने में नाटास सरपंच के परिजनों सहित अन्य रसूखदार लोग भी शामिल हैं। इससे नदी के बहाव क्षेत्र में पानी नहीं आता व नदी सूखी रहती है।

# भ्रष्टाचार की जांच की पायलट की मांग पर डोटासरा का पलटवार

## डोटासरा ने कहा, 'कौन कहता है कि जांच नहीं होती? मामले आते हैं तो एफआईआर भी होती है, सब पर कार्रवाई होती है'

**'हम सब एकजुट हैं साथ मिलकर लड़ेंगे, डोटासरा हो या फिर पायलट सभी आलाकमान के सिपाही, जो फैसला करता है वो सबको मान्य'**

**जयपुर, (का.प्र.)।** पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने साफ कर दिया है वो भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अडिग रहने की बात करने के बाद गुरुवार को जयपुर में अपने समर्थकों से मुलाकात की। हालांकि अभी भी उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया है कि उनका अगला कदम क्या होगा। दूसरी ओर पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी अपने समर्थकों से पीसीसी में मुलाकात के बाद पायलट के बयान पर प्रतिक्रिया दी। डोटासरा ने सचिन पायलट की ओर से बीजेपी राज के भ्रष्टाचार पर कार्यवाही की मांग पर कहा "कौन कहता है कि जांच नहीं होती। जांच तो होती रहती है। जो मामले आते हैं तो एफआईआर भी होती है, सब पर कार्रवाई होती है। कोई ऐसा कैसे कह सकता है कि कार्रवाई नहीं होती?"

इसी के साथ डोटासरा ने कहा, "सचिन पायलट ने जो बयान दिया है वो भाजपा के खिलाफ है। सचिन पायलट ने साफ कहा कि भाजपा सुशासन देने और भ्रष्टाचार रोकने में नाकाम रही है। पायलट ने 101 फीसदी यह कहा है कि भाजपा आज पूरी तरह से फेल हो चुकी है। केवल सचिन पायलट ही नहीं, बल्कि हम सभी यही कह रहे हैं कि पूर्ववर्ती वसुंधरा सरकार और वर्तमान की मोदी सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबी है।"

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने पायलट के बयानों को लेकर कहा कि उन्होंने तो यह भी सुना है कि सचिन पायलट कहते हैं कि राजस्थान में विपक्ष नाम की कोई चीज नहीं है, लेकिन इन बातों पर कोई बात नहीं करता है। डोटासरा ने कहा कि हम सब एकजुट हैं और एक साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। चाहे गोविंद डोटासरा हो या फिर सचिन पायलट सभी आलाकमान के सिपाही हैं और आलाकमान जो फैसला करता है वो सब को मान्य होता है। उन्होंने कहा कि पिछली वसुंधरा सरकार हो या वर्तमान की मोदी सरकार हम सभी चिल्ला चिल्लाकर कह रहे हैं कि वो भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबी हुई है। उन्होंने कहा कि पिछली वसुंधरा सरकार भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबी हुई थी, इसीलिए जनता ने उन्हें सत्ता से हटाकर कांग्रेस की सरकार बनाई। इसके साथ ही उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार की जांच को लेकर साफ कहा कि जांच तो हर मामले पर होती है और वर्तमान कांग्रेस सरकार के समय में बड़े-बड़े आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को भी अंदर किया गया है। ऐसे में किसी को भी भ्रष्टाचार के मामलों में बख्शा नहीं जाएगा और सभी के खिलाफ कार्रवाई होगी।

## दंडादेश का प्रभाव आरोप पत्र जारी होने की तिथि से मान्य

**जयपुर, (का.सं.)।** राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने रेंजर की वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने के आधार पर पदोन्नित से वंचित करने के मामले में कहा है कि कर्मचारी के खिलाफ दंडादेश का प्रभाव आरोप पत्र जारी होने की तिथि से माना जाता हैं। वहीं पदोन्नित के लिए रिक्त वर्ष से पूर्ववर्ती सात साल का सेवा रिकॉर्ड देखा जाता है।

## अंतर्राष्ट्रीय बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप के लिए चयन ट्रॉयल गोवा में

उज्जैन, 1 जून। अंतरराष्ट्रीय बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप के लिये भारतीय टीम के चयन ट्रायल गोवा में तीन और चार जून को आयोजित किये जायेंगे। भारतीय बॉडी बिल्डर संघ ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

राज्य शरीर सौष्ठव संस्था मध्य प्रदेश के अध्यक्ष एवं पूर्व मिस्टर इंडिया जितेंद्र सिंह कुशवाहा और महासचिव अतिन तिवारी ने बताया कि चयन स्पर्धा का आयोजन मनोहर परिक्कर इंडोर स्टेडियम में होगा। यह चयन ट्रायल 13वीं दक्षिण एशिया और 55वीं एशिया चैंपियनशिप के लिये भी मान्य होंगे।

### अल्पसंख्यक छात्रावास के खिलाफ राज्यपाल को ज्ञापन

# प्रताप नगर में भूमि आवंटन के विवाद ने तूल पकड़ा

**जयपुर।** सांगानेर स्थित प्रताप नगर के हिंदू बहुल आबादी क्षेत्र में आवासन मंडल द्वारा अल्पसंख्यक छात्रावास के लिए भूमि आवंटित किए जाने का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। सांगानेर-प्रताप नगर में धरना-प्रदर्शन और ऐतिहासिक बंद के बाद सांगानेर बचाओ संघर्ष समिति ने राज्यपाल कलराज मिश्र को ज्ञापन देकर आवंटन निरस्त करवाने की मांग की गई।

संघर्ष समिति के अध्यक्ष अर्जुन सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में समिति संरक्षक दुष्टदमन सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता राजीव चौहान, श्रीप्रकाश तिवाड़ी, प्रताप राव और डॉ. गोपाल शर्मा ने राज्यपाल से मुलाकात कर अनुचित तरीके से अल्पसंख्यक छात्रावास को किए गए भूमि आवंटन को तत्काल निरस्त करवाकर क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने का आग्रह किया। राज्यपाल को दिए गए ज्ञापन में समिति के प्रतिनिधि मंडल ने बिंदुवार विषय को स्पष्ट करते हुए बताया कि आवंटन क्षेत्र द्रव्यवती नदी के किनारे स्थित है। सुप्रीम कोर्ट ने अब्दुल रहमान बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान के बहुचर्चित प्रकरण में 2 अगस्त, 2004 को निर्णय दिया कि नदी-नाला जलागम क्षेत्र में किसी भी तरह का निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता है। 15 अगस्त, 1947 के बाद किए गए ऐसे सभी आवंटन को शीर्ष अदालत अवैध घोषित कर चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद आवासन मंडल द्वारा नदी के समीपस्थ क्षेत्र में अल्पसंख्यक छात्रावास के लिए भूमि आवंटन किया जाना कानूनी दृष्टि से भी अनुचित है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भी जगपाल सिंह एवं अन्य बनाम पंजाब राज्य और अन्य में 28 जनवरी, 2011 को एक निर्णय पारित किया गया। जिसमें चारागाह भूमि, जोहड़ पायतान और तालाबों की भूमि पर किए गए आवंटन, नियमन, निरस्त फरमाए गए हैं। ऐसे में प्रताप नगर में अल्पसंख्यकों के लिए आवंटित छात्रावास का आवंटन इस निर्णय के प्रभावानुसार निरस्त करने योग्य है।

ज्ञापन में कहा गया है कि पूर्व में सांगानेर तहसील के मानसरोवर में अल्पसंख्यक छात्रावास के लिए जमीन आवंटित की जा चुकी है। वहां पर छात्रावास संचालित है। ऐसे में कुछ ही दूरी पर अल्पसंख्यक वर्ग को 2 बार भूमि आवंटित किया जाना नैतिक दृष्टि से भी अनुचित है। अतः इस नए आवंटन को निरस्त किया जाना जनहित में उचित होगा। इस तरह आवासन मंडल की ओर से किए गए इस भूमि आवंटन में कानूनी और वैधानिक पहलुओं को ध्यान में नहीं रखा गया है। संघर्ष समिति की ओर से राज्यपाल के ध्यान में लाया गया कि यह क्षेत्र सांप्रदायिक दृष्टि से भी अति संवेदनशील है।

## डीओआईटी के निलंबित संयुक्त निदेशक को जमानत नहीं

**जयपुर, (का.सं.)।** एसीबी मामलों की विशेष अदालत महानगर प्रथम ने योजना भवन के बेसमेंट में रखी अलमारी से करीब 2.31 करोड़ रुपए नकद व करीब 1 किलो सोने के बिस्किट बरामद करने से जुड़े मामले में डीओआईटी के निलंबित संयुक्त निदेशक वेदप्रकाश की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि आरोपी पर गंभीर आरोप हैं और मामले में अनुसंधान लंबित है। ऐसे में आरोपी को जमानत का लाभ नहीं दे सकते। आरोपी की ओर से जमानत अर्जी में कहा गया कि अलमारी में रखी नगदी व सोने से उसका कोई संबंध नहीं है। अलमारी खोलने के लिए उससे चाबी नहीं ली है बल्कि ताला तोडा है। कोई भी अफसर इतनी राशि ऑफिस में क्यों रखेगा। उसे मामले में झूठा फंसाया है। इसलिए उसे जमानत दी जाए। वहीं एसीबी ने जमानत देने का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी की अलमारी से बडी राशि बरामद हुई है और प्रकरण में अनुसंधान लंबित है। एसीबी पता लगा रही है कि आरोपी ने इतनी बड़ी रकम रिश्वत के तौर पर किस-किससे ली थी और इसमें उसके साथ कौन अफसर व कर्मचारी शामिल रहे हैं। वहीं एसीबी टेंडर देने वाली कंपनियों के प्रतिनिधियों से भी पूछताछ कर रही है। ऐसे में आरोपी को जमानत नहीं दी जाए। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनकर आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी। गौरतलब है कि योजना भवन के बेसमेंट में आरोपी वेदप्रकाश यादव की अलमारी से 19 मई को 2.31 करोड रुपए नगद व एक किलो सोना मिला था। वहीं जांच में दोषी पाए जाने पर 21 मई को अशोक नगर एसएचओ ने यादव के खिलाफ केस दर्ज करवाया था।

# भारत के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया को द ओवल में खराब रिकॉर्ड की चिंता

मेलबर्न, 1 जून। भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की तैयारी कर रही ऑस्ट्रेलिया की टीम द ओवल पर अपने पिछले खराब रिकॉर्ड को भुलाकर नई शुरुआत करना चाहेगी।

इंग्लैंड में 140 से अधिक वर्षों के टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड द ओवल में सबसे खराब रिकॉर्ड में से एक है। यही मैदान सात से 11 जून तक भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच डब्ल्यूटीसी फाइनल की मेजबानी करेगा।

इंग्लैंड में 1880 में पहला टेस्ट मेजबान और ऑस्ट्रेलिया के बीच द ओवल में ही खेला गया था। ऑस्ट्रेलिया की टीम दक्षिण लंदन के इस मैदान पर 38 टेस्ट में केवल सात ही जीत दर्ज कर पाई है। इस मैदान पर टीम की सफलता का प्रतिशत 18.42 है जो पूरे इंग्लैंड में सबसे खराब है।

ऑस्ट्रेलिया पिछले 50 वर्षों में द ओवल में सिर्फ दो बार जीता है। दूसरी तरफ उन्होंने लॉर्ड्स में 29 मैच में 43.59 प्रतिशत की सफलता दर से 17 जीत हासिल की है जो मेजबान इंग्लैंड की 141 मैच में 39.72 प्रतिशत और दक्षिण अफ्रीका की 33.33 प्रतिशत की सफलता दर से बेहतर है।

हेडिंग्ले में ऑस्ट्रेलिया की सफलता का प्रतिशत 34.62, ट्रेंट ब्रिज में 30.43 और ओल्ड ट्रैफर्ड तथा एजबस्टन में क्रमशः 29.03 और 26.67 प्रतिशत है।

दूसरी तरफ इस स्थल पर भारत का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। टीम ने दो जीत दर्ज की है और पांच मुकाबले हारे हैं जबकि सात टेस्ट ड्रॉ रहे। लेकिन रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम 2021 में यहां इंग्लैंड पर 157 रन की जीत से आत्मविश्वास से भरी होगी जो 40 वर्षों में इस स्थल पर टेस्ट मैच में उसकी पहली जीत थी।

'क्रिकेट.कॉम.एयू' के अनुसार ऑस्ट्रेलिया का पहला पूर्ण प्रशिक्षण सत्र ब्रिटेन में गुरुवार को बेकेनहैम में होगा जो मध्य लंदन से 20 किमी दूर है।

पैट कमिंस और उनके साथी सप्ताहांत में केंट में ट्रेनिंग करेंगे क्योंकि दोनों टीम को मैच से दो दिन पहले ही द ओवल में सुविधाओं का उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी। द ओवल की पिच से तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की संभावना है जबकि बेकेनहैम को बल्लेबाजों की अनुकूल पिच के लिए जाना जाता है।

# खोदा पहाड़, निकली चुहिया है 100 यूनिट मुफ्त बिजली की घोषणा: शेखावत

## प्रधानमंत्रीजी की सभा की सफलता को देखकर आंखें चौंधिया गईं, इसीलिए आनन-फानन में घोषणा की

- केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री ने पूछा, फरवरी में बजट में यह घोषणा की थी, अब तक लागू नहीं की।
- गजेन्द्र सिंह ने यह भी कहा, कांग्रेस के गारंटी कार्ड पहले ही फेल हुए, फेल गारंटी कार्ड दोबारा नहीं चला सकते।

जयपुर/नई दिल्ली, 1 जून (का.सं.)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की, 100 यूनिट फ्री बिजली देने की घोषणा को "खोदा पहाड़, निकली चुहिया" बताया। उन्होंने कहा कि, यह घोषणा तो वह बजट भाषण में भी कर चुके थे। फरवरी से लेकर अब तक उसको लागू नहीं किया था। शेखावत ने कहा कि, राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी का चुनाव में विजय होना उतना ही सुनिश्चित है, जितना यह कि, कल का सूर्योदय पूर्व दिशा से होगा।

गुरुवार को एक चैनल से बातचीत में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि, प्रधानमंत्रीजी की सभा की सफलता को देखकर मुख्यमंत्रीजी की आंखें चौंधिया गई थीं, इसलिए आनन-फानन में उन्होंने बयान दिया कि, एक घोषणा करूँगा। राजस्थान के लोग सोच रहे थे कि, पता नहीं क्या करने वाले हैं? फिर रात को खोदा पहाड़, निकली चुहिया। सौ यूनिट बिजली फ्री देंगे, यह घोषणा तो वह पहले बजट भाषण में भी कर चुके थे। फरवरी से लेकर अब तक उसको लागू नहीं किया। उल्टा लोगों पर फ्यूल सरचार्ज बोझ लाद दिया, फिक्स चार्जेज़ का बोझ बढ़ा दिया गया। अब एकाएक राहत शिविरों में जाकर उनको एहसास हुआ और फीडबैक मिला।

शेखावत ने कहा, मुझे लगता है कि, बिना अध्ययन के घोषणा कर देने का, बिना हकीकत को जाने उनको लागू कर देने का और उसके कारण होने वाली विफलता का यह नायाब उदाहरण है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि, राजस्थान के डिस्कॉम्स पर 1.20 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। जब 2014 में नरेंद्र मोदीजी प्रधानमंत्री बने थे, तब उन्होंने सभी प्रदेशों के डिस्कॉम के लिए एक योजना बनाकर कर्ज को लॉन्ग टर्म लोन में चेंज किया था। आज वापस हम 1.20 लाख करोड़ के कर्जे पर आकर खड़े हुए हैं। राजस्थान सरकार को, अभी तक के फ्यूल सरचार्ज को, जो उन्होंने सब्सिडाइज़ किया है, उसके पेटे में भी 15,180 करोड़ रुपए डिस्कॉम्स को चुकाना बाकी हैं, पहले उनको चुकाएं। उनको नहीं चुकाने के कारण उनके वित्तीय हालात खराब हुए हैं। फायनैंशियल संस्थाएं लोन नहीं दे रही हैं, उसके कारण कोयले का पेमैंट नहीं हो रहा है, उसके कारण राजस्थान में बिजली कटौती चल रही है। एकतरफ आप कटौती कर रहे हैं, दूसरी तरफ आप इस तरह की घोषणा कर रहे हैं।

शेखावत ने कहा, "जहां तक घोषणाओं का प्रश्न है, मैं कहना चाहता हूं कि, राजस्थान की जनता के साथ, वर्ष 2018 में गहलोत साहब और उनकी पार्टी के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी ने एक से दस तक गिनती गिनकर घोषणाएं की थीं। वो घोषणाएं जिस तरह से राजस्थान के किसानों, महिलाओं, युवाओं, बेरोजगारों के लिए एक मजाक बनीं, उन्होंने महसूस किया कि उनके साथ धोखा हुआ है। मुझे लगता है कि छोटी-छोटी रेवड़ियां बांटने का अब कोई प्रभाव नहीं होगा।"

कांग्रेस पार्टी के गारंटी कार्ड पर शेखावत ने कहा कि, राजस्थान में गारंटी पहले ही फेल हुई है, जो फेल गारंटी कार्ड है, वह गारंटी कार्ड दोबारा चला नहीं करते। उन्होंने कहा कि, हिंदी की कहावत है, दूध का जला छाछ को भी फूंक कर पीता है। राजस्थान के किसान, युवा, बेरोजगार, महिलाएं पिछली बार धोखा खा चुके हैं, एक धोखा और नहीं खा सकते हैं।

### प्रसूता की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जांच करवाने के निर्देश जिला कलेक्टर करौली को दिए थे। जिला कलेक्टर करौली द्वारा गठित टीम ने मामले की जांच एक दिन में पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुति की।

जांच रिपोर्ट में प्रथम दृष्टया चिकित्साधिकारी डॉ. राधेश्याम बैरवा, नर्सिंग अधिकारी नाथू मीणा एवं ए.एन.एम. मनीषा मीणा को ड्यूटी में लापरवाही का दोषी पाये जाने पर उन्हें ए.पी.ओ. कर दिया गया है।

### मई में जी.एस.टी संग्रह 1.57 लाख करोड़ के पार पहुँचा

नयी दिल्ली 1 जून (वार्ता)। गुड्स एण्ड सर्विसेज़ टैक्स (जी.एस.टी.) राजस्व संग्रह इस वर्ष मई में 1.57 लाख करोड़ रुपये रहा जो मई 2022 में संग्रहित 140885 करोड़ रुपये की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है। मई 2023 में संग्रहित राजस्व जी.एस.टी.के लागू होने के बाद पांचवी बार कलैक्शन 1.5 लाख करोड़ रुपये के पार रहा है।

- मई 2022 के मुकाबले इस चालू वित्त वर्ष में जी.एस.टी कलैक्शन में 12 प्रतिशत की तेजी आई है, मई 2022 में करीब 1.40 लाख करोड़ रु. का जी.एस.टी. कलैक्शन हुआ था।

इस वर्ष अप्रैल में रिकार्ड 1.87 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी राजस्व संग्रहित हुआ था जो अब तक का सर्वाधिक राजस्व था। इससे पहले पिछले वर्ष अप्रैल में यह राशि 167540 करोड़ रुपये रहा था। पिछले 14 महीने से जीएसटी राजस्व संग्रह 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक बना हुआ है। मार्च 2023 में यह 160122 करोड़ रुपये रहा था।

वित्त मंत्रालय ने आज यहां जीएसटी राजस्व संग्रह का आंकड़ा जारी किया जिसमें मई 2023 में संग्रहित राजस्व 157090 करोड़ रुपये रहा है। इस वर्ष अप्रैल में संग्रहित राजस्व में सी.जी.एस.टी. 28411 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 35828 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 81363 करोड़ रुपये रहा जिसमें आयात पर संग्रहित कर 41772 करोड़ रुपये शामिल है।

# पहलवानों के मुद्दे पर किसान संगठन आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे

## भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख राकेश टिकैत ने कहा कि, जरूरत पड़ी तो हम राष्ट्रपति से मिलकर सरकार के रवैये की शिकायत करेंगे

- किसान नेता राकेश टिकैत ने गुरुवार को कहा कि, हरियाणा के किसान और खाप पंचायतें पहलवानों को खुला समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने पहलवानों के विरोध के मुद्दे पर अंतिम फैसला कल शुक्रवार को हरियाणा में होने वाली बैठक में लिया जाएगा।
- राकेश टिकैत ने स्पष्ट कर दिया कि, वे कोई कसर नहीं छोड़ेंगे और पहलवानों को न्याय दिलाने तक किसानों का यह प्रदर्शन जारी रहेगा।

नई दिल्ली, 1 जून। रैसलिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यु.एफ.आई.) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तार की मांग कर रहे पहलवानों को किसानों और खाप का समर्थन मिला है। किसान नेता राकेश टिकैत ने गुरुवार को कहा कि पहलवानों के विरोध के मुद्दे पर अंतिम फैसला कल शुक्रवार को हरियाणा में होने वाली बैठक में लिया जाएगा। हरियाणा के किसान और खाप पहलवानों को खुला समर्थन दे रहे हैं। पहलवानों और बृजभूषण शरण सिंह के बीच चल रहे टकराव के बीच बृहस्पतिवार को शोरम गांव में खाप महापंचायत शुरू हुई है।

भारतीय किसान यूनियन (बी.के.यू.) के नेता राकेश टिकैत ने गुरुवार को कहा कि बृजभूषण सिंह के खिलाफ शीर्ष पहलवानों के चल रहे विरोध को लेकर एक समिति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेगी। पत्रकारों से बात करते हुए राकेश टिकैत ने पूछा कि बृजभूषण सिंह के खिलाफ दर्ज पॉक्सो मामले में अब तक गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई।

राकेश टिकैत ने स्पष्ट कर दिया कि, वे कोई कसर नहीं छोड़ेंगे और पहलवानों को न्याय दिलाने तक प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने आज मुजफ्फरनगर में एक विशाल बैठक में पहलवानों से कहा, "अगर जरूरत पड़ी तो हम भारत के राष्ट्रपति के पास जाएंगे... हम आपके साथ हैं, आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है।" भारतीय किसान यूनियन के एक नेता ने कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर चल रहे पहलवानों के विरोध पर चर्चा के बाद खाप अपना प्रस्ताव पारित करेगी।

दिल्ली पुलिस ने डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ दो एफ आई आर दर्ज की हैं। जहां पहली एफ.आई.आर एक नाबालिग पहलवान के आरोपों से संबंधित है और पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज की गई है, वहीं दूसरी अपमानजनक शील से संबंधित है। राकेश टिकैत ने जोर देकर कहा, "बृज भूषण सिंह के खिलाफ दर्ज पॉक्सो मामले में कोई गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? क्या कानून में संशोधन होगा कि पॉक्सो अधिनियम के तहत किसी को गिरफ्तार करने से पहले एक जांच होगी?"

प्रदर्शनकारी पहलवानों के समर्थन में उतरे किसान नेता ने भारतीय जनता पार्टी पर अपने ही आदमियों का विरोध करने का भी आरोप लगाया। बता दें बृजभूषण सिंह उत्तर प्रदेश से बीजेपी सांसद हैं।

### 262 लाख टन गेहूं की खरीद

नयी दिल्ली, 1 जून (वार्ता)। रबी के मौसम में 2023-24 के दौरान गेहूं की खरीद 262 लाख टन तक पहुंच गयी है जो पिछले साल हुई 188 लाख टन खरीद की तुलना में 74 लाख टन अधिक है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की गुरुवार को जारी एक विज्ञिप्त में 30 मई तक के आंकड़ों के आधार पर यह जानकारी दी गयी।

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

# मानसून सत्र में अडानी मामले में जे.पी.सी. जांच की पुरजोर मांग उठायेगी कांग्रेस

## कांग्रेस ने इस मामले में सरकार को घेरने के लिए "हम अडानी के कौन हैं?" शीर्षक से 100 सवालों की पुस्तिका जारी की

नयी दिल्ली 1 जून (वार्ता)। अडानी मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जे.पी.सी.) से जांच कराने की विपक्ष की मांग का नेतृत्व कर रही कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि वह संसद के आगामी मानसून सत्र में जे.पी.सी. की अपनी मांग पर जोर देगी।

कांग्रेस के प्रभारी महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने अदानी मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पार्टी की ओर से पूछे गये 100 सवालों को लेकर हम अडानी के हैं कौन शीर्षक से पुस्तिका जारी करने के बाद संवाददाताओं से कहा, संसद के आगामी मानसून सत्र में जब हम नये संसद भवन में बैठेंगे, तो हमारी पहली मांग मोदानी घोटाले की जे.पी.सी. जांच होगी।

कांग्रेस सांसद ने कहा, सभी विपक्षी दल एकजुट हैं। हम जेपीसी जांच की मांग करेंगे। हम पीछे नहीं हटेंगे। जे.पी.सी. जांच से ही मोदनी घोटाले का पर्दाफाश हो सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी की ओर से मोदानी घोटाले पर पूछे गए 100 सवालों पर उन्हें (मोदी) अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए।

गौरतलब है कि हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि अडानी समूह दशकों से स्टॉक हेरफेर और अकाउंटिंग धोखाधड़ी योजनाओं में लिप्त रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री पर अरबपति व्यावसायी गौतम अडानी समेत कुछ उद्योगपतियों का पक्ष लेने का आरोप लगाते रहे हैं। उन्होंने मोदी से अडानी के साथ अपने संबंधों का खुलासा करने के लिए कहा था।

### एन.सी.ई.आर.टी....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लगाया था कि, एन.सी.ई.आर.टी. ने अपनी बारहवीं कक्षा की राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में सिखों के बारे में ऐतिहासिक जानकारी गलत तरह से प्रस्तुत की है। एस.जी.पी.सी. की आपत्ति पुस्तक "स्वतंत्रता तक भारत में राजनीति" में आनंदपुर साहिब प्रस्ताव के उल्लेख से संबंधित है।

### मुण्डे बहनों का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रीतम को भी ऐसे संकेत दिए गए है कि उन्हे 2024 के लोकसभा चुनाव में टिकट नहीं दिया जाएगा। दोनों बहनें इसलिए भी गुस्सा है कि अप्रैल में जी.एस.टी. अधिकारियों ने पंकजा की एक शुगर मिल पर रेड की थी। पंकजा ने तब भी अपनी नाराज़गी जता दी थी और कहा था कि जी.एस.टी. के अधिकारियों ने उन्हें बताया कि रेड के आदेश ऊपर से आए हैं। तब शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट उनके समर्थन में आगे आया था। पूर्व में भी पंकजा ने कई बार भाजपा के राज्य नेताओं की आलोचना की थी और वे अक्सर ऐसे संकेत देती रहती है कि वर्तमान उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस उन्हें दरकिनार करने का प्रयास कर रहे हैं। मुंडे बहिनों को अपने पिता गोपीनाथ मुंडे की विरासत का समर्थन प्राप्त है जो कि महाराष्ट्र में भाजपा के प्रमुख ओ.बी.सी. नेता थे। मुंडे ने ही महाराष्ट्र में भाजपा का शिव सेना व तीन अन्य छोटे दलों के साथ गठबंधन बनवाया था। मुंडे और उनके साले प्रमोद महाजन को महाराष्ट्र में भाजपा को खड़ा करने का श्रेय दिया जाता है। उन्हीं की मेहनत थी कि 1995 में भाजपा सत्ता के करीब पहुंची थी। आगामी लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों से पहले मुंडे बहिनों का विद्रोह भाजपा के लिए परेशानियां पैदा कर सकता है।

### वॉट्सऐप ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लोकप्रिय इंस्टेंट मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स में से एक है और भारत में इसके लगभग 50 करोड़ यूज़र्स हैं। वॉट्सऐप ने कहा, "इन्फॉर्मेशन टैक्नॉलजी नियम 2021 के अनुसार, हमने अप्रैल 2023 के महीने के लिए अपनी रिपोर्ट प्रकाशित की है। इस यूज़र-सैफ्टी रिपोर्ट में कंपनी को यूज़र्स से मिली शिकायतों की डिटेल और वॉट्सऐप द्वारा की गई कार्रवाई के साथ-साथ वॉट्सऐप की अपनी प्रिवेंटिव कार्रवाइयों की डिटेल शामिल हैं। जैसा कि, नई मंथली रिपोर्ट में दिखाया गया है, वॉट्सऐप ने अप्रैल के महीने में 7.4 मिलियन (74 लाख) से अधिक अकाउंट्स पर बैन लगा दिया।

# टाटा कंसल्टैंसी सर्विसेज देश का सबसे टॉप ब्रैंड घोषित हुआ

- ब्रैंड वैल्यू के मामले में रिलायंस दूसरे और इन्फोसिस तीसरे स्थान पर है।

नई दिल्ली 1 जून (वार्ता)। भारत के शीर्ष 50 सबसे मूल्यवान ब्रांडों की सूची में 1,09,576 करोड़ रुपये के ब्रैंड मूल्यांकन के साथ टाटा समूह की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टाटा कंसलटेंसी सर्विसेस (टी.सी.एस.) शीर्ष स्थान पर है।

इस सूची में शामिल पांच प्रमुख ब्रैंड्स का मूल्यांकन 100 अरब डॉलर से अधिक है और इसमें अरबपति मुकेश अंबानी के दो ब्रैंड रिलायंस और जियो भी शामिल है।

दुनिया की प्रमुख ब्रैंड कंसल्टेंसी कंपनी इंटरब्रांड द्वारा जारी इस सूची में टीसीएस के बाद रिलायंस दूसरे पायदान पर तो जियो को पांचवा स्थान मिला है। रिलायंस का ब्रांड मूल्य 65,320 करोड़ रुपये आंका गया है। जबकि 49,027 करोड़ के ब्रांड मूल्यांकन के साथ जियो पांचवे स्थान पर बनी हुई है। दिलचस्प है कि जियो ने पहली बार इस लिस्ट में जगह बनाई है, वहीं दिग्गज दूरसंचार कंपनी एयरटेल छठे नंबर पर है। आईटी कंपनी इंफोसिस 53,323 करोड़ के ब्रांड वैल्यू के साथ तीसरे तथा देश का शीर्ष प्राइवेट बैंक एचडीएफसी 50,291 करोड़ रुपये के ब्रांड वैल्यू के साथ चौथे स्थान पर है।

इंटरब्रांड के आंकड़ों से खुलासा हुआ है कि लिस्ट में शामिल 50 कंपनियों का कुल ब्रांड मूल्यांकन पहली बार 100 अरब डॉलर को पार कर गया है। शीर्ष तीन ब्रांड टीसीएस, रिलायंस और इंफोसिस का ब्रांड मूल्य, सूची में शामिल पहली 10 कंपनियों के कुल ब्रांड मूल्य का 46 फीसदी आंका गया है। वहीं शीर्ष दस कंपनियों के ब्रांड का कुल ब्रांड मूल्य, सूची में शामिल शेष 40 ब्रांडों के संयुक्त मूल्य से भी अधिक है।

एलआईसी, महिंद्रा, एसबीआई और आईसीआईसीआई भी पहले 10 मूल्यवान भारतीय ब्रांड में शामिल हैं। इनके अलावा टाटा, अदाणी, मारूति सुजुकी, आईटीसी, बजाज ऑटो, अमूल, डाबर, पतंजलि और ब्रिटेनिया जैसे ब्रांड भी पहले 50 की लिस्ट में शामिल हैं।

### शरद पवार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोनों नेताओं के बीच यह पहली बैठक है और इसे राज्य की राजनीति में सबसे बड़े घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। यह मीटिंग इस लिहाज से भी खास है क्योंकि शिवसेना के दूसरे धड़े के नेता उद्धव ठाकरे छुट्टियां मनाने के लिए विदेश में हैं। दोनों के बीच आधे घंटे से अधिक समय तक बंद कमरे में बातचीत हुई। हालांकि इस बैठक में हुई चर्चा का ब्योरा सामने नहीं आया, लेकिन कहा गया कि पवार उन्हें मराठा मंदिर संस्था के अमृत महोत्सव कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए वर्षा बंगले गए थे। ऐसा कहा जाता है कि शरद पवार जब भी राज्य के मुखिया के सामने महत्वपूर्ण मुद्दे रखना चाहते हैं, तो वे खुद मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर जाते हैं। यह भी संभावना जताई जा रही है कि शरद पवार चीनी मिल के सिलसिले में मुख्यमंत्री से चर्चा करने गए थे। हालांकि राजनीतिक हलकों की निगाहें इस मुलाकात पर टिकी हैं।

# भारत नेपाल रिश्तों को सुपरहिट बनाएंगे मोदी-प्रचंड

नयी दिल्ली, 1 जून (वार्ता) भारत एवं नेपाल ने अपने सदियों से चले आ रहे घनिष्ठ संबंधों में 'विकास साझीदारी' को 'सुपरहिट' बनाने का संकल्प लिया और रेल, हवाई, जलीय कनेक्टिविटी तथा पेट्रोलियम पाइपलाइन, विद्युत पारगमन लाइनों को विस्तार देने की छह परियोजनाओं को आज क्रियान्वित किया और पारगमन संधि सहित सात समझौतों पर हस्ताक्षर किये।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल प्रचंड के बीच आज यहां हैदराबाद हाउस में हुई द्विपक्षीय बैठक में ये निर्णय लिये गये। बैठक में रक्सौल से काठमांडू तक रेलवे लाइन बिछाने की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट नेपाली पक्ष को सौंपी गयी। इसके अलावा भारत ने नेपाल से दस साल तक दस हजार मेगावाट जलविद्युत खरीदने का भी समझौता किया। नेपाल के प्रधानमंत्री दहल ने प्रधानमंत्री मोदी को नेपाल यात्रा पर आने के लिए निमंत्रित भी किया।

बैठक के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से रिमोट कंट्रोल के माध्यम से जयनगर-कुर्था रेलवे लाइन के बिजलपुरा तक विस्तार का लोकार्पण किया। भारतीय अनुदान के तहत नवनिर्मित रेल लिंक बथनाहा (भारत) से नेपाल सीमा शुल्क यार्ड तक एक भारतीय रेलवे कार्गो ट्रेन का हरी झंडी दिखा कर शुभारंभ किया। इसके अलावा नेपालगंज (नेपाल) और रुपईडीहा (भारत) में एकीकृत चेकपोस्ट (आईसीपी) का उद्घाटन किया तथा भैरहवा (नेपाल) और सोनौली (भारत) में आईसीपी, मोतिहारी-अमलेखगंज पेट्रोलियम पाइपलाइन के तहत दूसरे चरण की सुविधा और दोनों देशों के उपक्रमों पीजीसीआईएल और एनईए के संयुक्त रूप से बनाई जा रही गोरखपुर-बुटवल विद्युत पारेषण लाइन के भारतीय हिस्से का शिलान्यास किया।

इसके बाद दोनों देशों के बीच पारगमन संधि के हस्ताक्षिरत दस्तावेज के आदान प्रदान के अलावा मोतिहारी अमलेखगंज पेट्रोलियम पाइपलाइन के चितवन तक विस्तार, सिलीगुड़ी से पूर्वी नेपाल के झापा तक एक अन्य पेट्रोलियम पाइपलाइन बिछाने एवं चितवन और झापा में नए पेट्रोलियम भंडार स्थापित करने के समझौते, भारत-नेपाल सीमा पर दोधरा चांदनी चेक पोस्ट के बुनियादी ढांचे के निर्माण, सुषमा स्वराज इंस्टीट्ययूट ऑफ फॉरेन सर्विस (एसएसआईएफएस) और इंस्टीट्ययूट ऑफ फॉरेन अफेयर्स, नेपाल के बीच सहयोग के करार, सीमा पार भुगतान के लिए एनपीसीआईएल और एनसीएचएल, नेपाल के बीच सहयोग के समझौते, सतलुज जलविद्युत निगम और नेपाल निवेश बोर्ड के बीच लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना के विकास के समझौते तथा फुकोट-करनाली जलविद्युत परियोजना के विकास के लिए एनएचपीसी और वीयूसीएल, नेपाल के बीच करार के दस्तावेजों का भी आदान प्रदान किया गया।

मोदी ने अपने प्रेस वक्तव्य में कहा, मुझे याद है, 9 साल पहले 2014 में कार्यभार संभालने के 3 महीने के भीतर, मैंने नेपाल की अपनी पहली यात्रा की थी। उस समय मैंने भारत-नेपाल संबंधों के लिए 'हिट' यानी (हाईवेज़, आईवेज़ एवं ट्रांसवेज़) फार्मूला दिया था। मैंने कहा था कि भारत-नेपाल के बीच ऐसे संबंध स्थापित करेंगे कि हमारी सीमाएं बाधा न बनें। ट्रकों की जगह पाइपलाइन से तेल का निर्यात होना चाहिए। साझा नदियों के ऊपर सेतु बनाने चाहिए। नेपाल से भारत को बिजली निर्यात करने के लिए सुविधाएं बनाई जानी चाहिए। आज, 9 साल बाद, मुझे कहते हुए ख़ुशी है कि हमारी साझीदारी वाकई में 'हिट' है।

उन्होंने कहा कि पिछले 9 सालों में हमने अनेक क्षेत्रों में कई उपलब्धियाँ हासिल की हैं। बीरगंज में नेपाल की पहली एकीकृत जांच चौकी बनाई गयी। भारत-नेपाल के बीच हमारे क्षेत्र की पहली सीमापार पेट्रोलियम पाइपलाइन बनाई गयी। हमारे बीच पहली ब्रॉड-गेज रेल लाइन स्थपित की गयी है। सीमा पार नई पारेषण लाइनों का निर्माण किया गया है।

# 'चीन के पत्रकारों को भारत स्वतंत्र...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत पर "जैसे को तैसा" वीज़ा-विवाद का दोषारोपण किया था, जिसके अन्तर्गत उन्होंने तत्काल प्रभाव से एक-दूसरे के पत्रकारों को निष्कासित कर दिया हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने भारत सरकार पर मनमाने तरीके से चीनी पत्रकारों के वीज़ा की अवधि कम कर देने तथा 2020 के बाद वीज़ा नवीनीकरण न करने का आरोप लगाया था। विदेश मंत्रालय ने कहा था, "भारत में बचे अंतिम चीनी पत्रकार का वीज़ा भी समाप्त हो गया है।"

"ग्लोबल टाइम्स" ने "भारत द्वारा पत्रकारों का निष्कासन एक तुच्छ कार्यवाही है" शीर्षक से प्रकाशित सम्पादकीय में कहा है," इस कार्यवाही से नकारात्मक संदेश गया है तथा इसका चीन और भारत के बीच के मीडिया कम्यूनिकेशन पर निश्चित रूप से नकारात्मक असर पड़ेगा।" सम्पादकीय में इस बात पर जोर दिया गया है कि भारत की एन.एस.जी. की सदस्यता का विरोध करके चीन किसी असम्मानजनक रूप में नहीं आ रहा था, क्योंकि वह इस नियम का पालन कर रहा था कि सभी एन.एस.जी. सदस्यों के लिये "नॉन-प्रॉलिफरेशन ट्रीटी (एन.पी.टी.) का हस्ताक्षरकर्ता (सिग्नेटरी) होना जरूरी है।

इन रिपोर्टों, कि चीन बदले की कार्यवाही करते हुये भारतीय पत्रकारों की वीज़ा-नवीनीकरण अर्जियों को रोक रहा है, की प्रतिक्रिया में, माओ ने इस प्रकार के कदम का उल्लेख किये बिना कहा कि बीजिंग के पास "समुचित जवाबी कदम उठाने के अलावा, और कोई विकल्प है ही नहीं।" भारत के "द हिन्दू" अखबार के संवाददाता अनन्त कृष्णन ने ट्विटर पर लिखा कि इस समय "बीजिंग में भारत का केवल एक ही प्राधिकृत पत्रकार बचा है।"

डब्ल्यू.एस.जे. रिपोर्ट में एक चीनी अधिकारी का हवाला देते हुये कहा है कि इस साल के शुरु में चीन में चार भारतीय पत्रकार थे, जिनमें से दो लोगों को चीन वापस जाने का वीज़ा नहीं दिया गया है। तीसरे पत्रकार से इस महीने कह दिया गया था कि इसकी मान्यता रद्द कर दी गई है लेकिन वह देश में ही रहेगा।

इस प्रकार के भेदभाव का जवाब देते हुये, प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, "चीनी पत्रकारों के साथ लम्बे समय से अनुचित एवं भेदभावपूर्ण व्यवहार हो रहा है। 2019 में अनुचित एवं भेदभावपूर्ण व्यवहार हो रहा है। 2017 में भारत ने भारत में काम कर रहे चीनी पत्रकारों के वीज़ा की वैधता बिना किसी वैध कारण के, कम करके तीन माह, बल्कि एक माह भी कर दी थी। 2020 के बाद, चीनी पत्रकारों की भारत में ठहरने की अर्जियों पर न पुनर्विचार किया और न मंजूरी ही दी। इसके परिणामस्वरूप, भारत में काम करने वाले चीनी पत्रकारों की संख्या, जो सामान्यत: 14 होनी थी एक एक रह गई।"

अखबार का दावा है कि चीन के प्रति भारत की नीति सख्त होती जा रही है तथ विशेषज्ञों को चेतावनी दी है कि चीन-भारत के रिश्तों की बेहतरी में विघ्न डालने के लिये जानबूझकर प्रतिकूल एवं शत्रुतापूर्ण माहौल पैदा किया जा रहा है। अखबार का कहना है कि इस मुद्दे का सार यह है कि भारत ने शीत युद्ध की मानसिकता बना ली है तथा वह चीन को अपने लिये "सबसे बड़ा संकट" मानता है।

ग्लोबल टाइम्स ने यह भी कहा है कि चीन और भारत के बीच के रिश्ते इन दिनों बिगड़ते जा रहे हैं, जबकि चीन इन्हें सुधारने के प्रयास कर रहा है। विशेषज्ञ चेतावनी देते हुये कह रहे हैं कि यह एक खतरनाक स्थिति है, क्योंकि भारत-चीन से टकराने तथा अमेरिका के साथ जुड़ने के लिये कटिबद्ध प्रतीत हो रहा है।

### 'हैलो...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ा रहे भारतीय मूल के शिक्षाविदों से चल रहे संवाद के बीच उन्होंने कहा, "यहां भारत से आये युवा विद्यार्थियों का एक ग्रुप है। मैं उनसे जुड़ना तथा उनसे बात करना चाहता हूँ। ऐसा करना मेरा अधिकार है। उन्होंने जोर देते हुए यह भी कहा कि इस यात्रा की तरह, उनकी प्राय: होने वाली विदेश यात्राओं में, वे किसी से कोई समर्थन/सहयोग की इच्छा नहीं कर रहे हैं।स्टैनफर्ड के पूरी तरह खचाखच भरे ऑडिटोरियम में उपस्थित श्रोताओं की करतल ध्वनि के बीच उन्होंने कहा, "मैं नहीं समझ पा रहा कि प्रधानमंत्री यहां आकर यह सब क्यों नहीं करते।" कार्यक्रम के संचालक/नियामक ने कहा कि स्टैनफर्ड में प्रधानमंत्री के आने का तथा विद्यार्थियों एवं शिक्षाविदों के साथ संवाद करने का हर समय स्वागत है।

### अजीत डोभाल ने दहल से मुलाकात की

नयी दिल्ली, 1 जून। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने बुधवार शाम यहां नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' से शिष्टाचार मुलाकात की।

नेपाली दैनिक समाचार पत्रों ने बताया कि दहल और एनएसए श्री डोभाल के साथ विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा भी थे। दहल भारत की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं।

इससे पहले दहल बुधवार दोपहर नयी दिल्ली पहुंचे। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद दहल प्रचंड मौर्या होटल गए, जहां उन्होंने भारतीय राजनयिकों के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। नेपाल के प्रधानमंत्री गुरुवार को राजघाट पर पुष्पांजलि अर्पित कर नयी दिल्ली में अपनी कूटनीतिक व्यस्तताओं की शुरुआत करेंगे। बाद में वह हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बातचीत करेंगे। दोनों पक्षों की ओर से समझौतों का आदान-प्रदान और प्रेस वक्तव्य होंगे।

# अमित शाह ने मणिपुर में हिंसा प्रभावितों के लिए राहत पैकेज का एलान किया

- गृहमंत्री ने अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ अभियान चलाने की भी घोषणा की और अवैध हथियार रखने वालों को पुलिस के सामने हथियार डालने को कहा।

इंफाल, 1 जून (वार्ता) मणिपुर के दौरे पर आए केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हिंसा से प्रभावित लोगों के लिए गुरुवार को राहत पैकेज की घोषणा करते हुए राज्य में जनजातीय समुदायों के बीच हुई हिंसा की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय की अध्यक्षता में आयोग गठित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हिंसा के कुछ मामलों की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से करायी जाएगी। गृहमंत्री ने अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ अभियान चलाने की भी घोषणा की और अवैध हथियार रखने वालों को पुलिस के सामने हथियार डालने को कहा। उन्होंने राज्य के लोगों को हिंसा की जांच निष्पक्ष रूप से कराने का आश्वासन दिया। शाह ने मणिपुर की यात्रा के चौथे और आखिरी दिन यहां यह घोषणा करते हुए कहा कि हिंसा में मारे गए, प्रत्येक व्यक्ति के लिए पांच लाख रुपये राज्य और पांच लाख रुपये केन्द्र सरकार की ओर से दिए जाएंगे। यह राशि उनके निकट परिजनों के खाते में सीधे हस्तांतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि हिंसा में घायल हुए लोगों और संपत्ति का नुकसान उठाने वालों के लिए एक राहत पैकेज की घोषणा कल गृह मंत्रालय द्वारा की जाएगी।

गृहमंत्री ने कहा कि मणिपुर के राज्यपाल की अध्यक्षता में शांति समिति बनाई जाएगी। गृहमंत्री ने मणिपुर के लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील किया। उन्होंने हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती बरतने का संकेत देते हुए कहा कि अवैध रूप से हथियार रखने वालों को पुलिस के सामने हथियार डालने होंगे। हथियारों की तलाशी के लिए कल से विशेष तलाशी अभियान शुरू किया जाएगा और जिनके पास से हथियार मिले उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरे में इससे पहले, शाह ने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और उनके सरकार के कुछ मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठकें की और वे हिंसा प्रभावित लोगों के लिए बने राहत शिविरों में गए तथा समुदाय के नेताओं से मुलाकात भी की।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908